कार्यपालक निर्देशक ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

● धर्मेन्द्र सिंह

स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार के लिए समर्पण और जिम्मेदारी से काम करें। उक्त बाते राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार के कार्यपालक निर्देशक संजय कुमार सिंह ने दो अप्रैल को जिला स्थित सदर अस्पताल के निरीक्षण के क्रम में कही। निरिक्षण के क्रम में जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री भी साथ रहे। कार्यपालक निर्देशक एवं डीएम ने सदर अस्पताल के सभी वार्डों का बारीकी से मुआयना किया। संबंधित अधिकारियों से उन्होंने वार्ड में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जरूरी पूछताछ की। साथ ही वरीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सुविधाओं की बेहतरी को लेकर जरूरी निर्देश दिये। निरीक्षण के क्रम में कार्यपालक निर्देशक संजय कुमार ने ब्लड बैंक, सीटी स्कैन, लेबर रूम, एसएनसीयू, पीकू वार्ड, ओपीडी, इलाज के लिये आने वाले मरीजों के लिये उपलब्ध बैठने के इंतजाम सहित अस्पताल में उपलब्ध शौचालय व पेयजल संबंधी इंतजाम का जायजा लिया। उन्होंने 108 एम्बुलेंस के साथ ही स्वास्थ्य सेवायें से संचालित कार्य अंतर्गत सीटी स्कैन सुविधा, डायलिसिस सुविधा, उपकरणों के रख-रखाव, डायग्नोस्टिक टेस्ट संबंधित मॉडल निविदा में की जा रही कार्यवाही को भी समय पर करने की बात कही। सेवाओं की बेहतरी व उपलब्धता को प्रभावी व कारगर बनाने को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग का प्रयास निरंतर जारी रहने की बात सिविल सर्जन ने कही। मौके पर डीआईओ डॉ देवेन्द्र कुमार, अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ अनवर आलम, डीपीएम डॉ मुनाजिम, डीपीसी विश्वजीत कुमार, अस्पताल प्रबंधक जुल्ले अशरफ सहित विभाग के अन्य वरीय अधिकारी व कर्मी मौजूद थे। निरीक्षण के उपरांत कार्यपालक निर्देशक संजय कुमार सिंह ने बताया कि मिशन 60 दिवस से जुड़ी उपलब्धियों व अस्पताल परिसर में नव निर्माण से जुडी गतिविधियों का जायजा लेना निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि पूर्व की तुलना में अस्पतालों में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं में बहुत हद तक सुधार हुआ है। लेबर रूम व नवजात शिशु देखभाल संबंधी सेवाएं बेहतर हुई हैं। साफ-सफाई पहले से बेहतर जरूर हुई है। लेकिन इस दिशा में अभी बहुत ज्यादा सुधार की जरूरत है। इसे लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये गये हैं। इसमें अपेक्षित सुधार नहीं होने पर संबंधित एजेंसी को चेतावनी देते हुए आवश्यक कार्रवाई की बात उन्होंने कही। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने कहा कि चिकित्सकीय सुविधाओं को सहज व सुविधाजनक बनाने के लिये कार्यपालक निर्देशक द्वारा दिये गये निर्देश का जल्द ही शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के नतीजों पर कार्यपालक निर्देशक ने संतोष जाहिर किया है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग सदर अस्पताल में सकारात्मक बदलाव करने को लेकर संकल्पित है। रंग-रोगन के बाद सदर अस्पताल के भवन अंदर से बाहर तक चकाचक हो गए हैं। मरीजों के लिए नई सुविधाएं बहाल की गई हैं। मरीजों व उनके स्वजनों के बैठने के लिए ओपीडी से लेकर इमरजेंसी तक में पर्याप्त जगह की व्यवस्था की गई है। एसएनसीयू में भर्ती शिशु के मां के ठहरने व बैठने की भी व्यवस्था की गयी है। ओपीडी में डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाया गया है। जिसके माध्यम से मरीज एवं उनके स्वजनों को डाक्टर व कर्मी की ड्यूटी की जानकारी मिलती है। इस डिस्प्ले बोर्ड से अन्य कार्यक्रमों की जानकारी भी उन्हें मिल रही है। अस्पताल भवन की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया है। अस्पताल परिसर में पार्किंग का भी निर्माण करवाया जाएगा। वार्ड, शौचालय, यूरिनल आदि की मरम्मत की गयी है। अस्पताल परिसर में बागवानी पर भी ध्यान दिया गया है। कई मेडिसनल प्लांट लगाए गए हैं। अस्पताल परिसर में हर सुविधा को बेहतर करने का प्रयास जारी है। डीएम श्रीकांत शास्त्री ने बताया कि सदर अस्पताल में "मे आई हेल्प यू डेस्क" का संचालन, ओपीडी निबंधन काउंटर पर मरीजों की सहायता के लिये हेल्पर का इंतजाम, अस्पताल के प्रतीक्षालय में अनुमानित औसत उपस्थिति के आधार पर लोगों के बैठने का इंतजाम, टेलीविजन, पंखा, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सहित अन्य जरूरी इंतजाम किये गये हैं। 24 गुणा 7 मोड में रक्त अधिकोष के संचालन, डिस्प्ले के माध्यम से रक्त व कंपोनेंटर की उपलब्धता का सार्वजनिक प्रदर्शन, मेडिकल कचरा प्रबंधन का उचित इंतजाम, अस्पताल संक्रमण समिति का गठन व बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन के लिये कर्मियों को प्रशिक्षित करने की योजना को निर्धारित मानक में शामिल किया गया है। अस्पताल भवन में जगह-जगह लगे अग्निशमन सिलेंडर की फिर से फीलिंग करवायी गयी है। मरीज एवं उनके स्वजनों को कोई भी विभाग खोजने में दिक्कत न हो, इसके लिए हर जगह साईनेज बोर्ड लगाए गए हैं। अस्पताल में मिलने वाली सभी चिकित्सा सुविधा मरीजों एवं स्वजनों को ससमय उपलब्ध हो सके, इसके लिए अस्पताल प्रबंधन का लगातर प्रयास जारी है। ●

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग हुआ अलर्ट

● धर्मेन्द्र सिंह

देश के विभिन्न राज्यों एवं सूबे में कोरोना संक्रमण के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं। लिहाजा जिला स्वास्थ्य विभाग भी संक्रमण के संभावित खतरों से निपटने के लिये जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट चुका है। संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निर्देशक संजय कुमार सिंह ने कोरोना संबंधी जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया है। 5 अप्रैल को सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने सदर अस्पताल परिसर में जानकारी देते हुए बताया कि संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। संक्रमण से सुरक्षा व बचाव को लेकर विभागीय स्तर से जरूरी आदेश प्राप्त हुए हैं। राज्य में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए जिला अस्पताल सहित अन्य प्रमुख अस्पताल को पूर्णतः व्यवस्थित रखने को कहा गया है। अस्पताल में इलाज व अन्य जरूरी कार्यो से आने वाले लोगों के लिये बिना मास्क के प्रवेश की अनुमति पर रोक लगाने के साथ आरटीपीसीआर जांच की संख्या बढ़ाने का निर्देश प्राप्त है। इसके साथ ही पीएसए ऑक्सीजन प्लांट व इससे जुड़े उपकरण को तत्काल प्रभाव से दुरुस्त करने का आदेश मिला है। प्राप्त दिशा निर्देश के आलोक में जिला स्वास्थ्य विभाग संबंधित तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कहा की जिले में स्वास्थ्य विभाग मरीजों को गुणवत्तापूर्ण तथा सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ हीं नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ, आशा, आदि स्वास्थ्य सुविधा बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। संसाधन के साथ-साथ मानव बल भी बढ़ाए गये हैं। स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन संक्रमण काल की सभी चुनौतियों से लड़कर स्वास्थ्य सेवाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा हैं। सिविल सर्जन ने कहा कि डीएम एवं विभागीय निर्देश के शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने को लेकर संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना संक्रमण की प्रभावी जांच को लेकर आरटीपीसीआर जांच की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है। पूर्व में प्रतिदिन जिले में 500 लोगों की जांच हो रही थी। इसे बढ़ाकर 01 हजार करने के लिये निर्देशित किया गया है। ताकि अधिक से अधिक व्यक्तियों की जांच कर संक्रमण को रोकने में ठोस उपाय किये जा सकें। स्वास्थ्य अधिकारियों को बाहरी राज्यों से गृह जिला लौट रहे लोगों की जांच हर हाल में सुनिश्चित कराने के लिये निर्देशित किया गया है। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने कहा कि सदर अस्पताल के 80 बेड में ऑक्सीजन सीधे पाइप लाइन से पहुंचाई जा रही है। सदर अस्पताल परिसर में हवा से ऑक्सीजन बनाने की अनूठी टेक्नोलॉजी पर आधारित पीएसए ऑक्सीजन प्लांट में पांच सौ (एलपीएम) लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन उत्पादन हो रहा है। जो पाइप लाइन से सदर अस्पताल के हर बेड तक पहुंचायी जा रही है जिससे सदर अस्पताल आत्म-निर्भर हो गया है। इसके अलावा सभी सीएचसी एवं पीएचसी में भी ऑक्सीजन सिलेन्डर की उपयुक्त व्यवस्था की गयी है। किसी भी मरीज को ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। गौर करे कि जिले में स्वास्थ्य सुविधा के तहत कुल 06 सीएचसी, 01 पीएचसी में डिजिटल एक्स-रे की शुरुआत की गयी है। साथ ही ब्लड जांच के साथ अन्य जांच की भी सुविधा दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित 10 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एपीएचसी) को क्रियाशील किया गया है। साथ ही सभी पीएचसी में 10 बेड कोविड रोगी के इलाज के लिए तैयार किया गया है। इन सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक एवं दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। एपीएचसी में एक डॉक्टर के अलावा स्टाफ नर्स की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा सप्ताह के छः दिन ई-संजीवनी के माध्यम से घर बैठे भी ओपीडी की सुविधा का जिलेवासी लाभ ले रहे हैं। टेली मेडिसीन का भी लाभ मिल रहा है।

☞ **जिले में टेलीकंस्लटेशन सेवा के लिये संचालित हुआ विशेष अभियान :-** किशनगंज राज्य सरकार के सात निश्चय-2 कार्यक्रम के तहत सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को टेलीमेडिसिन सेवा के जरिये निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। पूर्व में ये सेवाएं सप्ताह में तीन दिन मिल पाती थी। अब ई संजीवनी ओपीडी सेवाएं हर दिन लोगों को उपलब्ध हो रही हैं। वहीं टेलीमेडिसिन सेवाओं को ज्यादा प्रभावी बनाने व इसका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने हर महीने के पहले व तीसरे बुधवार को टेलीकंस्लटेशन से संबंधित विशेष अभियान संचालित करने का निर्देश जारी किया है। इसे लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निर्देशक संजय कुमार सिंह ने पत्र जारी कर स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये हैं। इसी क्रम में 5 अप्रैल को जिले में टेलीकंस्लटेशन के लिये विशेष अभियान संचालित किया गया। सिविल सर्जन डॉ कौशल किशोर ने बताया कि टेलीमेडिसिन सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभागीय स्तर से हर महीने के पहले व तीसरे बुधवार को विशेष अभियान संचालित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। प्राप्त निर्देश के आलोक में अभियान के संचालन व इसके प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से हर स्तर पर जरूरी प्रयास किया जा रहा है। इसे लेकर संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये गये

हैं। सिविल सर्जन ने बताया कि ई-संजीवनी एक वेब आधारित व्यापक टेलीमिडिसिन सेवा है। यह ग्रामीण क्षेत्र के वंचित समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कराता है। उपलब्ध चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, बुनियादी ढांचे व मानव संसाधन की कमी की समस्या से निपटने में ये अचूक रूप से लाभकारी है। टेली मेडिसिन में चिकित्सा विशेषज्ञ वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। जिला योजना समन्वयक विश्वजीत कुमार ने बताया कि एप के इस्तेमाल से मरीज इलाज के लिये अस्पताल आने की झंझट से मुक्त रहते हैं। लोग घर बैठे विशेषज्ञ चिकित्सकों से अपने रोग के संबंध में जरूरी परामर्श ले सकते हैं। इससे आम लोगों को भीड़-भाड़ सहित अन्य वजहों से संक्रमण के खतरों का भी सामना नहीं करना पड़ता। अस्पताल आने-जाने की मजबूरी, लंबी कतार में खड़े रहने व चिकित्सक से समय लेने में होने वाली दिक्कतें स्वत: खत्म हो जाती है। जिले में फिलहाल 16 हब व 289 स्पोक्स स्थापित हैं। जिले में आरोग्य दिवस के दिन लगभग 500 के करीब मरीजों को सेवा का लाभ दिया गया है। इससे अनावश्यक खर्च नहीं होती व समय की भी बचत होती है। टेली मेडिसिन सेवाओं के जरिये मरीज वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से अपनी समस्या हब में बैठे चिकित्सकों

के पास रख सकते हैं। चिकित्सकों से उन्हें उचित परामर्श व दवा का सुझाव दिया जाता है। उसके साथ उन्हें नि:शुल्क दवा भी दी जाती है। सिविल सर्जन ने बताया कि वीएचएसएनडी सत्र के दौरान अब ग्रामीणों को ई-टेलीमेडिसिन की सेवा भी उपलब्ध कराई जा रही है। खासकर गर्मी के मौसम में सुदूर ग्रामीण इलाकों की लाभार्थियों के लिए ई-टेलीमेडिसिन काफी सुविधाजनक साबित हुआ। सदर प्रखंड समेत जिले में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां से स्वास्थ्य केंद्रों की दूरी ज्यादा होने के साथ ही हर समय चिकित्सीय सलाह लेना मुश्किल लगता था। लेकिन अब तो घर बैठे फोन करके भी सलाह या दवा मिलनी शुरू हो चुकी है। ऐसे में टेलीमेडिसीन यहां के लोगों के लिए वास्तव में संजीवनी साबित हो रही है। लाभार्थी महिलाओं को अब चिकित्सीय परामर्श के लिए पीएचसी या सदर अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। अब वो ई-टेलीमेडिसिन के मध्यम से ऑनलाइन चिकित्सकों को अपनी बीमारी और परेशानियों से अवगत कराकर उचित परामर्श और इलाज ले रही हैं। उन्होंने बताया कि जिले में अबतक कुल 80 हजार से अधिक लोगों ने ई-टेलीमेडिसिन के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाया है।●

जनता से दुर्व्यवहार की शिकायत न मिले : एस.पी.

● **धर्मेन्द्र सिंह**

पुलिसिंग के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी। ऐसे पुलिस अफसरों पर सीधे कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को रचना भवन में सभी थानाध्यक्षों के साथ बैठक के दौरान यह निर्देश एसपी डॉ इनाम उल हक मेगनु दे रहे थे। बैठक करीब ढाई घण्टे तक चली। एसपी ने कहा कि थानाध्यक्ष कांडो के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। थाना आने वाले फरियादियों से कुशल व्यवहार करें। लोगों को पुलिस से काफी उम्मीदें होती है। तभी व थाने आते है। ऐसे में कभी कभार कुछ थानों के द्वारा फरियादियों से अच्छा बर्ताव नहीं करने की शिकायतें मिलती है। ऐसी शिकायतें फिर से मिलेगी तो कार्रवाई तय है। एसपी ने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारी पुरस्कृत किये जाएंगे। बैठक में एसपी ने बारी बारी से सभी थानों के कांडों की समीक्षा की। शराब मामले में अब तक की गई कार्रवाई, ओवरलोडिंग, माइनिंग, वाहन जुर्माना आदि मामलों में थानावार समीक्षा की गई। जिन थानों के परफार्मेंस अच्छे नहीं थे। उन्हें अपनी कार्यशैली में सुधार के साथ समय भी निर्धारित किया। निर्धारित समय मे कांडो के निष्पादन का निर्देश दिया। बैठक में

वाहन चेकिंग अभियान चलाने, शराब की धर पकड़, रात्रि गश्ती, कुर्की वारंट का निष्पादन व कोर्ट सम्बंधित मामलों में त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। बैठक में एसडीपीओ अनवर जावेद अंसारी, डीएसपी मुख्यालय अजित प्रताप सिंह चौहान, सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, ठाकुरगंज थानाध्यक्ष सतीश कुमार हिमांशु, दिघलबैंक थानाध्यक्ष सुनील कुमार, ठाकुरगंज सर्किल इंस्पेक्टर सुनील कुमार, बहादुरगंज थानाध्यक्ष चितरंजन प्रसाद यादव, कुर्लीकोर्ट थानाध्यक्ष इकबाल अहमद खान, कोचाधामन थानाध्यक्ष आरिज एहकाम, टेढ़ागाछ थानाध्यक्ष एनके निराला, पौआखाली थानाध्यक्ष रंजन कुमार, पठामारी थानाध्यक्ष आनंद कुमार आदि मौजूद थे।

☞ **एसपी ने प्रशिक्षु दारोगा के साथ की बैठक :-** जिले में पदस्थापित 2020 बैच के प्रक्षिक्षु अवर निरीक्षकों के साथ एसपी डॉ० इनामुल हक मेगनु ने बैठक आयोजित की। ये सभी प्रशिक्षु दारोगा पिछले एक माह से किशनगंज जिले के विभिन्न थानों में व्यवहारिक प्रशिक्षण ले रहे है। अगले एक माह के बाद प्रशिक्षण के लिए राजगीर पुलिस एकेडमी जाएंगे। एसपी ने कहा कि इन्हें थाना सिरिस्ता आदि के कार्यो को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन्हें पुलिसिंग को लेकर बेसिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी के तहत बैठक आयोजित कर कई अहम जानकारियां दी गई है। ताकि आगे चलकर फील्ड में बेहतर तरीके से कार्य करें। ●

रूईधाशा मैदान से निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

● धर्मेंद्र सिंह

चैत्र शुक्ल नवमी को भगवान विष्णु के सातवे अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। गुरुवार को शहर में विहिप एवं बजरंगदल के द्वारा भव्य शोभा यात्रा निकाला गया। जिसको लेकर पूरे शहर को केसरिया झंडे और तोरण द्वार से सजाया गया है। शोभा यात्रा को सफल बनाने के लिए बजरंग दल के कार्यकर्ता दिन रात जुटे हुए थे। पूरा शहर पूरी तरह से शोभा यात्रा का स्वागत हेतु सज धज कर तैयार है। शहरवासियों को बेसब्री से रामनवमी का इंतजार था। जब शहरवासी ऐतिहासिक शोभा यात्रा का हिस्सा बनें। गौरतलब हो कि आज पूरे देश में रामनवमी की धूम है। खासकर किशनगंज के रुईधाशा मैदान में श्रद्धालुओं का जन-सैलाब उमड़ पड़ा है। गौर करे कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम के जन्म के समय देवताओं द्वारा आकाश से पुष्पवर्षा की गई थी। उसी तरह गुरुवार को शहर में लोहा ने पुष्पवर्षा की। इस शोभा यात्रा का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और विश्व हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ता कर रहे थे। राम भक्त भगवा रंग के पगड़ी पहने व जय श्रीराम लिखा पट्टा गला में डाले अपने-अपने हाथ में बड़े बड़े भगवा झंडा लेकर गाजे बाजे व वाहनों के साथ चल रहे थे। वाहनों पर लगाये भगवा ध्वज के साथ चल रहे सभी भक्तजन जोश में दिखे।

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष कर रहे थे। विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष मनोज गट्टानी ने कहा कि जुलूस में करीब एक लाख से अधिक भीड़ जुटी है। वहीं इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गया था। इस मौके पर होने वाले ध्वजारोहण को लेकर श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचते दिखाई दिए। शहर के रेलवे कॉलोनी स्तिथ प्रसिद्ध संकटमोचन हनुमान मंदिर, बिहार बस स्टैंड स्तिथ हनुमान मंदिर, रुईधाशा स्थित महाकाल मंदिर सहित विभिन्न मठ-मंदिरों मे विशेष तैयारियां की गई। इस मौके पर विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल सहित अन्य हिन्दू संगठनों ने भव्य जुलूस निकाला है। रुईधाशा मैदान में शोभा यात्रा के स्वागत के लिए किए गए इंतजाम देखते ही बन रहे हैं। वही राम भक्तों ने डमरू बजाकर लोगों का स्वागत किया। रूईधाशा मैदान से निकली भव्य शोभा यात्रा जो की पूरे शहर का भ्रमण करते हुए भूतनाथ गौशाला मंदिर में पहुँच समाप्त हुआ जहा भक्तो के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। शोभा यात्रा को सफल बनाने हेतु बजरंग दल के जिला संयोजक सुनील तिवारी, एंजल कुमार, संतोष, विक्रम कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता बीते एक पखवाड़े से जूटे हुए थे। दूसरी तरफ जिला प्रशासन के द्वारा चौक चौराहे पर सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। शहर के सभी मुख्य चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। ताकि विधि व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान नहीं पहुंचे। जिला प्रशासन के द्वारा संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है साथ ही कंट्रोल रूम भी बनाया गया है जहा तीन पालियों में पर्याप्त पदाधिकारी एवं बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। ●

हनुमान मंदिर निर्माण के लिए मुस्लिम परिवार ने दान में दी जमीन

● धर्मेंद्र सिंह

70 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले किशनगंज जिले में सांप्रदायिक सौहार्द का अनूठा उदहारण दो मुस्लिम युवकों द्वारा पेश किया गया है। गौर करे कि एक ओर जहा पूरे देश में हिंदू मुस्लिम को लेकर राजनीति चरम पर है। राजनैतिक दल के नेता एक दूसरे पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते नही थक रहे है। वही शहर के रूईधाशा वार्ड 24 स्थित वाजपेई कॉलोनी में हनुमान मंदिर निर्माण हेतु मुस्लिम समुदाय के फैज अहमद और फजल अहमद के द्वारा एक कट्ठा जमीन स्वेक्छा से दान में दी गई। जहा गुरुवार को मंदिर निर्माण की विधिवत आधार शिला रखी गई। साथ ही ध्वजारोहण किया गया। दर्जनों लोग मौजूद थे। दरअसल फैज और फजल अहमद के पिता जेड अहमद ने

मुहल्ले वासियों को मंदिर निर्माण के लिए जमीन दान में देने की बात कही थी लेकिन असमय उनका निधन हो गया। जिसके बाद मुहल्ले वासियों ने जब इस बात की जानकारी उनकी पत्नी और बेटों को दी तो सभी लोग सहर्ष तैयार हो गए। वही आज श्री हनुमान जन्मोत्सव के पावन मौके पर विधिवत रूप से फैज और फजल अहमद द्वारा दान पत्र पर हस्ताक्षर किया गया और मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई। फैज ने बताया की पिता जी की आखरी इच्छा थी साथ ही कहा की सभी को एक दूसरे की जरूरत पड़ती है और मिल जुल कर रहने की अवश्यकता है। वही उनके भाई फजल अहमद ने कहा की इस कॉलोनी में एक भी मंदिर नही था और अब मंदिर निर्माण होने से सभी लोगो को इसका फायदा होगा। वही मौके पर मौजूद स्थानीय निवासियों ने दोनो भाईयो की भूरी भूरी प्रसंशा की और दोनो भाईयो का आभार जताया है।●

एसएसबी ने किसानों के बीच बांटे कृषि उपकरण

● धर्मेन्द्र सिंह

भारत-नेपाल सीमा पर 5 अप्रैल को 12वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल किशनगंज की सीमा चौकी पिलटोला के उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिभिटटा के प्रांगण में नागरिक कल्याण कार्यक्रम वर्ष 2022-23 के अंतर्गत सीमावर्ती किसानों को कृषि उपकरण सामग्री (स्प्रे मशीन) का वितरण एवं सीमावर्ती ग्रामीणों के लिए एक मानव चिकित्सा शिविर तथा उनके पालतू पशुओं के लिए पशुचिकित्सा शिविर और निःशुल्क औषधि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

द्वितीय कमान अधिकारी 12वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कईखों अथिखों ने कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए बताया कि नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती बेरोजगार युवाओं के लिए 12वीं वाहिनी द्वारा आयोजित किया गये मशरूम की खेती, वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन, मछली प्रसंस्करण एवं उत्पाद विकास तथा कृमि खाद उत्पादन पर प्रशिक्षण प्राप्त प्रशिक्षणार्थीयों को इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने चाहिए। उन्होंने सीमावर्ती किसानों से ऑर्गेनिक खेती करने एवं उसमें देसी तरीके से तैयार कृमि खाद का उपयोग करने का अनुरोध किया। उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती 68 किसानों को कृषि उपकरण यंत्र (दवा छिड़काव मशीन) का वितरण करने के साथ डॉक्टर हरिदास कानन, सहायक कमांडेंट (चिकित्सक) 8वीं वाहिनी खप्रैल द्वारा सीमा क्षेत्र के लगभग 270 लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। वही डॉक्टर उमेश सिंह (पशु चिकित्सक) पशु चिकित्सालय दिघलबैंक द्वारा ग्रामीणों के पालतू पशुओं के रखरखाव एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श देने के साथ ही ग्रामीणों के लगभग 550 बीमार पशुओं के लिए निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी कईखों अथिखों, सहायक कमांडेंट (चिकित्सक) 8वीं वाहिनी खप्रैल, डॉ हरिदास कानन, निरीक्षक गोपाल प्रसाद, उप निरीक्षक, नंदनराम आर्य, वार्ड सदस्य वार्ड नंबर-03 सतकौआ पंचायत के मोहन लाल सिंह, वार्ड सदस्य वार्ड नंबर-06 के मो० तोहिद आलम, एवं 12वीं वाहिनी के पैरामेडिकल स्टाफ तथा पैरा वेटरनरी स्टाफ, सीमा चौकी पिलटोला के बलकर्मी, मीडिया कर्मी एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे। ●

रमजान का पवित्र माह इंसान को बुराइयों से बचाता है : दानिश

● धर्मेन्द्र सिंह

मिल्लिया कालेज आफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजि एण्ड मिल्लिया पॉलिटेक्निक किशनगंज एंव मिल्लिया कान्वेंट इंग्लिश स्कूल किशनगंज के डायरेक्टर एंव राष्ट्रीय जनता दल के युवा प्रदेश महासचिव मो० दानिश इकबाल ने 6 अप्रैल को पवित्र माह रमजानूलमुबारक के संबंध में एक विशेष वार्ता के दौरान कहा कि रमजान के महिने में पुरे महिने का रोजा (उपवास) रखा जाता है और साथ ही इस महिना में पांच वक्त की नमाज के अलावा तराविह की नमाज पढी जाती है। साथ ही साथ इस महिने में पुरे साल की कमाई का ढाई प्रतिशत जकात निकाला जाता है जकात की यह राशी गरीबों, यतीमों, बेसहारों और जरूरतमंदों को दी जाती है और इसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि जो रिश्तेदार गरीब हैं पहले उनका ख्याल रखा जाये। साथ ही रमजान के महिने में जहां खूब से खूब अल्लाह की ईबादत की जाती है वहीं मानव कल्याण के कार्यो को भी खूब से खूब किया जाता है। दानिश इकबाल ने कहा कि रमजान के महिने के जो भी नियम हैं उनका पालन करना चाहिए। रमजान के महीना इन्सान को बुराईयों से रोकता है और अच्छाई की राह दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह एक महीना रमजान सभ्य इन्सान के निर्माण की ट्रेनिंग का महिना है। इस एक माह में अच्छाई की आदत डाल कर बाकी के ग्यारह माह एक इन्सान इन्सानियत की भलाई, हमदर्दी और दुसरों को तकलीफ पहुंचाने से बचता हुआ अच्छाई की राह पर चले यही इस महीने का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि रमजान के एक महीनों के रोजे से जहां इन्सान की आत्मा पवित्र होती है वहीं शरीर को भी अनगिनत लाभ पहुंचता है। दानिश इकबाल ने कहा कि दुनिया एक मेला के समान है जहां हर व्यक्ति को अपनी अपनी भूमिका निभा कर चले जाना है इसलिए हर व्यक्ति का यह प्रयास होना चाहिए कि वह अच्छे क्रम करे और यह जो दुनिया की छोटी सी जिन्दगी है इसमें इतना वह मग्न ना हो जाये कि वह उपर वाले को ही भूल जाये। लिहाजा हमारी जिंदगियों में यह जो पर्व त्योहार और अल्लाह की इबादत के अवसर आते हैं इनसे हमें जीवन के असल मकसद की प्राप्ती होती है। लिहाजा हर इन्सान को चाहिये कि पहले वह एक अच्छा इन्सान बने और इन्सानियत के कामों में बढ चढ कर भाग ले। ●

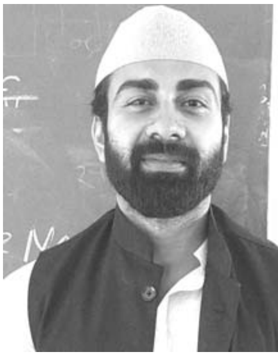

छात्रा मोहद्दिसा के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

+2 हाई स्कूल बायसी के प्रांगन में इन्टरमीडिएट आर्ट्स में पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मोहद्दिशा के सम्मान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मोहद्दिशा ने 500 में 475 अंक (95 प्रतिशत) लाकर सीमांचल सहित पूरे बिहार में नाम रौशन किया है। मोहद्दिशा अमौर प्रखंड अंतर्गत डहवाबारी पंचायत के नहरा कोल निवासी मास्टर जुनैद आलम की बेटी हैं। जो +2 हाई स्कूल बायसी में ही शिक्षक हैं जहां से मोहद्दिशा ने इन्टरमीडिएट पास किया है। सम्मान समारोह में कोचाधामन के लोकप्रिय पूर्व विधायक सह जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष मुजाहिद आलम ने मोहद्दिशा की शानदार कामयाबी पर उन्हें बुके, डायरी, कलम भेंटकर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष मुजाहिद आलम ने कहा कि जहां पूरे विश्व का महिला साक्षरता दर 79.7 प्रतिशत, भारत का महिला साक्षरता दर 65.6, बिहार का महिला साक्षरता दर 58 प्रतिशत है वहीं सीमांचल के इस क्षेत्र का महिला साक्षरता दर 38 प्रतिशत है।

मोहद्दिशा ने न सिर्फ अपना, अपने परिवार का नाम रौशन किया है बल्कि पूरे सीमांचल का नाम रौशन किया है। पूर्व विधायक ने उपस्थित लोगों से अपील किया कि बेटों के साथ साथ बेटियों को पढ़ाई का सामान अवसर मिलना चाहिए। बेटियों को भी अवसर दिया गया तो भी कामयाबी के शिखर पर पहुंच सकती हैं जैसा मोहद्दिशा ने कर दिखाया है। सम्मान समारोह में जदयू जिलाध्यक्ष पूर्णियां राकेश कुमार, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शाहिद रेजा, स्कूल के प्रिंसिपल मुजाहिद आलम, मोहद्दिशा के पिता सह शिक्षक जुनैद आलम, जदयू प्रखंड अध्यक्ष शकीलुर रहमान, जदयू प्रखंड अध्यक्ष डगरवा मनोज दुर्गे एवं मोहद्दिशा ने भी संबोधित किया। मोहद्दिशा ने अपने संबोधन में कहा कि वो आगे आईएएस बनना चाहती हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ जदयू नेता फैजान अशरफ, आजम, गुलाम नबी, तैयबुल, स्कूल के शिक्षक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।●

जन-जन तक चेतना शक्ति का विकास हम भारतीयों का लक्ष्य : श्यामानंद झा

● धर्मेन्द्र सिंह

रामनवमी के शुभ अवसर पर शिवगंज धाम शिव मन्दिर सेवा समिति-सह-प्रशाखा एस के मेंशन गायत्री परिवार बहादुरगंज द्वारा लगभग हजार की संख्या में श्रद्धालु किशनगज पहुंचे जंहा राष्ट्रीय पुरुस्कार विजेता श्यामानंद झा एवम व्यस्थापक कमलेश कुमार अधिवक्ता के द्वारा तिलक लगाकर सम्मान उपरांत श्रीराम का झंडा दिखाते हुए शहर की ओर प्रस्थान किये। उक्त कार्य को सराहनीय एवं प्रशंसा करते हुए श्यामानंद झा ने व्यस्थापक कमलेश कुमार को माथे पर तिलक चंदन एवम मुकुट पहनाते हुए इस प्रकार का शुभ कार्य करते रहने का आशिर्वाद दिए। उक्त कार्य का सफल हेतु सखी लाल दास, केशो देवी, प्रीति रॉय, लाल कुमार के साथ साथ गोविंदपुर, खोदागंज, ढेंगा बस्ती, कुम्हारटोली, चिकाबाड़ी के आए सभी श्रद्धालु का सहयोग रहा। वरिष्ठ प्रज्ञा पुत्र राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित श्यामानंद झा ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम नवमी की पावन बेला पर परम पुनीत मंगल शोभायात्रा को मर्यादित ढंग से भाव भरे वातावरण

मे सादर विदा करते हुए एक सुंदर एवं मर्यादित पदयात्रा का मनोरम एवं अद्भुत परिदृश्य है। उन्होंने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र को राम की मर्यादा से आवेष्ठित करते हुए समर्थ समृद्धि अनुशासित एवं दिव्य चेतना से ओतप्रोत दिव्य राष्ट्र का निर्माण करना है। 21वीं सदी को भारत विश्व गुरु के रूप में प्रतिस्थापित करने हेतु जन-जन तक चेतना शक्ति का विकास हम भारतीयों का लक्ष्य है जो आने वाले समय में संपूर्ण रुप से प्रमाणित होकर रहेगा ऐसी परम पुनीत आशा है। उन्होंने कहा कि हमारा राष्ट्र महान है हम सब महान है। चंदन है इस देश की माटी तपोभूमि हर ग्राम है। हर नारी देवी की प्रतिमा है और बच्चा बच्चा राम है।●

दहेज की खातिर विवाहिता की हत्या

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के दग्दिभिट्टा में संदेहास्पद स्थिति में विवाहिता का शव मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया वही सूचना मिलते ही पौआखाली और जियापोखर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई । पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को दिए गए लिखित आवेदन में मृतक विवाहिता के पिता ने कहा है कि मैं मो0 जमाल उम्र 50 वर्ष आमबारी निवासी हूँ कि मेरी पुत्री साहीन बेगम उम्र लगभग 22 वर्ष की शादी मुसलीम रिती रिवाज के अनुसार से एक वर्ष पूर्व मो० नाजीर उम्र 25 वर्ष पिता कचालु सा० दग्दीभिठा थाना पौआखाली जिला किशनगंज के साथ हुई थी। शादी के समय मैं अपनी पुत्री को जमीन बेचकर तौहफा स्वरुप सभी जरुरत के सामान दिया था। उसके बाद उनके ससुराल वाले नामींत लोग (1) मो0 नाजीर उम्र 27 वर्ष (2) नासीर आ 25 वर्ष (3) नाहीद आ 24 वर्ष सभी के पिता कचालु (4) कचालु पिता नमालुम (5) फिरोजा खातुन पति कचालु (6) मिन्नत पिता कचालु (7) मतेबुल पिता समसुद्दीन (8) इब्राहिम पिता नमालुम (9) कौसर पिता इब्राहिम सभी साकिन दग्घीमीठा थाना पौआखाली जिला किशनगंज ने साजिश रचकर एवं मिली भगत कर मेरी पुत्री से दहेज में 2 लाख रुपये, 5 भरी सोना वो एक रंगीन टीवी दहेज के रूप में मांग करने लगा। जिसमें साजीश रचने वाले इब्राहिम वो कौसर की मुख्य भुमिका रही। दहेज की मांग किये जाने पर मेरी पुत्री ने इसका विरोध किया और बोला मेरे गरीब पिता ने मेरी शादी में जमीन वो जरूरत की सामान तौहफे के रूप में दिया था। अब मेरे पिताजी कहाँ से इतना रकम लायेंगे। जो आप लोगो को दे सके। मेरी पुत्री द्वारा विरोध किये जाने पर ससुराल वाले के द्वारा मेरी पुत्री को प्रताड़ना करने लगे। मेरी पुत्र के साथ मारपीट वो अत्याचार करने लगे। जिस विषय को लेकर कईबार पंचायती भी हुई। फिर भी वे लोग बाज नहीं आये। मेरी पुत्री को जान से मारने की नियत से लगातार मारपीट करते रहे। एक दिन अचानक दिनांक- 26. 03.23 को समय करीब 10 बजे मुझे दग्धीभीठा से मोबाईल के माध्यम से पता चला कि मेरी पुत्री को उसके पति- मो० नाजीर एवं नामित लोग मिलकर लोहे के रड से जान से मारने के नियत से बुरी तरह से मारपीट किया। हमलोग किसी तरह पुत्री के ससुराल पहुंचे तो देखा कि मेरी पुत्री मृत्यु अवस्था में पड़ी हुई है। जिसके छाती, पेट, पीठ और पैर पर मार का चोट व निशान पुरी तरह दिख रहा है। मुझे पुर्ण विश्वास है कि मेरे पुत्री के पति व ससुर व नामित लोगों ने मिलकर दहेज के खातिर हत्या कर दिया है। मृतक विवाहिता के पिता ने पुलिस को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है । इस संबंध में थानाध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने बताया कि परिजन के लिखित आवेदन के बाद प्राथमिकी दर्ज कर थाना कांड संख्या 20/23 दर्ज किया गया है।वही भा०द ०वि० की धारा 304 बी, 302, 120 बी के तहत आरोपी को ढूंढ़ा जा रहा है। घटना के बाद से ही मृतक विवाहिता के ससुराल वाले फरार चल रहे हैं जिसको पुलिस लगातार ढूंढ रही है। है। ●

सेवा में,

श्रीमान थानाध्यक्ष महोदय,
पौवाखाली थाना, जिला-किशनगंज।

विषय:- दहेज लोभी पति वो ससुराल वालो ने मेरी पुत्री साहिना बेगम का हत्या करने के सम्बन्ध में।

दिनांक:-27.03.2023

महाशय,

निवेदन पूर्वक कहना है कि मैं मो0 जमाल उम्र 50 वर्ष पिता स्व0 बहादुर हुसैन सा0 आमबारी थाना सुखानी जिला किशनगंज का निवासी हुँ। कि मेरी पुत्री साहीन बेगम उम्र लगभग 22 वर्ष की शादी मुसलीम रिती रिवाज के अनुसार आज से एक वर्ष पूर्व मो0 नाजीर उम्र 25 वर्ष पिता कचालु सा0 दग्धीभीठा थाना पोआखाली जिला किशनगंज के साथ हुई थी। शादी के समय मैं अपनी पुत्री को जमीन बेचकर तौहफा स्वरुप सभी जरूरत के सामान दिया था। उसके बाद उनके ससुराल वाले नामीत लोग (1) मो0 नाजीर उम्र 27 वर्ष (2) नासीर उम्र 25 वर्ष (3) नाहीद उम्र 24 वर्ष सभी के पिता कचालु (4) कचालु पिता नमालुम (5) फिरोजा खातुन पति कचालु (6) मिन्नत पिता कचालु (7) मतेबुल पिता समसुदीन (8) इब्राहिम पिता नमालुम (9) कौसर पिता इब्राहिम सभी साकिन दग्धीभीठा थाना पोआखाली जिला किशनगंज ने साजीश रचाकर एवं मिली भगत कर मेरी पुत्री से दहेज में 2 लाख रुपये, 5 भरी सोना वो एक रंगीन टीवी दहेज के रुप में मांग करने लगा। जिसमें साजीश रचाने वाले इब्राहिम वो कौसर की मुख्य भुमिका रही। दहेज की मांग किये जाने पर मेरी पुत्री ने इसका विरोध किया और बोला मेरे गरीब पिता ने मेरी शादी में जमीन वो जरूरत की सामान तौहफे के रुप में दिया था। अब मेरे पिताजी कहाँ से इतना रकम लायेंगे। जो आप लोगो को दे सके। मेरी पुत्री द्वारा विरोध किये जाने पर ससुराल वाले के द्वारा मेरी पुत्री को प्रताड़ना करने लगे। मेरी पुत्री के साथ मारपीट वो अत्याचार करने लगे। जिस विषय को लेकर कईबार पंचायती भी हुई। फिर भी वे लोग बाज नहीं आये। मेरी पुत्री को जान से मारने की नियत से लगातार मारपीट करते रहे। एक दिन अचानक दिनांक-26. 03.23 को समय करीब 10 बजे मुझे दग्धीभीठा से मोबाईल के माध्यम से पता चला मेरी पुत्री को उसके पति- मो0 नाजीर एवं नामित लोग मिलकर लोहे के रड से जान से मारने के नियत से बुरी तरह से मारपीट किया। हमलोग किसी तरह पुत्री के ससुराल पहुचे तो देखा कि मेरी पुत्री मृत्यु अवस्था में पड़ा हुआ है। जिसके छाती, पेट, पीठ और पैर पर मार का चोट व निशान पुरी तरह दिख रहा है। मुझे पुर्ण विश्वास है कि मेरे पुत्री के पति व ससुर व नामित लोगो ने मिलकर दहेज के खातिर हत्या कर दिया है। जिसकी सूचना श्रीमान को समर्पित कर रहे है। ताकि कानुनी कार्रवाई हो सके।

अतः श्रीमान से निवेदन है कि उपरोक्त लोगो पर उचित कानुनी कार्रवाई करने की कृपा की जाए।

आपका विश्वासभाजन
मो- जमाल
मो0 जमाल
उम्र 50 वर्ष
पिता स्व0 बहादुर हुसैन
सा0 आमबारी
थाना सुखानी जिला किशनगंज

रिमांड पर युवकों से पूछताछ के बाद हुआ खुलासा

● **धर्मेन्द्र सिंह**

सदर थाना की पुलिस के द्वारा रिमांड पर लिए गए दो शातिर बदमाशों से पूछताछ की गई तो कई अहम खुलासे हुए है। दोनो चोरी के आरोप में पिछले कुछ दिनों से मंडल कारा में बंद है। पुलिस ने अंकित राय व शिबू साह धर्मगंज निवासी को रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपने अन्य साथियों का नाम भी बताया है। जिसके आधार पर पुलिस संदिग्ध ठिकानों में छापेमारी कर रही है। दोनों बदमाशों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि हम लोगों का एक गिरोह जिले में सक्रिय था। गिरोह में नेहाल कुमार रॉय, गोपाल रॉय, नीतीश, कैश, राहुल, कादिर व अन्य शामिल है। गिरोह के सभी सदस्य चोरी करते थे। चुराए गए सामानों को एक जगह इकट्ठा करते थे। उसके बाद में चुराए गए सामानों को बेच देते थे और रुपये को आपस में बांट लेते थे। कुछ सामानों को छुपा कर रखा गया था और कही बेच दिया गया था। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। पुलिस ने अब तक चोरी का कुल 198 सामान बरामद किया है। बरामद सामानों में टीभी, चांदी का जेवर, बाली, बर्तन, मॉनिटर आदि शामिल है। इनके विरुद्ध आधा दर्जन से ज्यादा चोरी के मामले दर्ज है। गौर करे कि शहर में हाल के दिनों में बंद घरों व अन्य स्थानों में हुई चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए चोरी की घटनाओं का उदभेदन किया था। जिसमे पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इन्ही में से दो आरोपियों को पुलिस ने रिमांड पर लिया था। ●

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

● **धर्मेन्द्र सिंह**

एक यात्री का मोबाइल चुराने के आरोप में रेल थाना की पुलिस ने बंगाल से एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक मो० रेहान बंगाल के धर्मपुर ग्वालपोखर का रहने वाला है। उसके विरुद्ध रेल थाने में कांड संख्या 16/23 के तहत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करवायी गई है। आरोपी को कटिहार मंडल कारा भेज दिया गया है। रेल थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि रेलवे स्टेशन परिसर से मोबाइल चोरी की सूचना मिल रही थी। सूचना के बाद रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्म में चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी क्रम में आरोपी युवक को संदिग्ध परिस्थिति में प्लेटफार्म में भटकते हुए देखा गया। आशंका होने पर उसे पकड़ कर पूछताछ के लिए रेल थाना लाया गया। उसके पास से मोबाइल भी बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपी युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर कटिहार मंडल कारा भेज दिया गया। ●

नदी कटाव रोधक कार्य के नाम पर लूट

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत खारुदाह पंचायत के गोगरिया गांव में नदी कटावरोधक कार्य कुछ दिन पूर्व से ही शुरू किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नदी किनारे कटाव को रोकने के लिए आधे से अधिक पिलर वाले रोधक बनाने व आधे में बांस की सामग्री बंबू पाइलिंग द्वारा नदी कटाव रोधक का कार्य किया जाना है जिसको लेकर बांस की सामग्री से बंबू पाइलिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि योजनाओं की बंदरबांट के कारण ही मानक के अनुसार कार्य नहीं हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटिया बांस और पतले बांस का प्रयोग बंबू पाइलिंग में किया जा रहा है इसको लेकर गांव की महिला ने मौजूद लोगों को मानक के अनुसार कार्य करने को भी कहा । मुंशी नसीम से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंबू पाइलिंग के कार्य में बांस विक्रेता के बंटवारे को लेकर आपस में ही एक दूसरे से झगड़ा कर रहे हैं जिसके कारण कार्य रुका हुआ है। और जल्द ही कार्य चालू भी हो जाएगा। उक्त स्थल पर कार्य करा रहे मुंशी नसीम ने यह भी बताया कि पतले बांसों का भी प्रयोग बंबू पाइलिंग में किया गया है जो मानक के अनुसार नहीं है। वही मुंशी नसीम ने यह भी बताया कि बंबू पाइलिंग का कार्य इंजीनियर परमानंद जी के देखरेख में किया गया है। मौके पर मौजूद जेसीबी ऑपरेटर ने भी कहा कि जेई के सामने ही बंबू पाइलिंग का कार्य किया गया है। वही इस संबंध में जेई परमानंद ने बताया कि मेरे सामने कार्य नहीं किया गया है। अब यह तो उच्च स्तरीय जांच का विषय बना हुआ है कि आखिर सरकारी रुपए का दुरुपयोग किया जा रहा है। गौरतलब हो कि प्रत्येक वर्ष ग्रामीणों को नदी कटाव से प्रभावित होकर विस्थापित होना पड़ता है गांव में त्राहि-त्राहि मची हुई है तो वही अपनी जेब गरम करने के चक्कर में कार्य करा रहे लोग घटिया सामग्री से कटाव रोधक कार्य करवा रहे हैं।●

मक्के की फसल को कीड़े कर रहे बर्बाद

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड के आठगछिया पंचायत में मक्का किसान मोहम्मद बालिस्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि मक्के में एक अजीब किस्म का किड़ा लग गया है जो मक्का के पौधे की पत्ती को खाते-खाते मक्के में निकलने वाले सीस को भी खा जाता है जिससे धीरे-धीरे पौधे खराब होते जा रहे हैं और मक्का का सीस भी नहीं निकल रहा है। आगे उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अब कीटनाशक का प्रयोग कर फसल से कीड़ा को भगाने का प्रयास किया जा रहा है। कीटनाशक पूरे मक्का के फसल में ऊपर से मशीन के द्वारा छिड़काव किया जाएगा। आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कीड़ा मक्का के पौधे के नर्म पत्तों को खाना शुरू कर देते है और सीस फसल वाली जगह को भी खा जाता है। जिससे पौधे खराब हो रहे हैं। इसी के रोकथाम हेतु कीटनाशक का छिड़काव किया जा रहा है। उन्होंने खेत के कई हिस्से दिखाएं जहां पर कीड़ा ने मक्का के पौधे के नर्म पत्तों को खा गए हैं और मक्का के सीस भी खा रहे हैं। ●

प्लंबर हत्याकाण्ड मामले में आरोपी गिरफ्तार

● **धर्मेन्द्र सिंह**

एक वर्ष पूर्व जुलाई 2022 में धर्मगंज में प्लम्बर की हत्या मामले के एक आरोपी को पुलिस की टीम ने नवगछिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी रॉकी उर्फ साजिद बनिया, रंगरा नवगछिया का रहने वाला है। आरोपी के नवगछिया में छिपे होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम नवगछिया पहुंची और रंगरा ओपी पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस आरोपी युवक को किशनगंज लेकर आयी है।पकड़े गए युवक से पुलिस पूछताछ कर रही है। गौरतलब हो कि 26 जुलाई 2022 को पुरबपाली रोड में एमजीएम कर्मी पप्पू गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पकड़ा गया आरोपी रॉकी इसी हत्या की घटना का आरोपी था। आरोपी को शूटर के रूप में किशनगंज बुलाया गया था। वही सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह ने बताया कि एक वर्ष पूर्व 26 जुलाई को पुरबपाली के पास एमजीएम कर्मी पप्पू गुप्ता की गोली मारकर हत्या की घटना घटी थी। घटना में शामिल मृतक पप्पू की पत्नी प्रीति गुप्ता, राजकुमार साह व शूटर सूरज को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। घटना में छह आरोपी शामिल थे।जिसमें तीन आरोपी को पहले व चौथे आरोपी रॉकी उर्फ साजिद को मंगलवार की शाम नवगछिया से गिरफ्तार किया गया है। अन्य दो आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संदिग्ध ठिकानों में छापेमारी कर रही है। गौर करे कि वर्ष 2022 में 26 जुलाई की रात पुरबपाली के पास एमजीएम मेडिकल कॉलेज के कर्मी पप्पू गुप्ता की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद एसपी डॉ इनाम उल हक मेगनु के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था। टीम के द्वारा मृतक पप्पू गुप्ता व पत्नी प्रीति गुप्ता का मोबाइल डिटेल्स खंगाला गया था। इसके बाद पुलिस को कुछ सुराग हाथ लगे थे। जांच में पुलिस को हत्या की घटना में मृतक की पत्नी की भी संलिप्तता मिली थी। पुलिस की टीम ने पहले मृतक के भाई राजकुमार को पकड़ा था। इसके बाद अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। टीम में सदर थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह, अवर निरीक्षक कुणाल कुमार, राहुल कुमार, सुमेश कुमार शामिल थे। ●

नगर परिषद् अध्यक्ष को मिली धमकी

नगर परिषद अध्यक्ष व उनके पुत्र के मोबाइल नम्बर पर जान से मारने की धमकी दिए जाने व अश्लील शब्दों का प्रयोग किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में नगर परिषद के अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने गुरुवार को सदर थाने को आवेदन देकर सूचना दर्ज करवायी है। दर्ज सूचना के अनुसार 22 मार्च को नगर परिषद के अध्यक्ष के मोबाईल 7979868624 पर व 5 अप्रैल को उनके पुत्र के मोबाईल नम्बर 9883751327 पर मोबाइल नंबर 9661852858 से कॉल आया। जिसमें विभिन्न प्रकार का अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए जान मारने की धमकी दी गई। नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने कहा कि इस प्रकार का कॉल आने के बाद अपने को असुरक्षित महसूश कर रहा हूं। जो भी दोषी हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। **रिपोर्ट :- धर्मेन्द्र सिंह**

ओवरलोड ट्रक ने रास्ते में तोड़ा दम

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज-बहादुरगंज रूट पर साबोडांगी के समीप ओवरलोड ट्रक एनएच पर खड़ी दिखाई दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक जब ओवरलोड बालू लेकर ठाकुरगंज रूट होते हुए जा रही थी तब अचानक से साबोडांगी के समीप ट्रक का निचला पार्ट्स टूट गया जिसके कारण एनएच पर ही ओवरलोड बालू लदे ट्रक को जैक के सहारे खड़ा करके रखा गया। यह नजारा नया नहीं है आए दिन खबरों में प्रकाशित होते रहता है कि ओवरलोड ट्रक में खराबी आ गई जिसके कारण ट्रक को एनएच पर ही खड़ा कर दिया गया। आखिर डायमंड कोड का असर खुले तौर पर नजर आ रहा है कि किस तरीके से डायमंड कोड के सहारे ओवरलोड बालू लदे ट्रक सड़कों पर दौड़ रही है और इसकी कोई सुध लेने वाला नहीं है। ओवरलोड वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका तो बनी ही रहती है साथ ही सड़क भी क्षतिग्रस्त होने की कगार पर रहते हैं। सरकारी राजस्व में भी लाखों की क्षति होती है। इन सब के बावजूद भी ओवरलोड वाहनों का परिचालन बदस्तूर जारी है बेरोकटोक ओवरलोड वाहनों के परिचालन से आए दिन यह नजारा देखने को मिलता रहता है। ऐसे ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर विभाग द्वारा कार्रवाई की आवश्यकता है। **रिपोर्ट :- फरीद अहमद**

''युवा शक्ति-बिहार की प्रगति'' थीम पर

जिले में बिहार दिवस का भव्य आयोजन

● अब्दुल कैय्यूम

युवा शक्ति बिहार की प्रगति, थीम पर 22 मार्च को अररिया जिले में बिहार दिवस 2023 का भव्य आयोजन किया गया। बिहार दिवस का आगाज नेताजी सुभाष स्टेडियम, अररिया से प्रभात फेरी के साथ हुआ। वहीं मुख्य कार्यक्रम स्थल हाई स्कूल अररिया के परिसर में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लाभुकों के बीच वितरण समारोह का आयोजन एवं विभिन्न विभागों से संबंधित विकासात्मक प्रदर्शनी लगाई गई। नेताजी सुभाष स्टेडियम अररिया में जिला प्रशासन बनाम पत्रकार एकादश के बीच फैंसी क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। देर शाम मुख्य कार्यक्रम स्थल हाई स्कूल अररिया के परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है।

☞ **बिहार दिवस 2023 का प्रभात फेरी से हुआ आगाज :-** बिहार दिवस 2023 का आगाज नेताजी सुभाष स्टेडियम, अररिया से प्रभात फेरी के साथ हुआ। जल-जीवन-हरियाली, बाल-विवाह निषेध, दहेज-प्रथा उन्मूलन, नशा मुक्ति पर आधारित प्रभात फेरी में आदर्श मध्य विद्यालय अररिया बाजार, आदर्श मध्य विद्यालय ककुड़वा अररिया, प्लस टू बालिका उच्च विद्यालय अररिया, राजकीय कृत उच्च विद्यालय अररिया, कन्या मध्य विद्यालय खरैया बस्ती अररिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय आजाद नगर अररिया, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय अररिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय रहिका टोला, आदि के स्कूली छात्र-छात्राएं, एनसीसी, स्कॉट, एवं सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। प्रभात फेरी को उप विकास आयुक्त श्री मनोज कुमार एवं उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर उप विकास आयुक्त ने प्रभातफेरी में शामिल बच्चों सहित समस्त जिले वासियों को बिहार दिवस की शुभकामनाएं दी।

☞ **बिहार विश्व पटल पर एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहा है : जिलाधिकारी :-** बिहार दिवस के अवसर पर हाई स्कूल अररिया के परिसर में मुख्य समारोह का उद्घाटन जिला पदाधिकारी इनायत खान, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह, माननीय जिला परिषद अध्यक्ष आफताब अजीम पप्पू, माननीय उप मुख्य पार्षद गौतम साह एवं उपस्थित सभी पदाधिकारी तथा सभी माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से

दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सभी जिले वासियों को बिहार दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज बिहार के गौरवशाली इतिहास को स्मरण करने का दिन है। बिहार की जो आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान है। जो विरासत है। उस पर गर्व करने का दिन है। बिहार कई क्षेत्रों में अग्रणी रहा है। बिहार विश्व पटल पर भी एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहा है। चाहे बात प्रथम गणतंत्र की हो या अन्य किसी भी सामाजिक न्याय की, सद्भाव की, एकता की, तो बिहार एक अलग तरीके का उदाहरण प्रस्तुत करता है। जो सभी लोगों के अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि जैसे घर, घर वालों से बनता है वैसे राज्य, राज्य के निवासियों से बनता है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए जन्मभूमि नहीं, कर्मभूमि है। लगभग एक दशक बीत जाने के बाद, इससे जो मेरा लगाव है वह मेरी जन्मभूमि से बढ़कर है। क्योंकि मुझे पता है आने वाले दशकों तक और इसके बाद भी जो यह रिश्ता है, कर्मभूमि का, अमिट है। आप लोगों का इस जगह से जितना नाता है उससे कमतर हमारा नहीं है और मुझे लगता है यह जो डोर है और बीते दिनों के साथ यहां की संस्कृति, यहां की तहजीब, यहां की सभ्यता, हम लोगों को और मजबूती प्रदान करती है। प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर हम लोगों ने कभी वह फर्क ही महसूस नहीं किया, तो यह बिहार का अपनापन है कि वह गैरों को भी अपना लेता है। हम सब लोगों का यह दायित्व है कि आने वाले जो पीढ़ियां हैं उन सबको अच्छी भावना, अच्छा सद्भाव, सामाजिक सौहार्द और जो विविधता में एकता की बातें हैं उसको हमेशा अपने अंदर जीवंत रखें। यह धरती सब लोगों के लिए पूजनीय है। क्योंकि इससे प्रत्येक दिन कुछ ना कुछ नया सीखने को मिलता है। हर वर्ष की भांति इस बार भी बिहार दिवस बिहार दिवस की एक थीम है। यह थीम युवा शक्ति को समर्पित है। बिहार अनेक जगहों की तरह प्रगति के पथ पर है और हर एक दिन इसमें विकास के नये आयाम गढ़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हम सभी क्षेत्रों में महिलाओं को आगे देखते हैं तो निश्चित रूप से हौसला भी बड़ता है और जब एक महिला विकास करती है तो उसका पूरा परिवार आगे बढ़ता है। उन्होंने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण, युवा शक्ति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति के ऊपर दायित्व बड़ा है। उन्हें अपने बड़ों से सीखना है। क्योंकि हमेशा कहा जाता है कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता है। उन्होंने कहा कि जब आपके युवा शक्ति और उनके अनुभव का मिश्रण होगा तो निश्चित रूप से जो उसका फलाफल निकलेगा, उसके उर्जा से हम आगे बढ़ेंगे। राज्य का भी विकास होगा। उन्होंने जिले वासियों से अपील करते हुए कहा कि आप सभी लोग अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व करें। लेकिन उसके साथ-साथ अपने स्वर्णिम भविष्य की ओर कैसे जाएं, इसके लिए भी हमें प्रयासरत रहना चाहिए। रोज नई चीजें सीखना चाहिए। अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेनी चाहिए। प्रेम, भाईचारे के साथ सबके साथ मिलजुल के रहना चाहिए। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने अपने संबोधन में बिहार के इतिहास पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम सभी बिहार वासियों इस बात का संकल्प ले की हमारे सभी कदम विकास, सामाजिक समरसता, सामाजिक समानता, समुदायिक सौहार्द, समाजिक शांति बनाए रखने के प्रयास के तरफ बढ़ते रहें। माननीय

जिला परिषद अध्यक्ष आफताब अजीम पप्पू ने कहा कि बिहार सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ा है। इसमें सभी प्रशासनिक पदाधिकारी एवं आम नागरिकों का पूर्ण सहयोग रहा है। सभी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात आदि क्षेत्रों में सभी लोगों के सहयोग से बिहार ने अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बिहार को सभी क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए अपना पूर्ण सहयोग दें। माननीय उप मुख्य पार्षद गौतम शाह ने कहा कि बिहार प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए कल ही एक कार्यशाला को आयोजित किया जो एक बेहतर प्रयास है। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। उप विकास आयुक्त मनोज कुमार ने कहा कि आज हमारा बिहार प्रगति, उन्नति की ओर अग्रसर है। हम सभी आज संकल्प ले कि बिहार को विकसित बनाने के लिए बेहतर से बेहतर प्रयास करेंगे। अपर समाहर्ता राधे मोहन झा ने कहा कि बिहार को बंगाल से अलग हुए 111 वर्ष हो गए हैं। यह यात्रा अभूतपूर्व रही है। उन्होंने कहा कि बिहार को विकास के उच्चतर पायदान पर ले जाना है। मुख्य कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी एवं अतिथियों द्वारा गृह रक्षक के चयनित 10 अभ्यर्थियों को चयन पत्र दिया गया। इसी प्रकार सामाजिक सुरक्षा कोषांग अररिया द्वारा 20 लाभुकों को मोटराईज्ड ट्राई साइकिल का वितरण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 09 आशा फेसलिटेटर को स्मार्टफोन, जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र अररिया द्वारा 09 अभ्यर्थियों को कुशल युवा कार्यक्रम से संबंधित प्रमाण पत्र तथा बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 02 लाभुकों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, श्रम विभाग द्वारा धावा दल के माध्यम से विमुक्त 05 बालश्रम श्रमिकों को मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रति लाभुकों को 25-25 हजार की राशि, जिला कृषि कार्यालय द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन के तहत कृषि यंत्र बैंक की स्थापना हेतु 3 लाभुकों को कृषि यंत्र, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत 05 लाभुकों को प्रति लाभुक 25-25 हजार रूपए का राशि प्रदान किया गया। इसके अलावा मुख्य समारोह में शिक्षा नगर परिषद, श्रम विभाग, डीआरसीसी, खेल, बैंकिंग स्वास्थ्य, आईसीडीएस, के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वितरण समारोह के उपरांत जिला पदाधिकारी श्रीमती इनायत खान, पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष आफताब अजीम पप्पू द्वारा संयुक्त रूप फीता काट कर विकासात्मक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों के लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया गया। जिसमें क्रमशः शिक्षा, कृषि, डीआरडीए, आईसीडीएस, पीएचईडी, मत्स्य, स्वास्थ्य, नगर परिषद अररिया, अल्पसंख्यक कल्याण, जीविका, कल्याण, श्रम, विद्युत, परिवहना, आपदा, डीआरसीसी, उद्योग एवं पंचायत कार्यालय द्वारा स्टॉल लगाया गया। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री राजकुमार, सिविल सर्जन अररिया, अनुमंडल पदाधिकारी अररिया श्री शैलेश चंद्र दिवाकर, अनुमंडल पदाधिकारी फारबिसगंज श्री सुरेंद्र कुमार अलबेला, अनुमंडल पदाधिकारी पदाधिकारी श्री पुष्कर कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता देवेंद्र प्रताप शाही, जिला भू अर्जन पदाधिकारी वसीम अहमद, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सोनी कुमारी, जिला खेल पदाधिकारी श्री नितेश कुमार पाठक, सहायक योजना पदाधिकारी संतोष कुमार सुमन, जिला कृषि पदाधिकारी सहित जिला स्तरीय सभी वरीय पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

☞ **फैंसी क्रिकेट मैच में जिला प्रशासन सात विकेट से विजय :-** बिहार दिवस 2023 के अवसर जिला प्रशासन बनाम पत्रकार एकादश के बीच फैंसी क्रिकेट का मैच आयोजन नेताजी सुभाष स्टेडियम अररिया में किया गया। जिसमें जिला प्रशासन सात विकेट से विजय रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए पत्रकार एकादश ने निर्धारित 12 ओवर में जिला प्रशासन के सामने पांच विकेट पर 99 रनों का लक्ष्य रखा। जिसके जवाब में जिला प्रशासन प्रशासन एकादश द्वारा 10.02 ओवर में तीन विकेट पर 99 रन बनाकर मैच में जीत दर्ज की। पत्रकार एकादश की ओर से मुनमुन सिंह द्वारा अपने टीम के लिए 33 रनों का योगदान किया। वहीं जिला प्रशासन एकादश की ओर से वरीय उप समाहर्ता मेराज जमील द्वारा 55 रनों का योगदान दिया गया, जिन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मौके पर सभी वरीय पदाधिकारी गण एवं पत्रकार गण उपस्थित थे। ●

अतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा 25 मार्च 2023 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन खेल भवन, अररिया में किया गया। जिसमें माननीय महिला जनप्रतिनिधि, महिला पर्यवेक्षिका, एएनएम, ऑगनबाडी सेविका, सहायिका, आशा एवं आम महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय जिला परिषद उपाध्यक्ष चांदनी देवी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी रंजना सिंह, भूमि उप समाहर्ता फारबिसगंज अंकिता सिंह, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी सोनी कुमारी सहित उपस्थित सभी पदाधिकारीगण एवं माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी द्वारा बाल विवाह, दहेज प्रथा एवं लैगिंग उत्पीड़न से संबंधित पीपीटी के माध्यम से महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसी क्रम में पोषण अभियान अन्तर्गत पोषण पखवाड़ा के दौरान एक पोषण सेमिनार/कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। जिसमें पोषण संबंधी जानकारी पीपीटी के माध्यम से जिला समन्वयक, पोषण अभियान श्री कुणाल श्रीवास्तव के द्वारा दिया गया। मुख्य रूप से इस पोषण पखवाड़ा में मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, रागी के उपयोग एवं महत्ता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। मंच संचालन एवं स्वागत संबोधन भूमि सुधार उप समाहर्ता, फारबिसगंज अंकिता सिंह ने किया। मौके पर सिविल सर्जन, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला नियोजन पदाधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, अररिया जिला, महिला विकास निगम के केन्द्र प्रशासक एवं संबंधित पदाधिकारी गण तथा कर्मी उपस्थित थे। **रिपोर्ट :- अब्दुल कैय्यूम**

नगर पंचायत गड़हनी का बजट हुआ पारित

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के नवसृजित नगर पंचायत गड़हनी कार्यालय सभागार में आयोजित पार्षदों की सामान्य बोर्ड की बैठक में वितीय वर्ष 2023-24 का बजट पारित किया गया। मुख्य पार्षद कुबू निशा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के नगर पंचायत गड़हनी के कार्यपालक पदाधिकारी सुजीत कुमार उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार सहित सभी वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में ध्वनिमत से 38 करोड़ 61 लाख 149 रुपया का बजट पास किया गया। बजट में 33 करोड़ 20 लाख 78 हजार 100 रुपया का अनुमानित आय एवम 33 करोड़ 20 लाख 78 हजार 100 रुपया का अनुमानित व्यय दिखाया गया है। सबके लिए आवास योजना के लिए 4 करोड़ रुपये,मार्किट कॉम्प्लेक्स के लिए 2 करोड़ ,शहरी जलापूर्ति योजना के लिए 5 करोड़ ,ठोस कचरा प्रोसेसिंग के लिए 2 करोड़,स्मार्ट वार्ड योजना के तहत 4 करोड़,जल जीवन हरियाली के लिए 1करोड़ ,पार्क निर्माण के लिए 1 करोड़ ,तालाबो के सौंदर्यीकरण के लिए 1 करोड़,सम्राट अशोक भवन के लिए 2 करोड़ सहित अन्य कई प्रमुख मदों में व्यय करोड़ो रूपये प्रस्तावित किया गया है। बैठक में सर्वप्रथम गत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि पर विचार में सभी वार्ड पार्षदों ने अपने अपने पक्ष को रखा। योजना की प्रशासनिक स्वीकृति लेने के विचार पर सहमति जाहिर की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना पर विशेष चर्चा की गई। योग्य लाभुकों से आवेदन लेने की सहमति की मंजूरी आम बैठक में पारित किया गया।वहीं बैठक में एक स्वर में सभी वार्ड पार्षद सदस्यों ने कहा कि पिछले बैठक में नल जल को दुरुस्त करने की बात कही गई थी लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ।सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि आगामी सामान्य बोर्ड की बैठक में गड़हनी बीडीओ ,अंचलाधिकारी, बिजली विभाग व पीएचडी के अधिकारियों को बुलाया जाए ताकि सबंधित विभाग के समस्याओं का निदान निकाला जा सकें। साथ ही नगर पंचायत गठन से लेकर आज तक किये गए खर्च की सम्पूर्ण विवरणी की मांग की गई। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी सुजीत कुमार नाजिर संतोष कुमार प्रधान लिपिक विनय पाण्डेय मुख्य पार्षद कुबू निशा उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार वार्ड पार्षद आरती कुमारी मुन्ना कुमार राम राज किशोर नजरा खातून फरीदा खातून माधुरी देवी अनवरी खातून चन्दन कुमार सोनी कलावती देवी प्रेमचंद सिंह ओम प्रकाश कुमार उपस्थित थे।●

27 वर्षों बाद संकट हरण पवनसुत हनुमान हुए जेल से रिहा

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर में संकट हरण पवनसुत हनुमान खुद संकट में 27 वर्षो से फंसे हुए थे , माता सीता की खोज में समुद्र लांघ जाने वाले हनुमान आज पुलिस की कैद से करीब 27 वर्षो के बाद अब आजादी मिली है, आपको बता दें कि भगवान श्री राम 14 वर्ष के वनवास काट अयोध्या पहुंचे थे , पर उनके भक्त हनुमान आज 27 वर्षो के बाद वनवास काटकर अपने घर वापसी किए हैं। बताते चलें कि उनकी मूर्ति भोजपुर के कृष्णागढ़ थाने के माल खाने में 27 वर्षो से पड़ी थी ,इतने सालों में उनको कोई जमानतदार तक नहीं मिल सका था, सुनने में भले ही अटपटा लग रहा हो, लेकिन बात सौ प्रतिशत सच है। पर अब भगवान कैद से आजाद हो गए हैं। उनकी आजादी और जेल से रिहाई महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य कुणाल किशोर के पहल पर हो सकी है।

आपको बता दें कि दरअसल, मामला भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड के गुंडी गाव स्थित श्री रंगनाथ स्वामी जी के मंदिर की है, यहां 1996 में भगवान की मूर्ति चोरी हुई थी, तब चोरों ने भगवान श्री रामानुज स्वामी और हनुमान जी की अष्टधातु की कीमती मूर्ति चोरी कर ली थी, बाद में आरा के नगर थाना क्षेत्र के सिंगही गांव के बगीचा में हनुमान जी की मूर्ति बरामद कर ली गई थी, लेकिन रामानुज स्वामी जी भगवान की मूर्ति आज तक बरामद नहीं हो सकी थी,वही जब हनुमान जी की मूर्ति बरामदगी हुई तो उनका मूल्यांकन लगभग 42 लाख रुपये किया गया था, तब कोर्ट की ओर से मूर्ति की जमानत के लिए उतने रुपए का ही जमानतदार मांगा जा रहा था, लेकिन कोई भी इतने रुपए का जमानतदार बनने को

तैयार नहीं हुआ। भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाने में बीते 27 वर्षो से कैद हनुमान जी के धातु की मूर्ति को छुड़ाने के लिए पटना के महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य कुणाल किशोर ने भोजपुर पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात की ओर जमानत देने की बात कही, वही आचार्य कुणाल किशोर ने मूर्ति की जमानत का जिम्मेवारी अधिवक्ता अजीत कुमार दुबे श्रीपालपुर निवासी को दिया था, जिन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए मार्ग थाने में पड़ी हुई दोनों मूर्तियों को मुक्त कराया है। साथ ही कृष्णगढ़ थाना के थाना अध्यक्ष (हनुमान भक्त)ब्रजेश कुमार सिंह के द्वारा मूर्ति पूजन किया।●

जय श्रीराम के जयकारों से चप्पा-चप्पा गूंज उठा

● गुड्डू कुमार सिंह

गढ़हनी ललाट पर पीला चंदन भगवा रंग की गमछी पगड़ी और हाथ में भगवा ध्वज के साथ हजारों की संख्या में युवाओं की टोली जब नगर पंचायत गढ़हनी में निकली तो पूरा नगर पंचायत जय श्री राम के जयघोष से गूंजने लगा। श्री रामनवमी महोत्सव शोभा यात्रा समिति के बैनर तले हजारों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान अगिआंव इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह सर्किल इंस्पेक्टर पिरो दयानंद प्रसाद गढ़हनी थाना प्रभारी राजीव कुमार रंजन व चरपोखरी थाना प्रभारी निकुंज भूषण पवना थाना अध्यक्ष सुरेश सिंह जे एस आई-राजाराम प्रसाद पी एस आई रूपेश कुमार पी एस आई पुष्कर कुमार पी एस आई शिवानी कुमारी पी एस आई अंजनी कुमारी, एस आई कुमार गौरव ए एस आई अशोक कुमार आजाद पी एस आई मोहन कुमार पी एस आई अनुपम कुमारी सहित दर्जनों पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद दिखी। सबसे पहले पुरानी बाजार शिव मंदिर परिसर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का विधिवत पूजा अर्चना की गई। उसके बाद जुलूश शिव मंदिर से निकलकर उत्तरपटी बिचली पट्टी होते आरा सासाराम मुख्य पथ सहिला नदी तक पहुँचा। उसके बाद यादव टोली,महाजन टोली धोबी मुहल्ला होते गढ़हनी गोला पहुँचा।जहां से

हजारों राम भक्त ब्लॉक रोड स्थित काली मंदिर से वापस होते हुए शान्ति नगर होते गढ़हनी स्टेशन पहुचे। जहां से नई बाजार ठाकुर बाड़ी में शोभा यात्रा का समापन किया गया। वहीं शोभा यात्रा के दौरान उत्साहित युवाओं की टोली चप्पा-चप्पा गूंजेगा श्रीराम के जयकारों से, पूरा भारत भर जाएगा राम के दीवानों से, एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम जय श्री राम.. की जयघोष करते हुए पैदल चल रह थे। वहीं शोभा यात्रा में युवाओं द्वारा निकाला गया झांकी आकर्षक का केंद्र बना रहा। शोभा यात्रा में नगर पंचायत गढ़हनी के विभिन्न जगहों पर ग्रमीणों द्वारा शरबत पानी तो कही फल वितरित किया जा रहा था। मौके पर पूजा समिति के संरक्षक नगर पंचायत गढ़हनी के उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अविनाश राव वार्ड पार्षद मुन्ना कुमार राम प्रेम चंद यादव भिखारी राम जीप प्रतिनिधि देवेंद्र यादव प्रमुख विमल कुमार यादव छोटन सिंह सहित सैकड़ों सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। शोभा यात्रा को सफल बनाने में कमिटी के अध्यक्ष शंकर गुप्ता महासचिव रवि कुमार बंटी सचिव राहुल सिंह मुख्य सलाहकार पत्रकार मुरली मनहोर जोशी कोशाध्यक्ष भीम सोनी उपाध्यक्ष सुमन चौरसिया समर गुप्ता संयोजक भगवान प्रसाद मुन्ना बाबा दीपक ओझा धर्मेन्द्र केशरी सक्रिय कार्यकर्ता गौतम कुमार राहुल सोनी बंटी राठौर सुदामा प्रसाद लड्डू रजक सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं का अहम योगदान रहा।●

मासूम बच्ची की गोली मारकर कर दी हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर जिले के आरा में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के भेलाई गांव में हथियारबंद अपराधियों ने घर में घुसकर एक 8 वर्षीय बच्ची की गोली मारकर हत्या कर दिया। मृतका उदवंतनगर थाना क्षेत्र के भेलाई गांव निवासी कृष्णा कुमार सिंह के 8 वर्षीय पुत्री आराध्या कुमारी है। वह पहली कक्षा में पढ़ती थी। घटना के वक्त बच्ची अपने घर में पढ़ रही थी। इस वारदात के बाद आसपास के इलाके में सनसनी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष टीम लेकर मौके पर पहुंचे और शव का आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। वहीं, पूरे मामले की छानबीन में पुलिस जुट गई है। इधर,पिता कृष्णा कुमार सिंह ने पूर्व से चले आ रहे जमीनी विवाद में बेटी की गोली मारकर हत्या की आशंका जताई हैं। मृतक बच्ची के पिता कृष्णा कुमार सिंह ने बताया कि सभी लोग खाना खाकर घर में बैठे थे। तभी चार की संख्या में हथियारबंद अपराधी घर पर आ धमके और गेट खटखटाने लगे। इसी बीच मेरी बेटी आराध्या ने गेट खोला तो उक्त अपराधियों द्वारा मेरे बारे में पूछताछ करने लगे। जब आराध्या द्वारा कहा गया कि पापा घर पर नहीं है। तभी अपराधियों द्वारा गाली-गलौज किया जाने लगा। बाद में जब मेरी पत्नी, मां देखने आई तो उन लोगों ने इसका विरोध किया। जिसके बाद अपराधियों द्वारा ताबड़तोड़

फायरिंग कर मेरी बेटी को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया और वहां से फरार हो गए।●

हथियारबंद बाइक सवारों नें युवती को मारी गोली

● **गुड्डू कुमार सिंह**

बिहार के भोजपुर में अपराधियों का हौसला सातवें आसमान पर चढ़कर बोल रहा है, क्योंकि गोलीबारी की घटना थमने का नाम नहीं ले रहा है, ताजा टाउन थाना क्षेत्र के शिवगंज इलाके की है जहां हथियारबंद बदमाशों ने एक युवती को गोली मार जख्मी कर दिया है। जख्मी युवती को गोली पेट में लगी है। युवती गड़हनी थाना क्षेत्र के गड़हनी गांव निवासी तपेश्वर सिंह की 20 वर्षीया पुत्री कुम्पा कुमारी है। युवती अपने दोस्त के साथ बाइक से जा रही थी। तभी बाइकसवार तीन बदमाशो ने बाइक रोक के गोली चला दी। गोली लगने के बाद वह जख्मी हालत में जमीन पर गिर पड़ी। उसके साथ मौजूद उसके दोस्तों द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया है। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। जख्मी युवती के साथ रहे उसके दोस्त ने बताया कि उसका कुछ दिन पूर्व धोबहा निवासी कुछ लड़कों से झगड़ा हुआ था। इधर, सूत्रों के अनुसार प्रेम प्रसंग में युवती को गोली मारने की बात सामने आ रही है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।●

डॉक्टर की लापरवाही से मरीज ने गंवाई आंख की रौशनी

● **गुड्डू कुमार सिंह**

बिहार के भोजपुर जिले के आरा में उस वक्त अफरातफरी का माहौल हो गया जब आरा शहर के महावीर टोला स्थित एक चर्चित निजी अस्पताल में आंख का ऑपरेशन कराने आए नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड के कैलाश नगर निवासी गुप्तेश्वर राम की 60 वर्षीय पत्नी चम्पा देवी के परिजन आंख की रौशनी जाने को लेकर हंगामा करने लगे। हंगामा की जानकारी मिलते ही पूरा अस्पताल परिसर पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। घटना नवादा थाना क्षेत्र के महावीर टोला स्थित डाव एस के केडिया के निजी अस्पताल लक्ष्मी नेत्रालय का है। पीड़िता चम्पा देवी की बहु रिंकी देवी ने बताया की मै अपनी सासू माँ चम्पा देवी को आँख का आपरेशन कराने के लिए डॉक्टर केडिया के यहाँ लक्ष्मी नेत्रालयय मे आई थी। जहां अस्पताल के कर्मियों द्वारा कई तरह का जांच कराने के बाद 11:00 बजे के आसपास मेरी सास चंपा देवी को ऑपरेशन रूम में ले गए। ऑपरेशन के क्रम में डॉक्टर की लापरवाही से मेरी सासु मां की आंख की रौशनी चली गई। जिसकी सूचना घटना के 2 घंटे बाद मुझे दिया गया। नर्सिंग होम के स्टॉप के द्वारा मुझे कहा गया कि जो आप ऑपरेशन के लिए पैसा जमा की थी वह पैसा ले लो और घर

चली जाओ अब कुछ नहीं होने वाला है। तब इसकी सूचना मैं और मेरे परिवार के लोगों ने नवादा थाना को दी। वही घटना के बाद में डॉ० एस के केडिया ने बताया कि 30 साल में यह पहली घटना है। मेरी मौजूदगी में डॉ० शिल्पी एवं डॉ० अभिषेक द्वारा ऑपरेशन किया जा रहा था। इसमें कोई लापरवाही नहीं है। आंख के कैटक सर्जरी का एक कंपलीकेशन है एक्सपालसिस मैमरिज वही इस मरीज को हो गया है, जो की रेयर है मगर हो सकता है, वही हो गया है। हो रही ब्लीडिंग को रोक दिया गया है और मरीज को पटना भेजा जा रहा है, देखिए क्या होता है। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पहुचे नवादा थानाध्यक्ष ने कहा कि किसी तरह के लिखित शिकायत थाने में नहीं दी गई थी, किसी तरह की गलतफहमी हो गई थी, स्थिति सामान्य है? ●

बड़े भाई ने छोटे भाई को मारी गोली

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के भोजपुर में गोलीबारी थमने का नाम नहीं ले रहा है, अपराधियों का मनोबल काफी बढ़ चुका है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है, आपको बता दें कि 24 घंटे के अंदर भोजपुर के आरा में गोलीबारी की यह तीसरी घटना घट चुकी है ,ताजा मामला आरा शहर के नवादा थाना क्षेत्र के गांधी नगर मोहल्ले की है जहां जमीन पर करकट लगाने के विवाद को लेकर सगे भाइयों के बीच मारपीट व फायरिंग हुई। बड़े भाई के द्वारा फायरिंग के दौरान गोली लगने से छोटा भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी अधेड़ को गोली दाहिने पैर में जांघ पर लगी है। गोली लगते ही वह खून से लथपथ जख्मी हालत में जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद परिजनों द्वारा उन्हें आनन-फानन में आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जख्मी अधेड़ नवादा थाना क्षेत्र के गांधी नगर मोहल्ला निवासी यमुना सिंह के 55 वर्षीय पुत्र जितेंद्र कुमार है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार अपने दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर, जितेंद्र कुमार ने बताया कि उनका नवादा थाना क्षेत्र के जैन स्कूल गेट के पास तीन कट्ठा जमीन और धरहरा गांव में सात कट्ठा जमीन है जो जमीन का बंटवारा नहीं हुआ है। इसको लेकर बड़े भाई सतेंद्र सिंह से कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। उनके बड़े भाई सतेंद्र सिंह द्वारा धरहरा वाले जमीन पर करकट लगाया जा रहा था। जब उन्होंने कहा कि जब जमीन का बंटवारा नहीं हुआ है तो आप अभी करकट क्यों लगा रहे हैं। बंटवारा होने के बाद लगा लीजिएगा। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। देखते ही देखते बात बहुत बढ़ गई। इसके बाद दोनों भाई आपस में भिड़ गए और जमकर मारपीट की। तभी मारपीट के दौरान बड़े भाई द्वारा फायरिंग कर दी गई। इसमें फायरिंग के दौरान उनके दाहिने पैर में जांघ पर गोली लग गई। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा शहर के बापू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया, जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। ●

सहिला नदी पर पुल निर्माण के साथ किया जायेगा सड़क निर्माण : मुख्य पार्षद

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के नव सृजित नगर पंचायत गड़हनी के वार्ड 01 में रविवार को न्यू प्राथमिक विधालय उत्तर पट्टी परिसर में वार्ड पार्षद आरती कुमारी की अध्यक्षता में आम सभा आहूत की गई। आम सभा में सैकड़ों लोगों की सर्व सहमति से दर्जनों योजनाओं को सूचीबद्ध किया गया। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ ने कहा कि हमारा बचपन इसी वार्ड में गुजरा है हमारी कोशिश होगी कि वार्ड नम्बर 1 सबसे बेहतर वार्ड बने। इसके लिए जो भी योजना का चयन किया गया है उसे धरातल पर उतारा जाएगा। उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि चयनित योजनाओ को सशक्त स्थायी कमिटी में पारित कर जल्द से जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नगर पंचायत गड़हनी के सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश राव ने कहा कि हमारा वार्ड सबसे साफ सुथरा स्वच्छ बने इसको लेकर कार्य किया जाएगा। हर घर तक पहुँचपथ और नाली नाला निर्माण कराया जाएगा। न्यू प्राथमिक विधालय उत्तरपटी से तीन घरवा होते वार्ड 1 के सिवान सिहार तक मिट्टी भराई सहिला नदी में पुल निर्माण कराकर आवागमन बहाल कराया जाएगा। वार्ड क्षेत्र में मुक्तिधाम, समत गोसाई, नदी में बोल्डर निर्माण,तालाब का सौंदर्यीकरण नली गली आहार में मिट्टी कटाई कुआं की उड़ाही नल जल को दुरुस्त करने सहित कई अहम योजनाओं को आम सभा मे पारित किया गया। आम सभा मे मुख्य पार्षद प्रतिनिधि गुडुड मुखिया, उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार पत्रकार सह पार्षद प्रतिनिधि अविनाश कुमार राव अक्षयवट ओझा ददन चन्द्रवंशी बिरेन्द्र यादव संतोष कुमार सुनील अनिल मो० फैयाज मो० हामिद राज दयाल सिंह चनेश्वर सिंह राम प्रसाद ओझा मो० सरफराज मो० जब्बार मो० असलम कृष्णा सिंह मिथिलेश सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित हुए। ●

कुछ लोगों का विचार-दंगे में रहे बिहार

● बिन्ध्याचल सिंह

देश की वर्तमान स्थिति व बढ़ती महँगाई पर केवल सच प्रतिनिधि श्री शिवकुमार साहु जिलाध्यक्ष राजद व्यवसायिक प्रकोष्ठ, भोजपुर से बातचीत की तो श्री साहु ने कहा कि देश के इतिहास में पहला व अंतिम सरकार है जो जुमलों की सरकार है। सरकार के पास न तो महँगाई, बेरोजगारी जैसी समस्या है, अगर समस्या है तो विश्वगुरू बनने की, हिन्दु राष्ट्र बनाने की। केन्द्र सरकार की सच्चाई बताने वाले को राष्ट्रद्रोह के नाम पर जेल में बंद किया जा रहा है। इस सरकार में गायिका, पत्रकार, समासेवी पर तो लगातार आरोप लगाये जा रहे हैं। देश में नफरत की आग पैदा करने वाली केन्द्र की सरकार को तानाशाही की हदें पार कर चुकी है। देश की पहली सरकार है। जो विपक्षी नेता के द्वारा पूछे गये सवालों को देश की सुरक्षा का हवाला देकर कई आरोप जो सच्चाई से कोसों दूर रहती है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व वाइनाड के सांसद श्री राहुल गाँधी के

द्वारा संसद भवन में पूछे गये सवालों से घबराई सरकार ने कई झुठे आरोप लगाये और तो और विपक्षी नेताओं पर लगातार ईडी, सी.बी.आई. का छापा देशवासियों को क्या संदेश दे रहा है। ये तो 2024 के लोकसभा चुनावी परिणाम से अंदाजा लगाया जा सकता है। विश्व के नम्बर वन विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले से अनपढ़ लोग बात करने की हिम्मत रखते हैं, जिनकी डिग्री फर्जी और सता उनकी हाथ में है। अतः तानाशाही लाजमी है। रामनवमी के शुभ अवसर पर दंगा भड़काने वाले लोगों को क्या उन्हें तो केवन हिन्दु राष्ट्र बनाना है। पहले रामनवमी के झंडा में बजरंगबली की फोटो हुआ करता था जो वर्तमान में केवल भगवा रंग का झंडा होता है। 2014 के पहले और 2014 के बाद की तुलनात्मक महँगाई पर श्री साहु जी ने जानकारी दी कि 2013 में गैस सिलिंडर 410 रू. था जो 2023 में 1201 रू. है। ऐसे कई जानकारी उन्हें महँगाई के संदर्भ में दी। एक सवाल के जबाव में उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार अर्थात् 2014 में भाजपा की सरकार के दो साल के कार्यकाल में सब कुछ ठीक था, परन्तु 2016 के बाद देश के अन्दर जो भी अपराधिक घटनायें या दंगा होता आ रहा है, उन सभी की जिम्मेवारी केवल भगवाधारी लोग ही है। आपको बताते चले कि 50 बसंत का आनन्द ले चुके श्री साहु 1980 के दशक से राजनीति की जानकारी रखते हैं। ●

अस्वच्छ बक्सर असुरक्षित नहीं

● बिन्ध्याचल सिंह

17 मार्च 2023 को बक्सर अपना 32वाँ स्थापना दिवस बड़ी धुम-धाम से मनाया। अपनी 32 साल में बक्सर कई क्षेत्र में बेहतर कार्य किये। परन्तु जनवरी, 2020 से मार्च 2023 के बीच बक्सर जिला प्रशासन के लगभग सभी विभागों में भ्रष्टाचार के साथ योजनाओं में कमीशन की बढ़ोतरी देखी जाती है। जिसमें मुख्य हैं। सरकार की सात निश्चय योजना और मनरेगा में। आपको बताते चले कि सात निश्चय योजना में जहाँ कनीय अभियंताओं द्वारा उच्च पदाधिकारियों का हवाला देकर 5-10 प्रतिशत कमीशन लिया जाता है वही मनरेगा में 36 प्रतिशत की कमीशन ली जा रही है। उपर्युक्त सभी जानकारी जिले के विभिन्न प्रखण्डों व आम जनता से प्राप्त हुई है और तो और नवानगर प्रखण्ड में मनरेगा में बिना कार्य किये राशि की निकासी की गई जो जाँच का विषय है। इतना ही नहीं जिला भू-अर्जन कार्यालय की पत्रांक-212 दिनांक 17.02.2021 और पत्रांक-1598 दिनांक 06.10.2021 की अवलोकन किया जाय तो आप समझ सकते हैं कि जिला में सेवा दे रहे जिला पदाधिकारी की मिलीभगत है या उनमें कर्तव्यनिष्ठता की कमी है या जिला भू-अर्जन विभाग के कर्मचारी व पदाधिकारी दबंग है। स्वच्छता की बात किया तो भोजपुरी कहावत-टुकी खात जान जाय-साजहग लेल बबुआ वाली कहावत चरितार्थ होते नजर आयेगी। लोहिया स्वच्छता मिशन के जिला समन्वयक से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला में 208 गाँव को ओ.डी.एफ. घोषित किया जा चुका है। जबकि जिला में गाँवों की संख्या लगभग 1100 है। जरा साचिये की पहली योजना पूर्ण नहीं हुई कि लोहिया स्वच्छता मिशन-2 का शुभारम्भ हो गया है। जिसका प्रमाण डुमरॉव प्रखण्ड के मुगॉव और सिमरी प्रखण्ड के डुमरी पंचायत में मिलेगा। जिला प्रशासन बक्सर नगर की सफाई में लगभग 80-90 लाख रूपया प्रत्येक माह में खर्च करता आ रहा है। लेकिन शहर की गंदगी जस की तस बनी हुई है। जिसकी हकीकत शहर में घुम-घुमकर किया जा सकता है। आपको बताते चले कि बिहार सरकार के नये परिसीमन के अनुसार जिला में दो नगर परिषद् और तीन नगर पंचायत है। शिक्षा विभाग की अगर अवलोकन यिा जाय तो एल.बी.टी. बक्सर में बिना किसी नियम कानुन क प्राचार्य की नियुक्ति की गई है, जिसकी जानकारी के लिये अनुमण्डलाधिकारी बक्सर से मुलाकात करने की कोशिश की गई, परन्तु मुलाकात न हो सकी। वही जिला पुलिस प्रशासन की बात की जाय तो वर्ष 2019 से वर्ष 2022 तक अपराधिक घटनाओं में बहुत ज्यादा कमी आई जो तत्कालीन पुलिस अधीक्षक उपेन्द्र नाथ वर्मा की कर्तव्यनिष्ठता की देन थी वही वर्तमान अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्री गोरख राम और तत्कालीन थानाध्यक्ष श्रीमती नीतू प्रिया की अथक प्रयास से शहर में मनचलों पर बिल्कुल अंकुश लग चुका है। जिससे शाम को बाजार करने वाली युवतियों व महिलायें अपने को सुरक्षित महसुस करती है। नुतन वर्ष-2023 में अगर अपराधिक घटनाओं की बात की जाये तो खबर लिखे जाने तक एक भी घटना सामने नहीं आई है। तो दूसरी तरफ जिला में शराब बंदी कानून जितना ही सख्त दिखाई देता है, उतना ही हीरोईन की नशा करने वाले की संख्या बढ़ती है या यही कारण है कि नशा हीरोईन अपना घर कृष्णब्रहम्म थाना के पोषक क्षेत्र टुड़ीगंज में बना चुकी है। लेकिन शराब की जिंदगी खाना बदोश हो गई है, जो अधिकतर सिमरी प्रखण्ड के गंगौली रामदास राय ओपी के क्षेत्र में अपनी जीवनयापन कर रही है। ●

नव निर्वाचित पार्षदों का सम्मान सह अभिनंदन समारोह संपन्न

● वेंकटेश कुमार

विगत सम्पन्न हुए नगर पंचायत मखदुमपुर, जहानाबाद के चुनाव मे विजेता पार्षदों के सम्मान में आयोजित अभिनन्दन समारोह दिनांक 10.04.2023 को मखदुमपुर के नगर पंचायत परिसर में सम्पन्न हुआ। इस भव्य समारोह में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय जीतन राम माँझी जी, बिहार सरकार के अनुसूचित एवं अनुसूचित जनजाति मंत्री सह जहानाबाद जिला के प्रभारी माननीय डा. संतोष कुमार सुमन। पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार एवं प्रदेश अध्यक्ष बिहार कांग्रेस माननीय श्री अखिलेश प्रसाद सिंह, क्षेत्रीय सांसद माननीय चन्देश्वर प्रसाद चन्द्रवंशी, क्षेत्रीय विधायक माननीय सतीश कुमार, पूर्व मंत्री, बिहार सरकार सह टेकारी विधायक माननीय डॉ० अनिल कुमार, पूर्व मंत्री बिहार सरकार माननीय श्री अवध ेश सिंह, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा श्रीमती संगीता देवी एवं अन्य सामाजिक, राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी। समारोह की अध्यक्षता पूर्व उपमुख्य पार्षद श्री रितेश कुमार (चुन्नु) ने की। मंच का संचालन जहानाबाद जिला के मुखिया संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री अवधेश शर्मा ने की। नवनिर्वाचित पार्षदों के द्वारा मंचस्त सम्मानित अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। तदोपरांत आगत अतिथियों के द्वारा नव निर्वाचित नगर पंचायत के मुख्य पार्ष्दद श्रीमती मीना देवी, उपमुख्य पार्षद श्वेता कुमारी सहित सभी पार्षदों को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

इस सुअवसर पर उपस्थित माननीय अतिथियों ने अपने भावोउदगार भी व्यक्त किये। खासकर पूर्व मुख्यमंत्री माननीय जीतन राम मांझी जी ने अपने चीर परिचित अंदाज में मगही भाषा में नगर पंचायत मखदुमपुर के प्रति अपने भावनात्मक संबंध को उद्घाटित करते हुए कहा कि पूरे बिहार राज्य में मखदुमपुर नगर पंचायत को ही यह गरिमा प्राप्त है, जहाँ मेरे मुख्यमत्रीत्वकाल में मंत्री परिषद की बैठक भी आयोजित हुई है। मेरी सारी शुभकामनाएँ इस नगर पंचायत के साथ रही है ओर आगे आने वाले दिनों में भी बदस्तुर जारी रहेगा। जिला प्रभारी मंत्री डा. संतोष कुमार सुमन जी ने नव निर्वाचित पार्षदों के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पंचायत के मतदाताओं ने जिस आशा और विश्वास के साथ अपना प्रतिनिधि बनाया है, उसपर आप सभी समर्पित और निरपेक्ष भाव से खरे उतरेंगे, ऐसी आशा है। उन्होंने आश्वस्त करते हुए यह भी कहा कि नगर पंचायत के चतुर्दिक विकास के लिए मैं अपने स्तर से हर संभव प्रयास करूंगा और इसमें कोई कोर कसर नहीं रखूँगा।

क्षेत्रीय सांसद माननीय चंद्रवंशी जी ने नगर पंचायत के पदाधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उसके सर्वागीण विकास में किसी भी प्रकार के अवरोध को दूर करने के क्रम में मैं किसी भी स्तर तक जा कर अपनी भूमिका का निर्वहन करूँगा। मंचस्त अन्य सभी अतिथियों ने नगर पंचायत मखदुमपुर के विकास के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दी और कहा कि हम सभी आश्वस्त हैं कि इसके पार्षदगण अपनी संयुक्त जिम्मेवारी के साथ उसके विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगे। जिससे राज्य स्तर पर उस नगर पंचायत की अपनी एक अलग पहचान होगी। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री रितेश कुमार उर्फ चुन्नु जी ने आगत अतिथियों को अपनी गरिमामयी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। नगर पंचायत के लोगों को उन्होंने आश्वस्त किया कि अपने जीवन के अंतिम क्षण तक इसके विकास में मैं कोई कोर कसर नहीं रखूँगा। ●

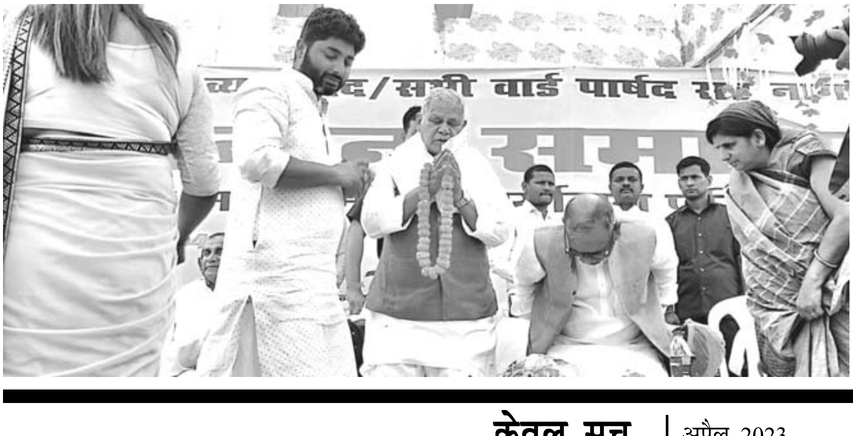

रणनीति के आधार पर भारत का सत्ता परिवर्त्तन का प्रयास

● ललन सिंह

भारतीय राजनीति में विदेशी संस्थाओं और देश में बैठे कुछ राष्ट्र विरोधी सोच रखने वालों, साथ ही स्वार्थी सत्ता पर कब्जा हेतु राष्ट्रीय संप्रभुता एवं स्वाभिमान को लगातार चुनौती देते नजर आ रहे हैं। अपने आपको लोकतंत्र का संरक्षक बताने का प्रयास एवं देश की मौजुदा माहौल को आलोकतांत्रिक बताने की हर संभव प्रयास कर रहा है, सच यह भी है कि विदेशी कुछ लॉबी और संस्था रणनीति के आधार पर भारत की सत्ता परिवर्त्तन के लिए आतुर है, उसका एक कारण साफ है कि विश्व में भारत की बढ़ी हुई मान-सम्मानजनक स्थिति, चुनाव में अभी देरी है, परन्तु लंदन-न्यूयार्क एवं और कई देशों में अन्तर्राष्ट्रीय ताकतों का जिसमें सरोस जैसे और आतंकवावद के पोषक देश पाक जैसा अपने-अपने तरीके से चाहे वह आई.एस.आई. का साथ हो या खालिस्तान समर्थकों के द्वारा हो, चाहे चीन और तुर्की जैसे देश जिन्हें हाल में भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक भीषण आपदा भूकंप में जबर्दस्त सहायता दी गई हो, किसी ना किसी तरीके से भारत को विश्व में गलत तरीके से नुकसान करने के फिराक में है। पंजाब के हाल के खालिस्तान समर्थकों की अराजकता के आगे पंजाब पुलिस जिस तरह असहाय दिखी वह गंभीर चिंता का हालात है। समझ आना मुश्किल है कि वारिस द पंजाब नामक संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में अराजकता के समक्ष राज्य पुलिस समर्पण जैसे हालात क्यों हुआ, इसका जवाब कौन देगा यह भी सवाल अवश्य देश में उठ रहे हैं जो जरूरी है। खतरे की घंटी पंजाब के लिए ही नहीं देश के लिए भी है। स्थायी एवं पूरी तौर पर शांति के लिए सख्ती भी आवश्यक है।

अपने विचारों को रखना आज के समय में आवश्यक है, परन्तु जगह समय और देश के सम्मान एवं राष्ट्रहित का हित और अहित के मद्देनजर होना भी आवश्यक है, हर बात दायरे और समय पर सावधानी के साथ ही हो तो और बोलने वालों को मंच के बावत भी ख्याल रखने होंगे क्योंकि भारत एक बड़ा और अपने आप में विश्व के लिए माननीय भी है। देश का आज मान-सम्मान का कारण हमारे देश की विरासत और सभ्यता-परम्परा भी है। आज के बदलते विश्व के परिवेश में बहुत कुछ बदलाव जारी है, भारत के दोस्त भी है और दुश्मन भी, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कई देश का प्रयास भारत की छवि को बिगाड़ने एवं अपने मकसद को पूरा करने का है,

सामान्य बात सी हो गई है। कोई भी राज्य या केन्द्र के सदनों में एक परिपाटी हो गई है कि कोई भी दल जो विपक्ष में हो या सत्ता पक्ष हर चर्चा में अधिक से अधिक समय नारेबाजी और हंगामा, विवादों एवं शोर-शराबा में ही समाप्त कर देते हैं, असंसदीय टिप्पणी और कार्यवाही स्थगित होना एक तरह से हर सदन के लिए निश्चित सा हो गया है। माननीय विधायक या सांसद को क्या व्यवहार करना है इस पर कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में हमारे प्रतिनिधियों का विशेषाधिकार है, इनको कोई दबाव नहीं बना सकता पर अब यह विषय चिंता की होती नजर आ रही है कि यदि सदन में चर्चा के बजाए केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष अपने-अपने जिद पर अड़ते हैं तो किसका अहित होता है और इसका जवाब यही है कि आम लोगों का क्योंकि सार्थक चर्चा यदि नहीं हो तो सत्र का होने पर परिणाम कुछ भी नहीं निकलता, क्योंकि यह भी सच है कि अनिवार्य कार्यों को संख्या बल के आधार पर सरकार चाहे जिस दल की हो वह पूरी कर लेता है पर तर्कसंगत चर्चा नहीं होने से कई सच और जरूरत वाली बातों का नहीं होना आम लोगों के लिए या लोकतंत्र के मकसद को पूरी तौर पर पूरा नहीं होते आजकल एक बात और सच है हँगामा करने वाले राजनीतिक दलों एवं माननियों का छवि नेता के रूप में मीडिया के माध्यम से नेता के रूप में उजागर होते है और इसी हँगामें के बहाने उन्हें लगता है कि आम लोगों में उनकी स्थिति और चमकता है जो हो सच यही है कि सकारात्मक बहस का सदन में ना होना आम लोगों के लिए और राज्य या देश के लिए बड़ा नुकसान होता है, जो लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। यह हर राजनीतिक दल को सोचना पड़ेगा और भविष्य में दलों के खास नेताओं की जिम्मेदारी है कि सदन में चर्चा और अपनी बातों से दोनों पक्ष अपनी-अपनी बातों को

जो हो आज भारत के हर नागरिक और समाजिक धार्मिक संस्थाओं को संविधान के दायरे में ही रहकर अपनी बातों को रखने चाहिए, क्योंकि हमारे लोकतंत्र के माहौल को चोट ना पहुँचाएं। विदेशों में जाकर कोई भी नेता हो या देश का किसी क्षेत्र का कोई भी हो अनावश्यक बातों को नहीं बोलना चाहिए और उन्हें हर हाल में बचना चाहिए। भारत का लोकतंत्र खतरे में कैसे हो सकता है? यह बात यदि कोई भी कहे, चाहे वह किसी दल या धार्मिक समाजिक संस्था से रिश्ता रखता हो वह सही ठहराना मुश्किल है, सरकार से असहमति होना लोकतंत्र की विशेषता है, परन्तु किसी भी बाहरी देशों में जाकर यह कहना कि आजकल भारत में सभी संस्थाओं को यहाँ तक न्यायालयों तक सरकार का कब्जा है, जबकि हाल के दिनों में सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ फैसले दिए हैं, जो सरकार के अधिकार क्षेत्र के अन्दर नजर आते हैं जैसे एक निर्णय निर्वाचन आयोग के आयुक्तों के नियुक्ति में सुप्रिम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को भी शामिल किया है, और दूसरी अडाणी मामले में जाँच हेतु अपनी समझ से एक समिति को गठित किए हैं, जब इतनी जबर्दस्त फैसले सर्वोच्च न्यायालय द्वारा कार्यपालिका के क्षेत्र में दी जा रही है, तो किसी नेता चाहे वह किसी भी दल से संबंधित हो उनका यह बयान वह भी ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय में यह कहना कि भारत के अन्दर संस्थाओं पर सरकार काबिज हो रही है, अनावश्यक बातों के साथ देश के छवि पर चोट होना स्वाभाविक है। साथ ही लगता है कि सच पर जबर्दस्ती झुठ को बोलने जैसी हास्यास्पद भी है, कोई भी बातें जिसका कोई मतलब नहीं उसे विदेशी मंच पर जाकर जाहिर करने से देश की बदनामी हो सकती है साथ ही हमारे देश के जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दुश्मन है, उसका नाजायज फायदा ही उठाने की प्रयास करते हैं। विशेषकर काश्मीर हो या चीन जैसे विस्तारवाद देश के लिए कोई प्रतिक्रिया या बातें केवल मौका जैसा ही होता है और इसका प्रतिकूल प्रभाव देश के सुरक्षा बलों एवं सरकार को भी होती है, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों की बखान जैसे बातों से काश्मीर राग अलापने का भी मौका प्राप्त होता है और तुर्की जैसे देश जिसे हाल के दिनों में भारत के तरफ से बहुत सहयोग भूकंप के दौरान दिए गए थे, उसके द्वारा पाकिस्तान को काश्मीर के बेतुकी साथ दिया गया कहने का साफ समझ है कि विदेश में जाकर किसी भी मंच से देश के बावत या किसी भी क्षेत्र में बोलने का सही मंच नहीं हो सकता, चाहे वह सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, जो भी चर्चा हो वह देश के सदन या अपने देश के मंच पर ही की जाए, इसका ख्याल रखना होगा।

संसद या विधान मंडलों में चर्चा के समय केवल हंगामा होना देश में आजकल एक

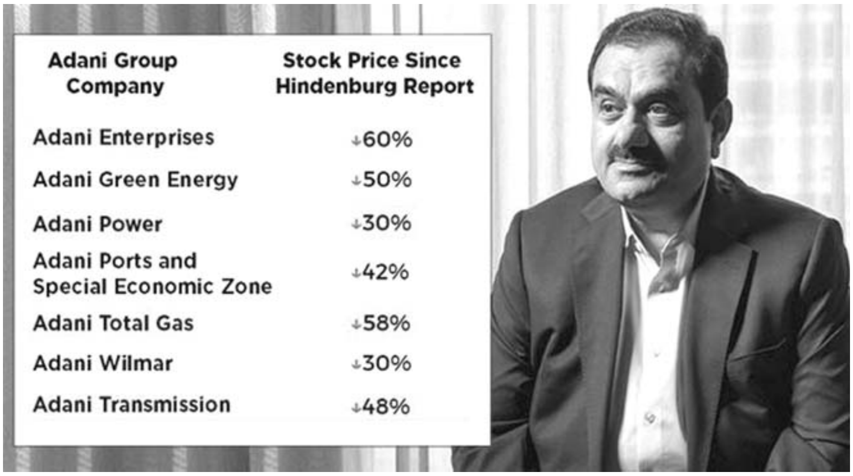

Adani Group Company	Stock Price Since Hindenburg Report
Adani Enterprises	↓60%
Adani Green Energy	↓50%
Adani Power	↓30%
Adani Ports and Special Economic Zone	↓42%
Adani Total Gas	↓58%
Adani Wilmar	↓30%
Adani Transmission	↓48%

रखकर बेहतर परिणाम को प्राप्त करे, जिसकी अपेक्षा आज हमारा शिक्षित समाज की है। हमारे देश में संविधान द्वारा इस तरह की नियम एवं कानून साथ ही संतुलित हालात के अनुसार हर विषय को स्पष्ट तौर पर बताए गए है कि किसी तरह का गलत एवं कानून के विरूद्ध किसी भी सरकार या संस्था को मनमानी करने का मौका नहीं है और देश के सुप्रिम कोर्ट को मजबूत तरीके से अपने फैसलों को लागू कराने के लिए प्रावधान है। हाल में जो सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सी.जे.आई. और लोकसभा में विपक्ष के नेता भी शामिल होंगे, यदि इस फैसले को देखा जाए तो यह प्रतीत होता है कि एक आम आदमी को होना स्वाभाविक तौर है कि चुनाव आयोग को पूरी तौर पर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष दिशा में ऐतिहासिक फैसला था, क्योंकि लोकतंत्र में अत्यंत जरूरी सच है। चुनावी प्रक्रिया, इस बात पर भारत के उपर कोई तोहमत नहीं लगा सकता कि इस देश में किसी संस्था पर कोई कब्जा कर सकता है, हर को मौका है कि आम जनता के पास जाएं और चुनाव में भाग लेने के और देश के लिए किसी भी सर्वोच्च पद पर आसीन होकर नीतिगत तौर-तरीकों से देश में विकास का माहौल को गति दे, हाल के दिनों में देश में हिडनवर्ग रिपोर्ट आने के बाद आडाणी समुह के शेयरों में जब भारी गिरावट आई, तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भविष्य में आम लोगों के हित को सुरक्षित करने हेतु एक विशेष टीम गठित किया और दो माह में बंद लिफाफे में रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। मतलब साफ है कि निवेशकों की सुरक्षा आर्थिक रूप से सुनिश्चित हो इसके लिए विशेषज्ञ समिति को सिफारिश के लिए सुझाव भी देने को आदेशित किया है, एक बात विश्व के लिए उदाहरण है कि भारत में न्यायपालिका ताकतवर है और देश की हर संस्था अपने कार्यों में स्वतंत्र है, अनावश्यक, बेतुकी बातों के द्वारा देश को बदनाम करने के लिए कुछ तत्वों का योजनाबद्ध नीतिगत आधार पर कार्यक्रम को लेकर विश्व के हर मंच पर माहौल को खराब करने को प्रयासरत है। जवानों आज भी -20 डिग्री पर देश के सेवा में लगे हैं, सीमा पर आज के समय भी बी.एस.एफ. और सेना के जवानों द्वारा एल.ए.सी., एल.ओ.सी. पर जजबा को समझने की जरूरत है। बर्फ के बीच जवानों और अधिकारियों द्वारा देश के प्रति समर्पण किस तरह का है केवल चीन और सीमा विवाद के तहत बिना सच जाने बोल देना या टी.वी. पर प्रवक्ताओं द्वारा बेतुकी सवाल द्वारा असमंजश में डालना उचित नहीं है। एक बात समझनी होगी देश का लोकतंत्र आज बहुत हीं समझदार और अपने हर निर्णय को पूरी तौर पर परख कर निर्णय देती है, अब परिवारवाद, धर्म, जाति और धन बल का साथ अनावश्यक भड़काऊ भाषणों को महत्व नहीं देती, इसके उदाहरण राज्यों एवं और हर स्तर के चुनावी परिणाम से नजर आता है, हिमाचल, गुजरात, दिल्ली के हाल के चुनावी परिणाम से समझ में अवश्य आता है। हाल के पूर्वोतर राज्यों के चुनावी परिणाम भी इसके उदाहरण है। इस बात को हर राजनीतिक दलों एवं नेताओं को समझना चाहिए, समय के साथ हर मौके पर राजनीतिकरण ना हो, देश के विकास और मजबूती के लिए हर नेता चाहे वह किसी दल और नीति से अपना पक्ष रखता हो, उन्हें गंभीरता से निष्पक्ष होकर संविधान के दायरे में राष्ट्रहीत का ख्याल रखना ही होगा।

देश आज प्रगति के दौर में है एक रिपोर्ट है कि शहरी, महिलाएं आज पूरी तौर पर सजग है, अपने कार्यों में तेजी से अग्रसर है। टेवलेट, लैपटॉप और स्मार्ट फोन द्वारा पारिवारिक महिला हर क्षेत्र में प्रयासरत है। दस में आठ महिलाएं इंटरनेट का इस्तेमाल कर रही है। यह महिला आयोग की सर्वे द्वारा बताई गई है। मतलब यह भी है कि विकास भी अपने तेजी से आगे बढ़ने के मार्ग पर है साथ ही अब हर राज्य, केन्द्र सरकार का शिक्षा एवं स्वास्थ क्षेत्र में काफी सुधार की प्रक्रिया जारी है, हालांकि अभी भी ग्रामीण इलाकों में और बेहतरी की आवश्यकता है। इसके लिए राजनेताओं को विशेषरूप से अपने को आम लोगों के साथ प्रयासरत होना होगा, चर्चा औरत की अपने मंच से जो सही हो उसपर

जोरदार अपने पक्ष को अवश्य उठाए, लोकतंत्र की यह विशेषता है पर केवल हंगामा, नारेबाजी, शोर-शराबा द्वारा अपने बातों को मनवाने की सोच सही नहीं ठहराया जा सकता, देश में बाहरी और आंतरिक सुरक्षा पर सेना अर्द्धसैनिक बलों एवं प्रशासन इन हर चुनौतियों को लेकर मजबूती से प्रयासरत है पर इनके साथ ही राजनीतिक दलों को देशहित और सुरक्षा के प्रति वचनबद्ध होने होंगे, क्योंकि राजनेताओं की अलग से अधिक जिम्मेदारी है। इनका कार्य नेतृत्व का है और इन्हें निष्पक्ष होकर अपने आप में उदाहरणार्थ के तौर पर प्रस्तुत करने ही होंगे अन्यथा अब आम लोगों में एक बात साफ नजर आ रही है कि बेतुकी हंगामा और प्रदर्शन देश के लिए सही नहीं है और काम और विश्वास से ही देश की जनता को अपना साथ ले पाएंगे, इस पर पूरी तौर पर हर राजनीतिक दल को एकमत होना ही होगा।

आज विश्व के महायुद्ध रूस-युक्रेन के हालात से नए सामरिक परिवर्त्तन होते नजर आ रहा है। इसका प्रभाव भारत पर हर क्षेत्र में नजर आ रहा है, आर्थिक, व्यापारिक और सामरिक परिवर्तन के मद्देनजर भारत भी प्रभावशाली ढंग से अपने बदलाव को लेकर सतर्क है। भारत अपने कुटनीतिक रणनीति को अपने हक एवं आम लोगों के बेहतरी पर आगे बढ़ रहा है, किसी भी देश चाहे वह महाशक्ति हो या कोई धार्मिक कट्टरवाद का पोषक सबके साथ, मजबूती से अपना रिश्ते एवं व्यापारिक क्षेत्र में प्रयासरत है अपने लोगों के हित का ख्याल और आत्मनिर्भरता और अपने मजबूती पर भी खड़ा रहता है, जिससे आज विश्व के हर देश अब तो पाकिस्तान के आवाम, नेता मान रहे हैं जो सर्वविदित है, आजकल देश में एक और बहस राजनीतिक गलियारों में उठ रही है, केन्द्रीय एजेंसियों को लेकर ई.डी. हो या सी.बी.आई. या कोई जाँच एजंसियां जैसे एन.आई.ए. हो विपक्ष का कहना है कि इनका दुरूपयोग हो रहा है। कभी-कभी छापामारियों के दौरान, जाँच के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा जबर्दस्त प्रदर्शन, हंगामा और विरोध के प्रयास हो रहे हैं। इसमें अपना सेना के अनुभव से मैं इस बात पर समझ रखता हूँ कि कोई भी जाँच एजेंससियां हो या तंत्र अपने कार्यों के प्रति पूरी तौर पर निष्पक्षता करते क्योंकि हमारे देश में व्यवस्था का नीतिगत आधार भी यही है और जाँच कें और कानूनी प्रक्रिया में जीवनी जल्दी हो सके अपने कार्यवाहियों को पूरा करे जिससे न्याय जल्द हो और सच का जानकारी देश के आप लोगों तक पहुँचे, क्योंकि समय-समय पर कोई एजेंसियों की सक्रियता बढ़ती है, खास कर चुनावी माहौल में तो लोगों को खासकर राजनीतिक दलों को अपने-अपने हक में बोलने का मौका भी मिलता है। 2005-06 का मामला जब रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव जी थे तो पुराने होने से मामलों में तकनीकी समसया और राजनीतिक दबाव की बातें का आना स्वाभाविक है। हाँलाकी मामले सुलझे नहीं होते यदि मामला बहुत आसान सा होता तो सही समापन हो चुकी होती क्योंकि गलत कोई कार्य हो तो करने वाले भी चलाकियों का सहारा ली जाती है, क्योंकि एक बात किसी भी मामले की हो विशेषकर भ्रष्टाचार का मामला में देरी होना निंदनीय है, क्योंकि फिर लगता है कि किसी को परेशान किय जा रहा है। यह सामान्य सोच है जो जाँच एजेंसियों द्वारा समझनी होगी। देश, समाज के लिए आज की जरूरत है कि जाँच एजेंसियों को जितनी जल्दी न्याय प्राप्त हो वह अच्छा रहेगा, राजनीतिक स्तर पर बचाने या फंसाने की साजिश हर राजनीतिक दल एक-दूसरे को जरूर ब्यानों एवं भाषणों में देते हैं, जरूरी है कि जाँच एजेंसियों के उपर कोई दबाव ना हो ना ही कार्यों में बाधा पहुँचाई जाए और जाँच एजेंसियों को कोई जाँच में कोई भी कमी ना रहे, जिससे किसी को सियासत का मौका ना मिले। देश भी आज भ्रष्टाचार से मुक्त हो इसमें राजनेताओं को निष्पक्ष रूप से जाँच एजेंसियों को सहयोग करना होगा, हाल के आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के मामले में कुछ विपक्षी पार्टियों द्वारा एकजूट विरोध और पी.एम. को पत्र लिखकर सी.बी.आई. के बावत विरोध एवं दुरूपयोग का चर्चा करना नंजरअंदाज नहीं की जा सकती। इस पर एक बात देश की जनता जरूर चाहेगी की संबंधित एजेंसियों द्वारा पूरा सच लाकर अपने जाँच और विश्वसनियता पर मूहर लगाए क्योंकि अंतिम फैसला माननीय कोर्ट द्वारा स्थापित होना है।

शराब घोटाला में शराब घोटला में दिल्ली

के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश हुई है। आजकल एक जोरदार कोशिश कुछ नेताओं के द्वारा बयानों एवं भाषणों में लगातार हो रही है, कि केन्द्र के सत्ता में आने पर बी.जे.पी. द्वारा लोकतंत्र को खतरे में डाला जा रहा है अर्थात् यह बात भाजपा शासन में भारत में लोकतांत्रिक मूल्य खतरे में है, परन्तु इस बात पर सामान्य आम लोग को समझना मुश्किल है कि भारत में ऐसा कुछ नजर तो नहीं आ रहा है यदि यह सच होता तो आजकल हर बात में राजनीति, विदेशों में देश और सरकार के प्रति अजीबोगरीब बयान, विदेशी तत्वों द्वारा अनावश्यक देश की छवि खराब करने के बावजूद उन्हें देश में स्वतंत्र रूप से आजादी है, कहने का मतलब है कि कुछ भी बोलना एवं राजनीतिक स्वार्थ हेतु धर्मग्रंथ तक के साथ छेड़खानी, जला देना और बेतुकी अनाप-शनाप कई राजनेताओं द्वारा जातिगत, धार्मिक भड़काऊ भाषण किये जा रहे हैं। कई राजनेता देश में सुरक्षा बालें के बावत भी विशेषकर काश्मीर के स्थानीय नेता और नेत्री बेवजह बयान देती रहती है पर उनपर कानूनी कार्यवाही के नाम पर कोई अनावश्यक सजा बाली बातें नहीं दिखती, क्योंकि सच है कि यह अनाप-शनाप बयानबाजी नेताओं द्वारा होती है, एक बात आजकल अवश्य आम लोगों के जेहन में आती है क्या इस तरह की बेतुकी बयानबाजी आम लोगों द्वारा हो तो उनके साथ प्रशासनिक और पुलिस तंत्र का कानुनी एक्शन होगा, क्योंकि कानून देश में हर एक के लिए एक ही है, सब मिलकर सच जरूर है कि

देश में आजकल सबसे अधिक आंतरिक सुरक्षा एवं समस्याओं के कारण कुछ रसुखदार वर्ग के नेता अऔर कट्टरवाद सोच वाले धार्मिक नेता हैं और जातिगत उकसावे के द्वारा अपने-अपने राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने में लगे हैं, इसलिए सभी को चाहे वह नेता हो या रसुखदार धार्मिक जातिगत आधारित नेता के नाम पर बयानबाजी करने वाले छुटभैया नेता हो उन्हें राष्ट्रहीत में अपने सोच, बोली पर नियंत्रण अवश्य रखें क्योंकि शिक्षित समाज में इनका धीरे-धीरे मान-सम्मान कम ही हो रहा है, हमारे देश में राजनेता जिनके कार्यों का और एक से एक समाज सेवकों का योगदान रहा है, उन्हें याद करके भारत के भविष्य को नए दिशा में जाने के मार्ग खुले हुए हैं, इसमें हर वर्तमान राजनीतिक दलों एवं नेताओं को साथ देने होंगे, स्वार्थी सोच बालों पर अब आम लोगों की नजर भी है कोई भी नेता हो या संस्था का मुखिया उसे अब इस सच को अवश्य समझना होगा। अब लोकतंत्र की गहराई और मजबूती पर शक पैदा करना सही नहीं है। देश में लोकतांत्रिक माहौल पर चर्चा अवश्य हो परन्तु यह अब का आम जनता नहीं, विश्वास कर सकती कि कोई सरकार चाहे वह केन्द्र में हो या राज्य सरकार वह देश पर अपना मनमानी करे और अपने आप में राजतंत्र वाली, तानाशाही के साथ कार्यों को करे। हमारे यहाँ आमजन के पास अपने प्रतिनिधि को

March 5, 2023

Joint Letter by Major Opposition Parties to the Prime Minister

Dear Pradhan Mantri Ji,

We hope you would agree that India is still a democratic country. The blatant misuse of central agencies against the members of the opposition appears to suggest that we have transitioned from being a democracy to an autocracy.

On the 26th of February 2023, after a long witch-hunt, Delhi's Deputy Chief Minister Shri Manish Sisodia was arrested by the Central Bureau of Investigation (CBI) in connection with alleged irregularity without a shred of evidence against him. The allegations against Shri Sisodia are outrightly baseless and smack of a political conspiracy. His arrest has enraged people across the country. Manish Sisodia is recognised globally for transforming Delhi's school education. His arrest will be cited worldwide as an example of a political witch-hunt and further confirm what the world was only suspecting - that India's democratic values stand threatened under an authoritarian BJP regime.

Out of the total number of key politicians booked, arrested, raided or interrogated by the investigation agencies under your administration since 2014, the maximum belongs to the opposition. Interestingly, investigation agencies go slow on cases against Opposition politicians who join the BJP. For example, former Congress member and current Assam chief minister (CM) Shri Himanta Biswa Sarma was probed by the CBI and the ED in 2014 and 2015 over the Saradha chit fund scam. However, the case didn't progress after he joined the BJP. Similarly, former TMC leaders Shri Suvendu Adhikari and Shri Mukul Roy were under the ED and CBI scanner in the Narada sting operation case but the cases didn't progress after they joined the BJP ahead of the assembly polls in the state. There are many such examples, including that of Shri Narayan Rane of Maharashtra.

Since 2014, there has been a marked rise in the number of raids conducted, cases lodged against and arrest of the opposition leaders. Be it Shri Lalu Prasad Yadav (Rashtriya Janata Dal), Shri Sanjay Raut (Shiv Sena), Shri Azam Khan (Samajwadi Party), Shri Nawab Malik, Shri Anil Deshmukh (NCP), Shri Abhishek Banerjee (TMC), central agencies have often sparked suspicion that they were working as extended wings of the ruling dispensation at the Centre. In many such cases, the timings of the cases lodged or arrests made have coincided with elections making it abundantly clear that they were politically motivated. The manner in which prominent members of the opposition have been targeted lends credence to the allegation that your government is using investigating agencies to target or eliminate the opposition. The list of the agencies your government has been accused of using against the opposition isn't limited to the Enforcement Directorate.

It is clear that these agencies have their priorities misplaced. Following the publication of an international forensic financial research report, SBI and LIC have reportedly lost over Rs 78,000 crores in market capitalisation of their shares due to exposure to a certain firm. Why have the central agencies not been pressed into service to investigate the firm's financial irregularities despite the public money at stake?

Further, it appears that there's yet another front on which a war is being waged against our country's federalism. The offices of the Governors across the country are acting in violation of the constitutional provisions and frequently hindering the governance of the state. They are wilfully undermining democratically elected state governments and choosing instead to obstruct governance as per their whims and fancies. Be it the Governor of Tamil Nadu, Maharashtra, West Bengal, Punjab, Telangana or the Lt Governor of Delhi – the Governors have become the face of the widening rift between the Centre and states run by the non-BJP governments and threaten the spirit of cooperative federalism, which the states continue to nurture in spite of a lack of expression by the Centre. As a result, the people of our country have now begun to question the role of the Governors in Indian democracy.

The misuse of central agencies and constitutional offices like that of the Governor - to settle scores outside of the electoral battlefield is strongly condemnable as it does not bode well for our democracy. The manner in which these agencies have been used since 2014 has tarnished their image and raised questions about their autonomy and impartiality. The faith of the people of India in these agencies continues to erode.

In a democracy, the will of the people is supreme. The mandate given by the people should be respected even if it was in favour of a party whose ideology was contrary to yours.

Sd/-	Sd/-
K. Chandrashekar Rao (BRS)	**Farooq Abdullah (JKNC)**
Mamata Banerjee (AITC)	**Sharad Pawar (NCP)**
Arvind Kejriwal (AAP)	**Uddhav Thackeray (Shiv Sena, UBT)**
Bhagwant Mann (AAP)	**Akhilesh Yadav (SP)**
Tejashwi Yadav (RJD)	

चुनने का हक है और उसके कार्यो के मद्देनजर परिवर्त्तन हेतु मजबूत ताकत भी, निष्पक्ष और जमीन पर कार्यो को करने वाला ही देश का शासक रहेगा ना कि अब परिवारवाद, जाति, धर्म के नाम पर राजनीतिक कार्य-कलापों को अंजाम वाली नीति पर आधारित प्रयास, यही लोकतंत्र का भारत का सच है।

आजकल देश में क्षेत्रवाद का प्रयास भी संघीय प्रणाली को लेकर एक दुखद हालात है। आजकल बिहार के प्रवासी बिहारियों पर जो दूसरे राज्यों में कार्यरत हैं उनपर हमले किए गए हैं, स्थानीय लोग के हमले पर जाँच और उन राज्यों को प्रशासनिक व्यवस्था द्वारा सुरक्षा के बावत घोषणां और सुरक्षा प्रदान की बातें भी की जाती रही है, मार्च में तामिलनाडु के अन्दर कार्यरत बिहारी मजदूर जो कई क्षेत्रों में लम्बे समय से कार्यरत रहे हैं, अचानक उन प्रवासी मजदूरों का घर लौटने के खबरे प्राप्त हो रही है, कभी हिन्दी भाषा के नाम पर कभी यह स्थानीय लोगों का कहना कि बिहारी मजदूरों द्वारा सस्ते में काम करते हैं इसलिए स्थानीय मजदूरों में आक्रोश है। हालांकि तामिलनाडु से कुछ सूचनाएं यह भी आई कि यह प्रवासी मजदूर जो घर लौट रहे हैं, अफवाहों के कारण वापस आ रहे है, मामला जांच और सहायतार्थ, बिहार सरकार की टीम भी भेजी गई है। मामला का सच जो हो देश में किसी को भी कहीं भी कार्य हेतु संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकार है, पर सच यह भी है कि आजादी से अभी तक बिहार के लोगों का पलायन काम के लिए, जीवन-यापन हेतु लगातार बिहार से बाहर होते रहे हैं। इसका उदाहरण कोविड में देखी गई, लोग कैसे मजबूरन विभिन्न राज्यों से अपने और अपने परिवार के साथ तकलिफों को सहते, झेलते वापस आए, कहने के लिए हमारे नेता एक-दूसरे दलों के उपर कुछ भी आरोप-प्रत्यारोप लगा ले पर सच तो जरूर है कि हमारे राज्य बिहार का यह दुर्भाग्य रहा है कि झारखंड के विभाजन के बाद तो कोई कल-कारखाने का या कोई और रोजगार हेतु विशेष ख्याल किसी स्तर पर नहीं हुआ, केवल राजनीति की बातें होती रही, बोट वैंक की खेती पर ध्यान अवश्य सभी राजनीतिक दलों का रहा।

राजनीति और दलीय स्वार्थ पर हर दल अपने को सही बताता रहा है, कभी कलाकार, कभी कोई और क्षेत्र के जानकार लोग भी

अपनी-अपनी जानकारियाँ प्रदान करते रहे, कभी राज्य के लिए विशेष पैकेज की माँग उठती रही पर रोजगार और उसके लिए आधारभूत संरचना की बातें केवल मुँहजुवानी और कागजों में ही रह गई, आजकल हमारे राज्य को केवल बयानबाजी और भाषणों से नेताओं द्वारा आने वाले चुनावों पर नजर है, राज्य और केन्द्र सरकार अपने-अपने कार्यो को बताते नहीं थकते, पर सच से डर कर विकास के लिए बेहतरी के बनाए एक-दूसरे के गलतीयों को उजागर करने में लगे रहते हैं। बिहार में संसाधन सिमित है, रोजगार के लिए निवेशकों को सुविधा प्रॉपर नहीं मिलती, कोई कहता है लॉ एण्ड ऑर्डर की समस्या है, पर यह सब बातें बेकार सी लगती है, क्योंकि बिहार के लोग पूरे देश में विकास के कार्यों में हर राज्य में सहभागी है, हमारे युवा देश के औसतन काफी आई.पी.एस., आई.ए.एस. के तौर पर पदस्थापित है, तो सवाल तो उठेंगे ही हमारी और हमारी सोच नीतियों में क्या कमी है कि बिहार में रोजगार और कमियों के कारण अधिक संस्था में पलायन ''बाहरी'' का सामना करने के बावजूद भी हो रहा है, यह दर्द लगातार होते रहे हैं चाहे वह महाराष्ट्र हो या नार्थ इस्ट में, रहा हो, पलायन प्रक्रिया कभी नहीं कम होता। पंजाब हो या हरियाणा हो देश का कोई भी राज्य हो चाहे गुजरात हो या कोई क्षेत्र बिहारियों का कार्यरत होना आम बात है, पर एक बात यह भी है कि इसमें कोई बुराई भी नहीं है पर मान-सम्मान, स्वाभिमान की हालात भी बने रहे इसका ख्याल होना आवश्यक है, सुरक्षा के साथ।

बिहार में बाधाएं पार करने और राज्य में रोजगार के लिए नए अवसर पैदा करने का समय आ गया है। बिहार में लोगों खासकर युवाओं की समस्याओं को जानने और समन्वय के साथ समाधान हेतु राजनीतिक दलों के साथ प्रशासनिक अमले को निष्पक्ष और ईमानदारी से प्रयास करने की जरूरत है। सभी राजनीतिक दलों को एक मत से सच पर कार्य करने होंगे, क्योंकि सच सही है कि बिहार में रोजगार हो या शिक्षा, स्वास्थ सब पर सतर्क नजर रखकर उसके फायदे निचले स्तर तक पहुंचे, क्योंकि योजनाओं का पूरी तौर पर आम लोगों के साथ जुड़े और इसके द्वारा विकास की गति में तेजी आएं आज देश में हर राज्य अपने भी लगातार निवेश एवं उत्पादन साथ ही हर स्तर पर आत्मनिर्भरता का मार्ग पर चलने के प्रयास में हैं, बिहार भी अपने कृषि और संसाधन के माध्यम से

साथ ही युवाओं के उर्जावान ताकत से अपने राज्य को मजबूती देकर और राज्यों के जैसा कामयाबी के तरफ बढ़े। इस पर ध्यान देना ही होगा, केवल दूसरों के माथे पर गलतियों का छाप लगाकर अपने आप को बचाव का मार्ग ढुंढ़ने के तरीकों से दूरी बनाने ही होंगे, हर मौके पर केवल राजनीति और हर बात में जाति धर्म वाली आधारित राजनीतिक स्वार्थ पर प्रयास वाली हरकतों से दूरी बनाने होंगे क्योंकि आज का आम लोगों में इस बात का आक्रोश जरूर है कि केवल सत्ता पर काबिज होने वाला सोच हर राजनीतिक दलों में पूरी तौर पर व्याप्त है, लोकतंत्र की सच्चाई यही है कि लोगों में जागरूकता पूरी तौर पर लोकतंत्र के अपने अधिकारों हेतु समझ में आ गई है हर नौजवान अपने लिए सुरक्षा, रोजगार और सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए अवसरों की चाहत रखता है। समय के साथ स्वार्थी और भ्रष्टाचारी एवं माफिया जैसे लोगों को अपने आप में सुधरना ही होगा। समय के बदलाव को देश में हर कोई देख रहा है, गैंगस्टर, माफियाओं एवं भ्रष्टचारियों पर लगातार अब जाँच और एक्शन के जिम्मेवार एजेसियां पूरी तौर पर कानूनी प्रक्रिया द्वारा काबू करने के लिए प्रयासरत हैं। देश में

बाहरी खतरा तो है ही लेकिन देश के अन्दर भ्रष्टाचारियों से बहुत बड़ा नुकसान होता है। राष्ट्र के लिए, ईमानदार और निष्पक्षता आवश्यक है। हर क्षेत्र में राष्ट्र विरोधी गुर्गे अपने स्वार्थी सोच से हर जगह गलत तौर तरीकों से अपना वजूद और दबदबा बनाने की कोशिश में रहते हैं, लेकिन समय और देश के जगरूकता के कारण, गलत लोगों के बच पाना अब कठिन हो गया है, देश के विकास में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी जैसी बिमारियां जो दिमक जैसी तंत्र के साथ हो गई है, अब उसमें काफी बदलाव होते नजर आ रहा है। समान्य और रसुखदार सबके साथ एक ही कानूनी प्रक्रिया हो, कोई फर्क ना हो, क्योंकि, धन-बल के प्रभाव से कुछ लोग हर मौके पर अपना गलत अधिपत्य बनाकर अपनी सलतनत कायम करना चाहते हैं जो आज के समय में असंभव सा है, अब सरकार और प्रशासन गलत लोगों पर बुलडोजर एवं कानूनी कार्यवाही तेजी से कर रही है और इसका असर पूरे देश में देखने को मिल रहा है।

भ्रष्टाचार पर वार से तिलमिलाया हुआ है, कुछ लोग जिसमें राजनीतिक दल और कुछ रसुखदार लोग भी हैं। विपक्ष का कहना है कि जाँच केवल विपक्षी नेताओं पर ही क्यों, हाल में कर्नाटक के राजनेता के पुत्र के घर पर करोड़ों रूपया मिलना मतलब सरकार किसी भी पुलिस और जाँच एजेंसियां सर्तक है, चाहे वहाँ सरकार पक्ष की हो या विपक्ष की वैसे कोई भी आरोपी हो या भ्रष्टाचारी वह नहीं चाहता कि उसके लिए जाँच प्रक्रिया हो और आज की राजनीति तमाम विरोधभास और स्वार्थ पर प्रयासरत है। स्वतंत्रता के बाद कुछ सालों तक राजनेताओं एवं माननीय लोगों में अपने लिए एक सम्मानजनक सोच रहा याद करें कि कई नेताओं ने अपने उदाहरण प्रस्तुत किये थे। 1957-1958 में मुद्रा घोटाले में देश की आर्थिक क्षेत्र में भूचाल आया तो उनके नाम आने पर उस समय के वित्त मंत्री टी.टी. कृष्णामाचारी ने पद से इस्तीफा दिया था। उसी तरह रेलमंत्री 1956 में रेल दुर्घटना के वजह से दिया था, जिनको पूरा देश आज सादगी एवं ईमानदारी के लिए उदाहरण के रूप में जानते हैं। स्वर्गीय लाल बाहादूर शास्त्री जो बाद में देश के प्रधानमंत्री भी रहे, परन्तु इस तरह का उदाहरण आज के नेताओं पर किसी सामाजिक पद पर बैठे लोगों से नहीं दिखती, पिछले वर्ष से जेल में बंद मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित दिल्ली के मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन अब नौ माह बाद त्याग-पत्र देने में लगा दिया और गाँधी जी के विरासत पर बातें करने वाले देश के राजनीतिक दलों के नेताओं को इन मुद्दों पर गंभीरता से सोचना और देश में सही उदाहरण पेश करना चाहिए ना की प्रधानमंत्री को आरोपित चाहे किसी दल का या पद के हो उनके बचाव हेतु पत्र लिखना चाहिए, जाँच एजेंसियों को स्वतंत्र रूप से कार्यो का निष्पादन हेतु यह अनावश्यक दबाव सही नहीं है।

भारत का इतिहास गौरवशाली रहा है। देश का चरित्र गाँधीजी के चिंतन एवं मार्गदर्शन पर कायम रहे इसके लिए हम सब आम लोगों एवं विशेषकर देश के राजनीतिक दलों के नेताओं को ख्याल रखना होगा। विपक्ष के बयान की सत्ता पक्ष को लेकर कोई जाँच नहीं होती इसको सही नहीं ठहराया जा सकता, भाजपा शासीत कर्नाटक

में विधायक एम. वीरूपलप्पा के नौकरशाह पुत्र मदल प्रशांत को साबुन बनाने वाली सरकारी कम्पनी को कच्चे माल की आपूर्ति सौदे में गलत मौका देने के बदले 40 लाख की रिश्वत लेने के बावत लोकायुक्त की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा द्वारा अरेस्ट किया गया और उनके घर से करोड़ों की कैश भी जब्त की गई और हाल के दिनों में अन्य विपक्षी पार्टियों के नेताओं के घरों से चाहे वह पश्चिम बंगाल हो या कोई और राज्य काफी उदाहरण मिले हैं, अपने कलंकित छवि के बचाव हेतु इस तरह के आरोपों और विपक्षी दलों के द्वारा प्रधानमंत्री को पत्र लिखना उचित है या नहीं उन दलों को इस पर चिंता एवं विश्लेषण अवश्य करना होगा। आज की प्रगतिशील समाज में रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और स्वार्थ आधारित लोगों एवं इरादों वालों को चिन्हित करना जरूरी है। इसमें हर देश का नागरिकों का साथ देना होगा। देश के प्रशासनिक तंत्र एवं जाँच एजेंसियों को। क्योंकि अब देश में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी दीमक जैसा है, देश के विकास एवं बेहतरी में सबसे बड़ी बाधक सा है और यह समस्या देश के लिए अभिशाप जैसा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पूर्व मंत्री जो शिक्षक घोटालों एवं चिटफंड आदि आरोपों से घिरे हुए हैं कोई नेता परियोजनाओं में घिरा है, कोई वसूली कांड में, तो अब यदि जाँच एजेंसियाँ अपने सक्रियता को बढ़ा रही है तो इसका विरोध क्यूँ?

देश के विकास एवं बेहतरी के साथ ही सफलता की कामना व्यर्थ है, जब तक भारत के जमीन से भ्रष्टाचारियों एवं माफियाओं और रिश्वतखोरों की पूरी तौर पर सफाया नहीं होता, इसके लिए हर स्तर पर मूहिम और जागरूकता साथ ही हर एक को पूरी तौर पर कमर कसना ही होगा, राजनीतिक कार्यक्रमों और नीति लोकतंत्र की अलग पहचान है। सत्ता एवं विपक्ष दोनों को अपने लिए मार्ग की तलाश जरूर हो पर केवल सत्ता पर काबिज होने के मकसद से केवल एकजुट होकर अपना-अपना स्वार्थ हित वाली राजनीति देश के लिए हितकर नहीं हो सकता, चाहे वह कोई भी राजनीतिक दल हो या नेता हो, आजकल अगले आम चुनाव की एक तरह से उलटी गिनती शुरू हो चुकी है, स्वाभाविक रूप से केन्द्र के सत्ता पर काबिज होने हेतु हर दल अपने स्वार्थ एवं सत्ता के भागीदारी के लिए तैयारियां भी प्रारम्भ कर दिया है, सब राजनीतिक दलों की गोलबंदी के समीकरण को बनाने की कवायद भी जोरों पर है, विरोधी दलों के अन्दर इस बार होने वाले केन्द्र का चुनाव बहुत ही खास है, क्योंकि अपने-अपने हितों के साथ वजुद को कायम रखना भी मजबूरी जैसा है। पर सीटों और टिकट वितरण के मद्देनजर जबर्दस्त अपनी-अपनी समस्या भी है, टिकट का बंटबारा भी हर विपक्षी दलों की एक समस्या अभी से टकराहट का कारण बनता नजर आ रहा है। भाजपा के बढ़ते दबाव का तोड़ निकालने का फार्मुला की खोज हर दल द्वारा हो रही है, पर आपस के अपनी स्वार्थ से इतना असान नहीं नजर आ रही है। फिर भी लोकतंत्र के लिए विपक्षी एकता की मूहिम को सफलता मिलना देश के लिए हितकर है। इसमें कोई शक नहीं।

पुलवामा के शहीद जवानों के विधवाओं के साथ बदसलुकी राजस्थान पुलिस के द्वारा क्यों, शहीदों के परिवार के सदस्यों को हिरासत में क्यों रखा गया, विरंगनाओं के साथ रात में प्रदर्शन स्थल से उठाकर पुलिस स्टेशन ले जाना शर्मनाक स्थिति जैसी है, देश के लिए जवानों ने जान गंवाई उनके पत्नियों को एक की नौकरी के लिए और आर्थिक मदद की राज्य सरकार द्वारा वादा आज क्यों असमंजश

में है। इसका जवाब देना चाहिए। राज्य सरकार और उनके दल के महान नेताओं के द्वारा क्या इनके समस्याओं को वार्ता एवं संवाद द्वारा हल नहीं किया जा सकता था, सवाल यह भी है शहीदों की पत्नीयों ने मांग की हमारे बच्चे छोटे हैं, पालन-पोषण हेतु हमारे द्वारा बताए गए रिश्तेदार को कृपया नौकरी प्रदान की जाए, सवाल गलत भी क्या है। परन्तु लकीर का फकीर वाली बात हो गई। नौकरी शहीदों के पत्नीयों या उनके पुत्र-पुत्रियों को ही प्रदान होगा। एक बात जरूर है कि हर समस्या का समाधान के लिए मार्ग की खोज की जाती है, परन्तु पुलवामा के 40 जवानों की कुर्बानी पर हर राजनीतिक दल रोटियां सेकने में हर वक्त अपना बयान और भाषणों में दिखावा करते हैं, पर जयपुर में 10, 12 दिन के विधवाओं द्वारा प्रदर्शन में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई, एक बात साफ है शहादत जो देश के लिए होता है वह पूरे देश उसका कर्जदार होता है। जो भी हो, इस तरह के हालात दुखद एवं कष्ट वाला अवश्य है। एक सभ्य समाज के हर सदस्य को दुख होना स्वाभाविक है, राजनीति का कोई मतलब नहीं, यह तो कर्ज है, राज्य सरकार हो या केन्द्र सरकार इनके हर सही समस्या का निदान समय पर की जाए। पुलवामा हो या कोई प्रकरण शहादत को सम्मान पर गर्व करना चाहिए, हम भारतीयों को इन शहीदों के परिवार के साथ रहना चाहिए, जो हो सरकार हो या प्रशासन अनावश्यक दबाव शहीद के परिवार और पत्नीयों पर भविष्य में ना हो इस बात का ख्याल रखना होगा, पुलिस जरूर लॉ एण्ड ऑर्डर के लिए मजबूत तंत्र है पर हालात पर नियंत्रण हेतु समझना चाहिए कि शहादत के सम्मान को किस तरह से नियंत्रण की जाए। किसी भी कानून समस्या हेतु ''कम से कम बल'' का प्रयोग करना वर्दीधारी के सुनहला

सिद्धांत होता है। आज देश में हमारे सुरक्षा बलों के कार्यों में काफी जबर्दस्त जोखिम से भरा हालात है। आतंकवाद, नक्सलवाद, घुसपैठ और गैंगस्टरों और माफियाओं का नपाक हरकत और बाहरी खतरा अर्थात् सेना हो या अर्द्धसैनिक बलों के सदस्य इनका समय अधिक से अधिक खतरों के साथ-साथ ही व्यतीत होते हैं। इनके मनोदशा एवं मनोबल के स्तर को ऊँचा रखने के लिए देश की सरकार पूर्ण रूप से सतर्क है पर पुलवामा शहीदों के पत्नीयों के प्रदर्शन के दौरान विशेषकर महिलाओं एवं उनके परिवारों के साथ अवश्य पुलिस को अपना व्यवहार कानून व्यवस्था हेतु प्रयासों में संतुलित व्यवहार एवं सतर्क रहने की जरूरत थी, क्योंकि इसका असर सेना, अर्द्धसैनिक बलों के कार्यरत सदस्यों पर कहीं ना कहीं मन को दुखित अवश्य करेगा। उनके लिए यह उदाहरण सही साबित नहीं होगी, राज्य सरकार को इस पर चिंता करना जरूरी है। सिस्टम के खिलाफ कोई संविधान के दायरे में लड़े तो उस पर दबाव बनाने की गुंजाइस नहीं होती। आज के माहौल में यदि कोई हो, नेता, रसुखदार, बुद्धिजीवि वर्ग या सामान्य लोग, उनके द्वारा कोई हेट स्पीच या गलत बयानबाजी हो चाहे सामाजिक, राजनीतिक या धार्मिक स्तर और क्षेत्र के लिए तो वह कानूनी प्रक्रिया द्वारा जाँच जरूरी है। एक बात आज राज्य में या देश के अलग-अलग राज्यों में दिख रहा है कि मिथ्या खबरों का आधार बनाकर माहौल को खराब करने की कोशिश होती है। सामाजिक माहौल और आपसी प्यार भाव साथ ही अनावश्यक आंतरिक सुरक्षा में चोट वाली स्थिति उत्पन्न हो तो उनपर कार्यवाही निष्पक्ष अवश्य हो, लेकिन गलत बयानबाजी और भाषणों से यदि तनाव हो, माहौल बिगड़े तो एक तरह का राष्ट्रीयता के खिलाफ ही माना जाना तय है पर कठोर एक्शन की जरूरत है। यह सब उन बयानों पर जो धार्मिक और सामाजिक के साथ ही सेवा पर भी बोलना हो, जो गलत प्रभाव देता हो उन पर यदि कानूनी कार्यवाही ना हो सरकार और प्रशासनिक अमले के द्वारा तो निष्पक्षता के आधार पर यह आम लोगों को लगता है कि एक देश एक कानून तो अलग-अलग एक्शन की प्रक्रिया क्यों? हाल में हेट स्पीच का राज्य में बहुत जोर रहा है, निष्पक्षता और समय पर एक्शन हो सब के लिए एक्शन एक समान हो। यह आज की जरूरत है। बिहार ही नहीं पूरे भारत में सोशल मीडिया हेट स्पीच जातिगत धार्मिक-ब्यानबाजी बढ़ी है, मोबाईल और माइक लेकर स्वघोषित पत्रकारों की भीड़ भी बढ़ी है, जरूरी है कि सरकार कठोर नियम से गलत इरादों पर रोक लगाएं और चाहे कोई भी इस तरह के माहौल बिगाड़ने वाले हालात पर सख्ती से रोक लगे।

पत्रकार के तौर पर हो या नेताओं के नाम पर कोई अनाप-शनाप बोले या कोई विश्व के किसी भी मंच पर अपने विचारों को रखे पर अमर्यादित तो एकदम नहीं हो और देश के छवि पर चोट ना लगे। इसपर ख्याल रखने की जरूरत है। एक नेता द्वारा विदेश के मंच पर ''संसद में विपक्ष का माइक्रोफोन बंद करने का'' टिप्पणी पर देश के लिए एक गलत संदेश जाएगा, हालाँकि इस बयान में कितनी सच्चाई है, इसकी सत्यता पर अवश्य गंभीरता से जाँच और सच को देश में सार्वजनिक करना चाहिए, क्योंकि संसद भारत का गौरव है, यहाँ देश के सबसे बड़े माननीयों का वह मंच है, जहाँ से देश के नीति और विकास हेतु कार्यपालिका का कार्यो को सम्पादित की जाती है, लंदन में विपक्ष के माननीय सांसद द्वारा माइक्रोफोन बंद के बयान पर देश के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी द्वारा कड़ी प्रतिक्रिया दी गई, यहाँ तक उन्होंने कहा कि राहुल जी की कही गई बात दुर्भावनापूर्ण एवं सोची समझी रणनीति के तहत कहा गया है और इस मुद्दे पर चुप रहना गलत होगा। यह बात उपराष्ट्रपति जी ने कांग्रेसी नेता कर्ण सिंह की लिखी पुस्तक का विमोचन के मौके पर दिया था। सवाल यह जरूर है कि कोई यू-ट्यूबर का पत्रकार के नाम पर हो या कोई मंत्री हो या कोई देश का बड़ा से बड़ा नेता ही क्यों ना हो। सबके लिए संविधान के दायरे में रहकर ही सच पर आधारित बातों को ही रखना चाहिए और कोई भी हो यदि देश के लिए समाज के लिए गलत हो तो उसपर न्यायसंगत कार्यवाही भी हो, किसी को भी अनाप-शनाप, बेतुकी बातों को रखने का मौका संविधान इजाजत नहीं देता।

जो हो देश में कोई भी हो, आम हो या खास सबको एक ही कानून द्वारा न्यायसंगत, निष्पक्षता के आधार पर एक्शन होना जरूरी है, अन्यथा देश में कानूनी कार्यवाहियों में अलग-अलग तरीकों से व्यवहार कर कोई भी प्रशासनिक तंत्र करे तो वह भी अपनी जिम्मेदारी के साथ गलत एक्शन के लिए शक के घेरे में आना तय है। चाहे सुरक्षा बल हो या पुलिस या कोई जाँच एजेंसी सबको अपने कार्यों के प्रति नियम कानून और संविधान में दिए गए प्रावधानों पर सजग रहना चाहिए। इसके लिए सेवा से पहले शपथ दिलाई जाती है। प्रजातंत्र, लोकतंत्र में सरकारों की बदलने की लगातार स्थिति बनी रहती है। आम जनता के द्वारा इन्हें मौका प्रदान की जाती है, यही लोकतंत्र की विशेषता है और इसी आधार पर देश में हर को अपने विचारों एवं नीतिगत कार्यो को पूरा करने का मौका रहता है। इसलिए सभी को इस बात का ख्याल रखने होंगे कि देश का विकास, कार्यकालापों को लेकर हमारे संविधान द्वारा स्पष्ट रूप से सभी को कर्त्तव्य एवं अधिकारों का तालमेल के साथ अपने आप में मौका प्रदान करता है। भारत की लोकतत्र बहुत पुरानी एवं साफ-सुथरी विरासत पर आधारित है, हमें देश में बेहतरी एवं विकास हेतु बराबर का हक है पर देश के सम्मान एवं छवि पर कोई समस्या ना हो, इसपर ख्याल रखना भी एक जिम्मेवारी वाली है। आजकल कभी धार्मिक, कभी सेना, कभी समाजिक व्यवस्था पर कोई ना

कोई बेतुकी बिना जानकारी का बयानबाजी कुछ लोगों की अपनी छवि उजागर करने का प्रयास जो देश में हो रही है, वह सही नहीं ठहराया जा सकता। उस पर काबू रखने के लिए आवश्यक कानूनी एक्शन की जरूरत है, क्योंकि विचार और व्यवहार अच्छे रखना समाज और देश के हित में होगा। एक बात आज के समय में चिंतित अवश्य करती है प्रगतिशील समाज की चुप्पी एवं गलतियों पर आवाज ना उठाने की प्रवृति यह चुप्पी एवं गलत को गलत ना कहना समाज एवं देश के लिए बहुत ही हैरान करने जैसा है, क्योंकि समाज एवं देश में बुराइयों पर नजर रखना और हर देशवासियों को इस तरह की गलतियों या गलत हरकतों पर चुप्पी साधे रखना देश के लिए अच्छा साबित नहीं होगा। यह खतरनाक हो सकता है। विशेषकर चुनिंदा चुप्पीयां और खतरे की घंटी है, देश में जो बुराइयां है उनपर लोगों के मर्यादित ढंग से आगे बढ़कर काबू के लिए प्रशासन और सरकार को योगदान अपने-अपने स्तर में अवश्य प्रदान करने होंगे, राज्य बिहार में पूर्ण शराब बंदी लागू रहने के बाद भी नशे के द्वारा आदतन लोगों का मनोबल बहुत ही सोचनीय है। नए-नए तरीकों से शराब की तस्करी का हथकंडे में प्रयासरत है। जबकि प्रदेश का तंत्र सरकार पूर्ण रूप से शराबबंदी को कामयाब की कोशिश में लगी हुई, जो हो राज्य में आज विकास हेतु केवल सरकार ही नहीं हर स्तर पर सामाजिक, उद्योगपतियों को और जागरूक राज्य के युवा वर्ग को आगे बढ़ने होंगे, राज्य सरकार रोजगार के लिए सरकारी सेवाओं एवं नियुक्तियों पर तेजी के लिए प्रयासरत हैं पर शिक्षा और स्वास्थ जो किसी भी राज्य के लिए प्राथमिक जरूरतों में खास है, इस पर विशेष ध्यान सरकार को देने चाहिए, जैसा आंकड़े बताते हैं, प्राइमरी से भी अधिक हायर एजुकेशन की नियुक्ति में काफी तेजी की आवश्यकता है, लगभग 10 सालों से 8 हजार से अधिक प्रोफेसर (सहायक प्रोफेसर) के खाली जगहों को नहीं भरा गया, यह भी सर्वविदित है कि रीडर, प्रोफेसर की न भैंकेंसी निकली, ना ही इसकी प्रक्रिया शुरू हो पाए, जो भी हो शिक्षा के साथ यह अन्याय जैसा है।

आम लोगों के शिक्षा के क्षेत्र में जिसका सीधा प्रभाव लोगों के उपर पड़ता है और यही कारण है कि राज्य से लोग लगातार हायर एजुकेशन के लिए बाहर के राज्य में जाते रहे, इससे एक बात तो साफ है, शिक्षा जो राज्य के लिए अहम भूमिका निभा सकती है, उसका स्तर लगातार कमजोर होता गया, हालाँकि राज्य सरकार प्रोफेसर और रीडर के पद पर जल्दी नियुक्ति हेतु बहाली प्रक्रिया शुरू करने के लिए घोषणा अवश्य किया है, पर अभी तक कोई इस संदर्भ में विज्ञापन नहीं निकाला, उम्मीद करना ही होगा कि इन पदों पर जल्द बहाली हो, रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरी आए, राज्य सरकार निवेश के रफ्तार को बढ़ाए, उद्योगों का विस्तार करे क्योंकि सच यह है कि उद्योगों एवं निवेश तेजी से ही बिहार का भला हो सकता है और पुरानी बिहार की समस्या पलायन का कुछ ना कुछ हल जरूर समाधान होगा, केवल पुलिस में नौकरी से राज्य का बेहतरी की उम्मीद नहीं होता। इस बात का ख्याल रखना आज जरूरत है। लॉ एण्ड ऑर्डर हेतु पुलिस की समुचित तौर पर बहाली करके बेहतर सुरक्षा की भावना पैदा होती है पर आज राज्य के लिए हर क्षेत्र में निवेश और उद्योगों के जाल बिछाने ही होंगे। इस बात को मानना ही होगा, क्योंकि आज देश में विकसीत राज्यों में लघु उद्योगों के सहारे ही उनकी विास हुई है। स्वास्थ हो या शिक्षा इस विभागों में जो संविदा पर भर्ती हैं, यदि उन्हें पूरी तौर पर नियोजित की जाए, तो अवश्य इनके कार्यों में और बेहतरी होगी। संविदा पर लम्बे समय से एक राज्य में कमिटि बनाई गई थी, कई बार रिपोर्ट पर सरकार गौर करती रही यदि कार्यों में और बेहतरी हो तो इनके कार्यों के अनुरूप पूरी तौर पर इनके साथ भी बेहतर रूप से सेवा को मजबूती प्रदान करें।

देश की किसी कमी की चर्चा को रोकने का कोई विधान नहीं है, संयुक्त राष्ट्रसंघ में कश्मीर का मामला हो या आतंकवाद का साजिश यह बात भी सच है कि पश्चिम के अनेक ताकतें हैं जो भारत के बँटवारे के बावजूद शांत नहीं है, जो देश अपने तानाशाही रवैए से कुछ भी गलत महसुस नहीं करते, अपने समर्थक तानाशाहों के सामने लोकतंत्र की चर्चा तक नहीं करते, लेकिन भारत के किसी नेता को देखते ही लोकतंत्र से जुड़े प्रश्न और उसके बावत अनावश्यक सवालों की झड़ी लगाते रहते हैं। हालाँकि नेता को समझना होगा कि किसी भी वालों को कैसे जवाब देना है, जो हो देश के खिलाफ, देशद्रोह के बावत सुप्रिम कोर्ट ने कड़ा रूख अख्तियार किया है, जो हो नेताओं का विचार, भाषण और स्पष्टीकरण किसी भी मामले में राजनीतिक विषय हो सकता है,

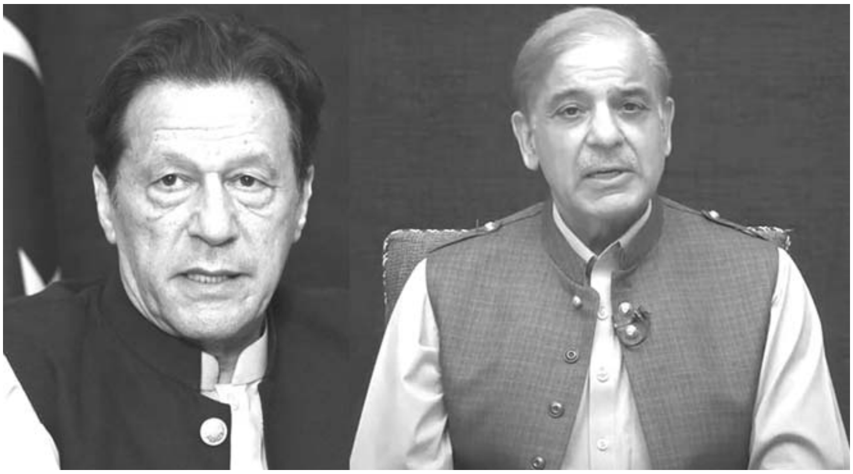

अवश्य इन्हें देश हित और अहित के बारे में समझते हुए ही सवालों को जवाब देना चाहिए, पर यदि वे कोई बात किसी मंच पर रखते हैं तो चर्चा का विषय जरूर होना तय है पर इसके लिए संसद के समय और संसाधनों का दुरूपयोग ना हो इस बात की जरूरत है, क्योंकि भारत के सबसे खास विचारों एवं नीति निर्धारण वाली सदनों में बेकार का हंगामा एवं नारेबाजी आरोप-प्रत्यारोपों से समय का नष्ट होना भारत के आम लोगों के लिए कतई सही नहीं ठहराया जा सकता। भारत का मान सम्मान विश्व पटल पर बेहतर होता जा रहा है, इसमें कोई शक नहीं, हर क्षेत्र में काबलियत का डंका बज रहा है, जिसका उदाहरण भारतीय सिनेमा का नाटू-नाटू सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत एवं द एलिफेंट विहस्परर्स की सर्वश्रेष्ठ डॉक्युमेंट्री का ऑस्कर मिलने की खुशियाँ से अवश्य होती है, हमारी प्रस्तुती ऑस्कर के मंच पर गर्व का है।

परन्तु आजकल भारत विरोधियों का देश के अन्दर और विदेशों में भारत की छवि बिगाड़ने के लिए योजनाबद्ध प्रयास होते नजर आ रहे हैं। हाल के दिनों में खालिस्तान समर्थकों के कारण बंद रहा भारतीय मानद वाणिज्य दूतावास आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में सुरक्षा कारणों से, यह बात समझने की है कि खालिस्तान समर्थकों द्वारा अनाधिकृत रूप से इकट्ठा होकर वाणिज्य कार्यालय का प्रवेश द्वार बन्द करने की कोशिश की गई थी, क्योंकि आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अलबनीज के एक बयान आया था कि उन्होंने अपने देश में भारत विरोधी तथ्वों को रोकने और उनपर काबू हेतु कार्यवाही की जाएगी, कनाडा और कई देशों में खालिस्तानी समर्थकों का भारत विरोधी प्रयास लगातार हो रहे हैं। एक बात यह साफ तौर पर विश्व में समझ आ रहा है कि खालिस्तान के समर्थकों को पाकिस्तान द्वारा आर्थिक एवं कई तरह से सहायता और समर्थन प्राप्त हो रहा है। आइ.एस.आई. भी इनके लिए हर तरह की सहायता देकर अपने काश्मीर के मुद्दे को उछालने के प्रयास में है। इन समर्थकों को समझना होगा कि आज पाकिस्तान के हालात क्या है। एक बात यह भी साफ है कि हाल के दिनों में पूर्व प्रधानमंत्री पाक के इमरान खान के गिरफ्तार करने पहुँची पुलिस और रेंजर की बूरी हालत हुई। शहबाज शरीफ की सरकार का भी किरकिरी हुई। यह

बात भी साफ है कि पी.एम. पाक और इमरान खान का बयान और भाषण जिसमें दुखद मन से ही सही परन्तु भारत के विकास और विश्व में वर्तमान स्थिति का बखान, कहने का तात्पर्य साफ है इन देशों का कि भारत अपने विकास के गति में है जबकि पाक की हालात विश्व के सामने है, हालाँकि बिगड़ते हालात के समय भी भारत को अस्थिर-अशांत और आतंकवाद के द्वारा और खालिस्तान के समर्थकों को सहायता देकर अपने रणनीति पर कायम है। स्पष्ट है पाकिस्तान एक दिवालिया और आतंकी गुटों का पोषक पड़ोसी राष्ट्र भारत के लिए खतरा ही है।

भारत तो हमेशा अपने विरासत एवं शांति वाली परम्परा से विश्व के हर आपदा और बिगड़े हुए हालात पर सहायता का भाव रखता है। हाल के दिनों में भारत ने तुर्किये को भूकंप के घोर संकट में सहायता प्रदान की, परन्तु पाकिस्तान और तुर्किये जैसे देशों का इर्ष्या और द्वेष वाली हरकतें सामने आई, जो हो भारत अपने आप में पूरी तौर पर सजग है, परन्तु एक बात यह भी है कि भय से ही भूत भागता है, कहावत है, ख्याल रखने की जरूरत है, हमारे देश को देश में कुछ राष्ट्र विरोधी तत्वों द्वारा विदेशी मंच, जिसका काम ही केवल भारत का विरोध करना रहा है, उनहें साथ देने की कवायद हो रही है, चाहे वह खालिस्तान के नाम पर हो या और किसी तरीके से जो कतई देश के लिए हितकर नहीं हो सकता है। आजकल हमारे देश में जो राजनीतिक दल और राजनेताओं का एक दूसरे के साथ खड़े होना अच्छा नहीं लगता वह भ्रष्टाचार और एजेंसियों के जाँच के भय से एक साथ खड़े होते नजर आ रहे हैं। सदनों में कार्यवाही के बजाए केवल हंगामा, आरोप-प्रत्यारोप और नारेवाजी, का सिलसिला जारी है क्या होगा यदि इसी तरह से सत्ता पक्ष हो या विपक्ष अपने-अपने बातों पर अडिग रहेगे तो यह सवाल अवश्य किसी भी आमजन के मन में आएगा, विपक्ष की आरोप जाँच एजेंसियों का दुरूपयोग हो रहा है, तो यह भी सच है कि अदालत में ही इसका समाधान होगा, पूरे देश में एक ही पार्टी की राज्य सरकारें नहीं है, तो यदि भ्रष्टाचार कोई भाजपा के नेताओं का हो तो उनको भी राज्य सरकार अपने स्तर पर जाँच कराएँ, उन्हें रोकने की इजाजत केन्द्र सरकार को नहीं है, जो हो विपक्ष को भय जाँच से क्यों यदि माननीय कोर्ट जो देश में पूरी तौर पर शक्तिशाली है, संविधान के प्रदत अधिकारों से उनका निर्णय और फैसले पर विश्वास रखने की जरूरत है।

जो हो देश के लिए सच और ईमानदार होना हर नागरिक एवं राजनेताओं का होना होगा अन्यथा आज विश्व का हालात में अपने आप को मजबूती से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना अलग नहीं होगा, क्योंकि पहले आंतरिक माहौल को बेहतर बनाए रखना आवश्यक है तभी विश्व के वर्तमान माहौल में अपने सभी कार्यों और मकसद को प्राप्त करने में भारत सक्षम होगा, कोई भी देश को कमजोर नहीं कर सकेगा ना ही कोई हमारे उपर दबाव बना सकेगा यही आज की जरूरत है। ●

(यह लेख लेखक की अंतिम लेख है। पिछले मार्च महीने में उनका निधन हो गया। वह बी. एस.एफ. के पूर्व अधिकारी थे। पत्रिका परिवार उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करती है)

सांसद खेल महोत्सच के बाद सांस्कृतिक महोत्सव की तैयारी जोरों पर

रांची सांसद संजय सेठ ले रहे बढ़-चढ़कर हिस्सा

● गुड्डी साव

25 अगस्त 1959 को रांची में जन्में संजय सेठ रांची लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद हैं। विधि स्नातक और इंडस्ट्रियल एडमिनिस्ट्रेशन में पीजी डिप्लोमा करने वाले सेठ झारखंड के खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड के पूर्व चेयरमैन भी रह चुके हैं। संजय सेठ बीजेपी युवा मोर्चा में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और 2019 में पहली बार संसद सदस्य बने। इसके साथ ही जुलाई 2019 से ओबीसी कल्याण समिति के वह सदस्य भी हैं। कई दशकों से है राजनीति में सक्रिय संजय संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थाई समिति के भी सदस्य हैं। राजनीति में आने के प्रश्न के जवाब पर सांसद संजय सेठ जी ने कहा 73 से 74 में हम सभी स्कूल के छात्र होते थे और स्कूल के छात्र होने के कारण समाज पर हमेशा नजर रहती थी और उस समय लोकनायक जयप्रकाश आंदोलन, जिन्होंने संपूर्ण क्रांति का नारा दिया कि भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए। संपूर्ण क्रांति का जो नारा है धरातल पर उतरना चाहिए, तो हम सब भी प्रभावित हुए कि देश को आगे बढ़ाना है। भ्रष्टाचार को खत्म करना है। इसके बाद हम सब आंदोलन में कूद गए। आंदोलन में कूदने के बाद घर-घर पर्चा बांटना, शाम को घंटा घड़ियाल बजाना, जागरण करना और सरकारी कार्यो का घेराव करते थे। जब स्कूल से लौटते थे, तभी इन कार्यक्रम में लग जाते थे। उसके उपरांत स्कूल भी बंद करना पड़ा। आंदोलन था समाज के लिए, देश के लिए कुछ करने का। वहीं से मेरी राजनीतिक शुरुआत हुई। स्पष्ट रूप में उन्होंने कहा कि राजनीति में बहुत बड़ी इच्छा थी मेरी की आकाशवाणी से दूरदर्शन से टीवी समाचारों में हम यह सुने कि देश के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने कुछ कहा। अटल बिहारी वाजपेई जी को सुनने के लिए हम रांची से पटना चले जाते थे। अटल बिहारी वाजपेई जी का जो संकल्प था देश को बदलने का, तो इसके लिए हम सब साथ थे। जिसकी वजह से सब साथ में नारा लगाते थे। नारा था-'अटल आडवाणी कमल निशान, मांग रहा है हिंदुस्तान'। उस नारे से हम सब आगे बढ़ते गए और हमने देखा कि अटल बिहारी वाजपेई जी देश के प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री बनने के बाद देश की तरक्की भी दिखाई दी। इसी तरह हमारा पॉलीटिक्स चलता रहा। लॉ की पढ़ाई की और प्रैक्टिस करने की भी इच्छा जागी, मगर व्यापार और राजनीति के कारण पूरी नहीं हो पाई। व्यवसाय की पढ़ाई करने के बाद बहुत से जगह पर नौकरी लगी। कई बड़ी कंपनी, बैंकों के साथ ही वायु सेना में भी नौकरी लगी, मगर फिर राजनीति के चक्कर में नौकरी नहीं की। अपने व्यवसाय व्यापार से जुड़ गए। समय-समय पर पार्किंग का काम करना, समाज सेवा करना, साथ ही भारतीय

जनता पार्टी के विचारधारा को आगे बढ़ाते चले गए। अपना व्यवसाय चलाना, परिवार चलाना, सामाजिक स्तर पर सामाजिक कार्य करना, अपनी कोई इच्छा नहीं थी। पार्टी का आदेश था कि एमपी एमएलए बनना टेंपरेरी फेस होता है। सबसे बड़ा फेस होता है समाज में आपकी पहचान आप समाज में क्या काम कर रहे हैं, तो देश और समाज के लिए कुछ कर गुजरना यही सोच है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में उन्होंने कहा कि दूसरे ना राम पैदा हुए ना दूसरे कृष्ण जन्मे हैं। दूसरे शिवाजी ना, महाराणा प्रताप ना दूसरे बिरसा मुंडा पैदा हुए। जितने महान लोग थे इसी तरह दूसरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी पैदा नहीं होंगे। क्योंकि 75 साल की आजादी में जो विकास की किरने गांव-गांव घर-घर पंचायत तक पहुंची हमने जीवन में नहीं देखा। 300 योजनाएं धरातल में उतरी, यह किसी ने नहीं सोचा था। इतनी बड़े कोरोना काल के बाद भी देश पटरी पर आई। प्रधानमंत्री जी की मेहनत देखकर हमें प्रेरणा मिलती है। उसी प्रेरणा स्त्रोत को हम चाहते हैं कि देश के लिए उनकी प्रेरणा से कुछ अंश अपने क्षेत्र में घूम घूमकर गरीब आम जनता गरीब किसान के लिए कुछ कर जाएं। अपनी जिंदगी में यही हमारी इच्छा है।

वही सांसद श्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की और रांची में लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। प्रधानमंत्री जी को बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता, सांसद खेल महोत्सव, बुक बैंक और टॉय बैंक की पीएम ने तारीफ की। साथ ही सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी। इस मुलाकात के समय में हाल ही में हुए अपनी गतिविधियों से सांसद ने पीएम को अवगत कराया चर्चा से पहले सांसद ने परीक्षा पर हुए ड्राइंग प्रतियोगिता से अवगत कराते हुए पुरस्कृत पेंटिंग्स को पीएम के सामने समर्पित किया बच्चों के द्वारा किए गए पेंटिंग की खूब तारीफ की प्रधानमंत्री ने सांसद संजय सेठ को प्रधानमंत्री ने इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

सांसद खेल महोत्सव जो कि हाल ही में की गई इसकी जानकारी सेठ ने प्रधानमंत्री को दी इससे संबंधित बुकलेट भेंट की प्रधानमंत्री को बताया कि 5000 से अधिक खिलाड़ियों ने इस खेल में भाग लिया सांसद खेल महोत्सव के सफलतम आयोजन के लिए प्रधानमंत्री ने संजय सेठ को बधाई और धन्यवाद दिया साथ ही सेठ ने होली मिलन समारोह में हुए कार्यक्रम को लेकर भी जानकारी दी प्रधानमंत्री को उन्होंने बताया कि होली के इस मिलन समारोह में मोटे अनाज से पकवान बनाए गए क्योंकि छोटे किसानों और उनकी उपज के साथ अन्न के प्रति लोगों की जागरूकता और बढे। मई महीने के पहले सप्ताह 5, 6 और 7 को जो सांसद सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित होने वाले हैं इसके बारे में भी उन्होंने प्रधानमंत्री को जानकारी दी और बताया कि रांची की लोकसभा क्षेत्र के कलाकारों के मोटिवेशन और प्रमोशन के उद्देश्य से यह महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। श्री संजय सेठ ने प्रधानमंत्री से कहा कि रांची में बुक बैंक से 3 लाख 20 हजार से अधिक पुस्तकें विद्यार्थियों के बीच बांटी जा चुकी है प्रधानमंत्री के सुझाव पर शुरू किए गए टॉय बैंक की प्रगति के बारे में भी सांसद ने प्रधानमंत्री को दी जानकारी और कहा कि अब तक बैंक के माध्यम से 47 हजार से अधिक खिलौने विभिन्न आंगनबाड़ी के बच्चों के बीच बांटा जा चुका है। संजय सेठ ने बताया कि प्रधानमंत्री ने रांची लोकसभा क्षेत्र में चल रही सामाजिक गतिविधियों की तारीफ की है और लोकसभा क्षेत्र के लिए शुभकामनाएं भी दी। सांसद सेठ ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज अपनी की गई गतिविधियों को माननीय प्रधानमंत्री के सामने रखने का अवसर मिला समाज के हित के लिए मेरी गतिविधियां आगे भी इसी तरह होगी और इस कार्य के लिए प्रधानमंत्री से भी आशीर्वाद प्राप्त हुई है उनसे मुलाकात करने के बाद उत्साह और नई ऊर्जा भी मिली है।

12 मार्च को हुंडरू वॉटरफॉल में दुर्घटना के दौरान पर्यटक मित्रों ने बचाई थी एक परिवार की जान जो कि हजारीबाग के रहने वाले हैं सांसद संजय सेठ ने अपने कार्यालय जो रांची अरगोड़ा में स्थित है वहां बुलाकर उन सारे पर्यटक मित्रों को सम्मानित किया और सभी को प्रशस्ति पत्र दिया और उसके बाद राज्यसभा के पूर्व सांसद श्री महेश पोद्दार के द्वारा भेजे गए 25000 का चेक पुरस्कार के रूप में उन्हें दिया। ट्राफिक समस्या को लेकर रातू रोड को निजात दिलाने की पहल की सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 23 मार्च को रांची के विधानसभा मैदान में 9400 करोड़ की 21 सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर सांसद संजय सेठ ने कहा कि रांची की सबसे व्यस्त सड़क माने जाने वाले रातू रोड को ट्राफिक की परेशानी से निजात दिलाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा वहां की एलिवेटेड रोड शुरू हो चुकी है हमें उम्मीद है कि अगले 1 साल मैं नितिन गडकरी जी के हाथों इस सड़क का उद्घाटन किया जाएगा। ●

कोल इंडिया फुल मैराथन में अर्जुन टूटी बने चैम्पियन

खेल को बढ़ावा देने में कोल इंडिया रहा है हमेशा से आगे

● **गुड्डी साव**

कोल इंडिया सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड वर्ष 1987 में स्थापित अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएसएससीबी) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/ स्वायत्त सरकारी निकायों के बीच खेल गतिविधियों के संचालन के लिए शीर्ष निकाय है। इसके अलावा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है सदस्य संगठन प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम जैसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण आयल इंडिया भारतीय खाद्य निगम भारतीय जीवन बीमा निगम बीएसएनएल एयर इंडिया केनरा बैंक भारतीय रिजर्व बैंक आदि जो सक्रिय रूप से खेलों को बढ़ावा देते हैं ए आई पी एस एस सी बी के सदस्य हैं वर्तमान में 25 संगठन बोर्ड के सक्रिय सदस्य है श्री प्रमोद अग्रवाल आई ए एस सीएमडी कोल इंडिया लिमिटेड वर्तमान में अध्यक्ष है श्री विनायक रंजन निदेशक कार्मिक सीआई एल कार्यकारी उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक एच आर एएआई श्री ज्ञान बन्ना बोर्ड के महासचिव है बोर्ड ने अपने सदस्य संगठनों के माध्यम से देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया है।

एआईपीएसएससीबी देश के विभिन्न स्थानों पर एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, गोलफ, हाकी, कबड्डी, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल जैसे विभिन्न खेल विषयों में टूर्नामेंट आयोजित करता है यह कार्यक्रम हर साल बोर्ड की वार्षिक आम बैठक में तय किए गए कैलेंडर के आधार पर आयोजित किया जाता है बढ़ी हुई भागीदारी और प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए टूर्नामेंटों की योजना बनाई गई।

✯ **कोल इंडिया सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की खेल गतिविधियां :-** खेलों को बढ़ावा देने के लिए कोल इंडिया हमेशा आगे आई है 26-03-2023 को सीआईएल रांची पुरुषों और महिलाओं के लिये कोल इंडिया मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें फूल मैराथन(42.195 किमी) 21.098 किमी और 10 किमी दौड़ में पहले सात स्थान धारकों को पुरस्कार राशि दी जाने की घोषणा की कुल पुरस्कार राशि 29.70 लाख रुपए रखी गई। ज्ञात हो कि एमएस धोनी पूर्व कप्तान टीम इंडिया ने 1997-2001 की अवधि के दौरान सीसीएल का प्रतिनिधित्व किया था वह उन वर्षो के दौरान अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र क्रिकेट टूर्नामेंट में सीआईएल क्रिकेट टीम का भी हिस्सा थे कोलकाता में आयोजित पिछली कार्यकारी बोर्ड की बैठक में 2022-23 के दौरान सदस्य पीएसयू की सहायता से सभी कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया था तदनुसार कोल इंडिया लिमिटेड को एआइपीएस क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई जो सीआईएल के तत्वावधान में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा रांची में 13 से 18 मार्च 2023 तक आयोजित हुआ। मैसर्स स्पोर्ट्स ऊडल्स लिमिटेड, जिसे अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए विशेष विपणन और प्रसारण अधिकार दिए गए पीएसयू के इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 13 टीमों ने भाग लिया।

✯ **पीएसयू के क्रिकेटर टूर्नामेंट में भाग लेने वाले मेंबर के नाम :-**

☞ भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
☞ एयर इंडिया
☞ बैंक ऑफ बड़ौदा
☞ भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लि०
☞ भारत संचार निगम लिमिटेड
☞ न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
☞ नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन
☞ कोल इंडिया लि०
☞ मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड
☞ मेकॉन
☞ महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड
☞ कर्मचारी भविष्य निधि संगठन
☞ भारतीय रिजर्व बैंक

✯ **मैच का आयोजन मेकॉन स्टेडियम और उषा मार्टिन विश्वविद्यालय रांची में किया गया :-** एआइपीएस क्रिकेट टूर्नामेंट देश के उन प्रमुख खिलाड़ियों की भागीदारी को आकर्षित करता है जो विभिन्न सदस्य संगठनों द्वारा नियोजित उनकी छात्रवृत्ति अनुबंध योजनाओं के तहत पदोन्नत होते हैं अतीत में एम.एस. धोनी, वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, युवराज सिंह, सुरेश रैना, रोहित शर्मा, इशांत शर्मा, अजय जडेजा, राजेश चौहान, नरेंद्र हिरवानी, पवन कुमार, मुनाफ पटेल, वसीम जफर, अभिजीत काले, ऋषि धवन और कई अन्य अपने नियोक्ता संगठनों का प्रतिनिधित्व किया है इसके अलावा आगामी क्रिकेटर जो सदस्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ रोजगार छात्रवृत्ति अनुबंध के माध्यम से जुड़े हुए हैं उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने के दौरान बहुत आवश्यक प्लेटफार्म मिलता है और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच

मिलता है।

✯ कोल इंडिया द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन :- 13 मार्च को अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मेकॉन स्टेडियम में हुआ सीसीएल के निदेशक (कार्मिक)हर्ष.नाथ विश्व ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया उधर उषा मार्टिन ग्राउंड में भी दो मैच खेले गए। बैंक ऑफ बड़ौदा की टीम ने सीसीएल द्वारा मेकॉन स्टेडियम मे आयोजित ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। खेले गए खिताबी मुकाबले में बैंक ऑफ बड़ौदा की टीम ने एयर इंडिया को 3 विकेट से हराकर ट्रॉफी हासिल की।

✯ मैराथन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे कई एथलीटी :- कोल इंडिया फुल मैराथन में अर्जुन टूटी बने चौंपियन जो कि झारखंड के रहने वाले हैं मैराथन का आयोजन पहली बार सीसीएल की मेजबानी में 26 मार्च 2023 को रांची में कोल इंडिया द्वारा किया गया अर्जुन टूटी ने 42.19 किमी० की दौड़ 2:25:54 सेकंड में पूरी की। अर्जुन टूटी जो कि जमशेदपुर निवासी है उन्होंने पहले भी कई राष्ट्रीय पदक पर जीत हासिल कर चुके हैं। 3 लाख की इनामी राशि अर्जुन टूटी को पहला स्थान की जीत पर दिया गया दूसरे स्थान पर रहे अनिल कुमार सिंह और तीसरा स्थान अनिल कुलदीप ने हासिल किया। हरियाणा की सोनिका जो कि महिला वर्ग की उन्होंने 2.45.08 सेकंड में दौड़ पूरी की और ला स्थान प्राप्त की दूसरे स्थान पर तामसी सीह और तीसरे स्थान पर निरमा बेन बी ठाकुर रही। हाफ मैराथन(21 किमी) की दौड़ मे पुरुष वर्ग के प्रिंस कुमार, मोहम्मद नूर हसन और रंजीत कुमार विजेता बने और महिलाओं में उत्तर प्रदेश की रीमा पटेल ,नीतू कुमारी उत्तर प्रदेश की और पूनम दिनकर महाराष्ट्र की विजेता हुई। 10 किलोमीटर की दौड़ पर स्थान प्राप्त करने वाले को नगद के रूप में पुरस्कार दिया गया विजेताओं को सम्मानित करने के दौरान पूर्व ओलंपियन पद्मश्री ज्योतिर्मय सिकदर, पद्मश्री शाइनी विलियम, सीसीएल सीएमडी पीएम प्रसाद, कार्मिक निदेशक हर्ष नाथ मिश्र, पूर्व सीएमडी गोपाल सिंह, सीएमपीडीआई सीएमडी मनोज कुमार मौजूद थे।

✯ 5000 से अधिक धावकों ने इस मैराथन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया :- फुल मैराथन में पहला स्थान हासिल करने वाले को 3 लाख, दूसरे को 2 लाख, तीसरे को 1 लाख , चौथे को 60 हजार, पांचवे को 40 हजार, छठे को 30 हजार और सातवां स्थान प्राप्त करने वाले को 20 हजार पुरस्कार में दिया गया। हाफ मैराथन मे पहले स्थान पर जो रहे, उन्हें 2 लाख दूसरे को एक लाख से तीसरे को 50 हजार, चौथे को 40 हजार ,पांचवे को 30 हजार , छठे को 20 हजार और सातवें को 10 हजार के रूप में पुरस्कृत किया गया इस तरह और खिलाड़ियों को भी राशि के साथ पुरस्कृत किया गया कुल मिलाकर 29.7 लाख रूपए इनामी राशि धावकों के बीच बांटी गई।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के दरभंगा हाउस में सीएमडी श्री पीएम प्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन में वित्तीय वर्ष 2022-23 के गतिविधियों के बारे में दी जानकारी साथ ही बी साई राम, पंकज कुमार, आर बी प्रसाद, हर्ष नाथ मिश्र, पवन कुमार मिश्रा भी मौजूद थे सीसीएल के सीएमडी ने जानकारी दी कि सीएसआर पर 26 करोड़ रुपये इस वित्तीय वर्ष 2022-23 में कोयले का उत्पादन किया गया यह सीसीएल ने अब तक सबसे अधिक उत्पादन में रिकॉर्ड टारगेट हासिल किया है 76.09 मिलियन टन कोयले का उत्पादन 2022-23 मे राज्य सरकार ग्रामीणों के सहयोग से हुआ है यह लक्ष्य पिछले वर्ष 68.85 एमटी था पिछले वर्ष की तुलना में 11 फीसदी उत्पादन इस वर्ष अधिक हुआ है आने वाले वर्ष में 84 मिलीयन टन कोयला का उत्पादन का लक्ष्य है सीएमडी ने कहा कि सीएसआर अवार्ड के लिए 26 करोड रुपए खर्च इस वर्ष में किए गए पिछले 2020 में सीसीएल को सीएसआर अवार्ड मिला था आने वाले समय में सीएसआर के जरिए रांची यूनिवर्सिटी कैंपस में 65.25 करोड़ की लागत से 5000 सीटों वाली एक लाइब्रेरी तैयार की जाएगी उन्होंने बताया कि अब तक रजरप्पा पूर्णाडीह के साथ कुछ माइंस में स्टेज-1 क्लीयरेंस ही मिला है जिसे लेकर तीन-चार माइंस में परेशानी आ रही है एथलीट अंजलि उरांव के मौत के मामले में भी सीएमडी ने कहा कि इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार हो रहा है। ●

उपचुनाव में हुए शानदार जीत के बाद एनडीए कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

● भारती मिश्रा

रामगढ़ उप चुनाव 2023 में एनडीए की शानदार जीत। झारखंड में महागठबंधन के विजय रथ को रोकते हुए आजसू प्रत्याशी सुनीता चौधरी ने शानदार जीत हासिल की उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महत्व को 21644 मतों से पराजित करते हुए वर्ष 2019 में मिली हार का बदला पूरा किया। वर्ष 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी ममता देवी ने सुनीता चौधरी को 28518 मतों से पराजित किया था। रामगढ़ के उपचुनाव में हुए शानदार जीत के बाद एनडीए कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है वह इस चुनाव को वर्ष 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव मैं अपने पार्टी के जीत आगाज के रूप में देख रहे हैं तो वही झारखंड में कांग्रेस पार्टी में अंतर कलह की स्थिति बनी हुई है

कांग्रेस विधायक ममता देवी शहीद 13 लोगों को 2016 में हुए गोला गोली कांड के मामले में न्यायालय द्वारा दोषी करार दिए जाने के बाद उनकी सदस्यता समाप्त हो गई थी। 20 अगस्त 2016 को रामगढ़ के गोला थाना क्षेत्र में आईपीएल कंपनी को बंद कराने की मांग को लेकर ममता देवी के नेतृत्व में नागरिक चेतना मंच की ओर से आईपीएल कार्यालय के बाहर धरना दिया जा रहा था इसी दौरान ग्रामीणों के उग्र हो जाने के कारण पुलिस को आत्मरक्षा में फायरिंग करनी पड़ी थी। इस घटना में कुछ लोगों की मौत और 24 लोग घायल हो गए थे। तत्कालीन बीडीओ एवं आईपीएल कंपनी के प्रबंधन के शिकायत पर ने ममता देवी सहित 200 ग्रामीणों पर कर्मचारियों के साथ मारपीट करने एवं सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के आरोप में रजरप्पा थाना में कांड संख्या 79/2016 एवं गोला थाना में कांड संख्या 65/2016 दर्ज कराई गई थी। इस मामले में न्यायालय ने ममता देवी सहित अन्य 12 लोगों को दोषी करार देते हुए 5 साल की सजा एवं 10000 रूपये का जुर्माना भी लगाया था, जिसके चलते ममता देवी की विधायकी चली गई।

ममता देवी की विधायकी रद्द होने के बाद रामगढ़ में हुए उपचुनाव में कुल 18 प्रत्याशी चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाने उतरे थे लेकिन असली टक्कर यूपीए एवं एनडीए के बीच थी जहां यूपीए ने अपने प्रत्याशी के रूप में कांग्रेस उम्मीदवार ममता देवी के पति बजरंग महतो को खड़ा किया था तो वहीं एनडीए आजसू उम्मीदवार सुनीता चौधरी को खड़ा किया था 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद झारखंड का पांचवा उपचुनाव था। इससे पहले मांडर मधुपुर

दुमका और बेरमो में उप चुनाव हो चुके हैं जिसमें यूपीए ने जीत हासिल की थी इसलिए इस बार भी यूपीए को जीत की पूरी उम्मीद थी। यूपीए एवं एनडीए के पार्टी कार्यकर्ताओं ने जनता के मत अपनी और करने के लिए एवं अपनी जीत हासिल करने के लिए चुनाव प्रचार-प्रसार में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी और अपनी पूरी ताकत लगा दी जहां एक ओर यूपीए महागठबंधन के मुख्यमंत्री सहित इनका पूरा कुनबा, सांसद, विधायक एवं कई दिग्गज नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो के पक्ष में में प्रचार किया तो वहीं एनडीए की ओर से भी कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी गई। केंद्रीय मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व उपमुख्यमंत्री, सांसद, विधायक सहित कई दिग्गजों ने भी जीत को हासिल करने के लिए ताकत झोंक दी। जहाँ आजसू प्रत्याशी सुनीता चौधरी ने चुल्हा प्रमुख जैसे कार्यक्रम रखें तो कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो ने भी घर-घर जाकर जनता को अपने पक्ष में करने की पूरी कोशिश की।

27 फरवरी 2023 को हुए रामगढ़ उपचुनाव की 2 मार्च को मतगणना हुई। चुनावी नतीजे पर सबकी नजर थी आखिरकार जनता ने अपना जनादेश सामने आ ही गयी और चुनावी मैदान में उतरे कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो सहित सभी प्रतिद्वंदियों को पछाड़ते हुए आजसू प्रत्याशी सुनीता चौधरी ने 21644 मतों से शानदार जीत हासिल की इसी के साथ 2019 में मिले हार का बदला पूरा किया। गौरतलब हो कि इस उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी सुनीता चौधरी एवं यूपीए प्रत्याशी बजरंग महतो के बीच सीधा मुकाबला था जहां सुनीता चौधरी दूसरी बार किस्मत आजमा रही थी वही बजरंग महतो ने पहली बार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे थे। दोनों में से जो भी विधायक बनते वह पहली बार विधायक बनते।

2000 में झारखंड के अलग राज्य बनने

के बाद से वर्तमान तक का इतिहास देखा जाए तो 2000 में हुए विधानसभा चुनाव में यह सीट सीपीआई के खाते में गई थी और शब्बीर अहमद कुरेशी ने यहां से जीत हासिल की थी लेकिन उनके निधन हो जाने के बाद 2001 में हुए उपचुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने यहां से जीत हासिल की थी। उसके बाद 2005 से 2019 तक यह सीट आजसू के कब्जे में रही। आजसु के नेता चंद्र प्रकाश चौधरी यहां से विजय हासिल करते रहे। 2019 में वे गिरिडीह के सांसद चुने गए तो इस सीट पर कांग्रेस में कब्जा जमाया।

रामगढ़ में मिली जीत के बाद एनडीए कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर एनडीए इस जीत को झारखंड में 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी जीत का आगाज बता रही है। जीत से उत्साहित आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि रामगढ़ उपचुनाव का परिणाम दरअसल प्रत्यक्ष रूप से सरकार और उनके निर्णयों का मुंहतोड़ जवाब है उन्होंने कहा कि यह जनता से किए गए छलका जवाब है। सुदेश महतो ने यह भी कहा कि निश्चित रूप से साथ में लड़ने का फायदा मिला है और यह जीत 2024 में होने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का प्रतिबिंब है। वही बाबूलाल मरांडी ने कहा कि रामगढ़ की जनता ने विकास और विश्वास पर मोहर लगाई है। यह स्पष्ट जनादेश है कि हेमंत सोरेन सरकार में लूट और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता में रोष है। उन्होंने कहा कि सरकार अब नियोजन नीति और बेरोजगारी के मुद्दे से जनता को और बेवकूफ नहीं बना सकती। वहीं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि रामगढ़ उपचुनाव में अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत है उन्होंने कहा कि उन लोगों की हार है जो विकास विरोधी है उन्होंने कहा कि जनता ने झामुमो,

कांग्रेस और आरजेडी के महागठबंधन की अराजकता को करारी जवाब दी है उन्होंने यह भी कहा कि यह हेमंत सोरेन के सरकार की ताबूत में आखिरी कील के समान साबित होगी। दीपक प्रकाश ने यह भी कहा कि रामगढ़ मुख्यमंत्री का गृह जिला है उन्हें यहां मिली हार से सबक लेना चाहिए। वहीं बीजेपी विधायक के.सी.पी. सिंह ने कहा कि पूर्वोत्तर के तीनों राज्यों में भाजपा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस की स्थिति को देखकर लगता है कि अब देश कांग्रेस मुक्त हो रहा है। उन्होंने ने यह भी कहा कि राज्य में 1932 आधारित खतियानी जोहार यात्रा को जनता ने सिरे से नकार दिया। जनता अब समझती है कि वर्तमान में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकार जनता को सिर्फ गुमराह करने का काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव के जीत का असर 2024 में होने वाले लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव परिणाम पर ही पड़ेंगे। एनडीए में जीत की खुशी है तो वहीं दूसरी तरफ झारखंड में कांग्रेस में अंतर कलह की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेस से निकासित पूर्व प्रवक्ता आलोक दुबे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहां की कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर को हार की जिम्मेदारी लेते हुए पार्टी से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा हम लोगों ने पार्टी के आलाकमान से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर को हटाने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हार की जिम्मेदारी से बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री धन्यवाद के पात्र हैं उन्होंने उपचुनाव में पार्टी की जीत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी उन्होंने 4 दिन तक मैदान में अथक प्रचार-प्रसार किया शुरुआत में पार्टी की स्थिति सम्मानजनक बनी हुई थी जहां मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार प्रसार में अपना योगदान दे रहे थे वही राजेश ठाकुर क्लब में बैठकर मंथन करने में व्यस्त थे। लाल नाथ सहदेव ने कहा कि राजेश ठाकुर अपनी कुर्सी बचाने के लिए कार्यकर्ताओं को रायपुर भेज दिया। कांग्रेस के निलंबित विधायक इरफान अंसारी ने भी रामगढ़ उपचुनाव में हार पर पत्रकारों को अपनी प्रतिक्रिया दी उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों ने पार्टी को अपना मत नहीं दिया यह चिंतन करने का विषय है। एक और हमारे नेता भारत जोड़ो यात्रा करने में लगे हैं तो वही झारखंड में कांग्रेस में बिखराव दिख रहा है।

रामगढ़ में उपचुनाव में मिली हार के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह सब धनबल का खेल है। उन्होंने अपने संवाद में स्पष्ट संकेत दिया कि अभी तो सरकार में ठीक से काम करना शुरू भी नहीं किया है यह तो शुरुआती मैच है इस हार से सीख लेते हुए आगामी चुनाव मैं जीत के लिए सरकार तेजी से कार्य करेगी। ●

जमशेदपुर में बनेगा नया श्मशान घाट

● **तारकेश्वर गुप्ता**

जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की अनुशंसा पर सालगाझुरी स्थित श्मशान घाट में 15वें वित्त आयोग के मद से 2 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से गैस से संचालित होने वाली शवदाह गृह का निर्माण किया जाएगा । इस योजना का शिलान्यास विधायक सरयू राय ने जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो के प्रतिनिधि संजीव कुमार, जमशेदपुर अक्षेस के सहायक अभियंता संजय सिंह, कनीय अभियंता नीतेश कुमार की मौजूदगी में किया. इस मौके पर विधायक सरयू राय ने कहा कि श्मशान घाट में गैस से संचालित होने वाली फनेस स्थापित की जाएगी, जिससे प्रदूषण फैलने का स्तर काफी कम होगा .इसके अलावा प्रतीक्षा के लिए हॉल , शवदाह गृह के कर्मचारियों के लिए कमरा सहित अन्य सुविधा युक्त शवदाह गृह का निर्माण किया जाएगा। विधायक श्री सरयू राय ने कहा कि शवदाह गृह में इन सुविधाओं के स्थापित हो जाने से जेम्को, लक्ष्मीनगर, सालगाझुरी, टेल्को, गोविंदपुर, परसुडीह मकददमपुर, सहित पूरे जमशेदपुर के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। विधायक श्री सरयू राय ने संबोधित करते हुए बताया कि श्मशान घाट के आसपास के क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र जमशेदपुर के अंतर्गत होते हुए भी शहर से बाहर है क्षेत्र का विकास नहीं हो पाया। यह क्षेत्र प्रकित से जुड़ा हुआ क्षेत्र है इसको विकसित कर इसे बहुत ही सुंदर रूप दिया जा सकता है क्षेत्र को रूप दिया जाएगा। जहां लोग अपना समय व्यतीत करने आएंगे और शांति की अनुभूति करेंगे इस मौके पर मुख्य रूप से विधायक जन सुविधा प्रतिनिधि हरे राम सिंह, निजी सचिव सुधीर सिंह, श्मशान घाट काली मंदिर कमेटी के प्रदिप गुहा, जिला परिषद सदस्य कविता परमार, भाजमो युवा मोर्चा के अध्यक्ष अमित शर्मा, लक्ष्मी नगर मंडल के अध्यक्ष विनोद राय, नवीन कुमार आदि मौजूद थे। ●

नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम का आयोजन

● गुड्डी साव

राँची नगर निगम कार्यालय रांची में यूरोपीय संघ अंतरराष्ट्रीय शहरी और क्षेत्रीय सहयोग कार्यक्रम (European Union international urban and regional cooperation programme) के तहत रांची एवं इटली के एक शहर रेजियो एमिलिया डीएस सीएचपी सहयोग सतत शहरी विकास उद्घाटन कार्यक्रम (reggion emilia ds chp coopration sustainable urban development inauguration program) की शुरुआत हो चुकी है, जिसमें दोनों शहरों को मिलकर रांची शहर में नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इटली के रेजियो इमिलिया की माननीय उप महापौर कार्लोटा बानविसिनी द्वारा अपने दो सहयोगियों के साथ दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 05/04/2023 को रांची नगर निगम का भ्रमण किया। सर्वप्रथम रांची नगर निगम की माननीय महापौर डॉ० आशा लकड़ा, माननीय उप महापौर श्री संजीव विजयवर्गीय एवं नगर आयुक्त श्री शशी रंजन के द्वारा पुष्पगुच्छ एवं मोमेंटो भेंटकर उनका स्वागत किया गया। मौके पर अपर नगर आयुक्त श्री कुंवर सिंह पाहन, सहायक नगर आयुक्त श्री ज्योति कुमार सिंह, निगम के अभियंता गगन, नगर प्रबंधक एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे। मौके पर माननीय महापौर द्वारा रेजियो इमिलिया के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा गया कि यह रांची शहर के लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है कि रेजियो इमिलिया एवं रांची दोनों शहर मिलकर रांची शहर में नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश के माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्मार्ट सिटी का कांसेप्ट वर्ष 2014 में लाया था, आज देश में बस दो ग्रीन फील्ड स्मार्ट सिटी महाराष्ट्र के

औरंगाबाद एवं झारखंड के रांची ही है। कारलोटा बानविसिनी अपने दो सहयोगियों के साथ रांची में निर्माणाधीन रांची स्मार्ट सिटी की विशेषता और उसके महत्वपूर्ण पहलुओं को बारीकी से जाना। उनके द्वारा रांची नगर निगम के विभिन्न पहलुओं से प्रतिनिधिमंडल अवगत हुए। उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि रांची नगर निगम जनता से जुड़े विकास के कार्यों को धरातल पर उतारता है तथा सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराता है। आज नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने एवं रांची शहर में साइकिल ट्रैक डेवलपमेंट के लिए नॉलेज शेयरिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि रांची नगर निगम शहरी सतत विकास को प्राथमिकता देती आई है और उम्मीद है कि रेजियो इमिलिया के दृष्टिकोण से रांची में नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा दिया जा सके। रेजियो इमिलिया के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए नगर आयुक्त महोदय ने कहा कि रांची नगर निगम शहर के लोगों के लिए Ease of Living को बढ़ावा देते आया है। इस कॉर्पोरेशन प्रोग्राम के तहत नॉन मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के साथ-साथ बाइसिकल ट्रैक डेवलप करने का काम किया जाएगा। रेजियो इमिलिया के सहयोग एवं विजन से रांची नगर निगम बाइसिकल ट्रैक करने का काम करेगा। रेजियो इमिलिया द्वारा दिए गए जो पॉलिसी हमारे शहर के लिए अनुकूल होगी, उसे हम अपनाएंगे।

नगर निगम का बजट पेश करने के दौरान मेयर आशा लकड़ा ने कहा कि रांची नगर क्षेत्र के लिए कुल मिलाकर 2023-24 का 2801 करोड़ का बजट है। उसमें कुल मिलाकर रांची नगर निगम का जो आय का स्रोत है, उसमें से कुछ मिला करके 284 करोड़ है। राज्य सरकार और केंद्र सरकार की राशि की बात करें जो हमें प्राप्त हुआ है वह 1662 करोड़ है। उसमें से हमने कुल मिलाकर पूरे शहर में हॉस्पिटल के लिए, स्कूल के लिए, फायर सर्विस, पानी सप्लाई के लिए, पानी की बोरिंग के लिए, रोड निर्माण के लिए, वायु प्रदूषण रोकने के लिए इस तरह के कई कार्य हमने कुल मिलाकर रांची नगर निगम को लाभ पहुंचाने के लिए 2801 करोड़ का बजट पारित किया है, ताकि जनता और समाज के हित में हो।●

जिस शिवसेना की शिंदे ने पूरी पिक्चर बदल दी, उसके साथ अब उद्धव ठाकरे क्या करेंगे?

● नवीन रांगियाल

किसी जमाने में बाल ठाकरे भाजपा को 'कमलाबाई' कहते थे, फिर भी उन्होंने भाजपा को अपने साथ बनाए रखा क्योंकि उनकी राजनीति अलग थी। वे हमेशा पद से दूर रहे, लेकिन उद्धव ठाकरे अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए कुछ समय के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तो बन गए, लेकिन वे वर्षों पुरानी सहयोगी भाजपा को तो छोड़िए अपनी शिवसेना को भी नहीं बचा पाए। बाल ठाकरे के समय मुंबई और ज्यादातर महाराष्ट्र की राजनीति 'मातोश्री' से ही चलती रही है। मुंबई में रहने वाले जानते हैं कि यहां 'मातोश्री' और सीएमओ में ज्यादा फर्क नहीं है। जब राज्य में शिवसेना की सरकार हुआ करती थी, तब तो मातोश्री का रुतबा सीएमओ से भी ज्यादा हुआ करता था। ऐसे में जब असंतुष्ट विधायक एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से बगावत की तो यह एक तरह से ठाकरे परिवार को ही चुनौती देने जैसा था। हालांकि यह पहली बार नहीं था, जब महाराष्ट्र के सबसे बड़े राजनीतिक दल शिवसेना में टूट हुई हो। इसके पहले छगन भुजबल और नारायण राणे के जाने की वजह से भी पार्टी में दरार आ चुकी है। लेकिन तब पार्टी के उन घावों को शिवसेना ने जैसे-तैसे भर दिया था और वो लगभग महाराष्ट्र की राजनीति की पटरी पर बनी रही। इसी बीच, समान विचारधारा की वजह से शिवसेना को भाजपा का साथ भी सहारे की तरह मिलता रहा। लेकिन इस बार बागी एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की पूरी पिक्चर ही बदलकर रख दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ, जब शिवसेना के पैरों के नीचे से जमीन खिसकी हो या ठाकरे परिवार की जड़ें ही हिल गई हों।

एकनाथ शिंदे की यह चुनौती न सिर्फ उद्धव ठाकरे की राजनीति को कांच की तरह तोड़ गई, बल्कि अब तो 'शिवसेना' का नाम और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष और तीर' छिन जाने से 'ठाकरे' होने की ठसक के मायने ही बदलते नजर आ रहे हैं। बता दें कि ठाकरे को बड़ा झटका देते हुए निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को 'शिवसेना' नाम और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष और तीर' आवंटित कर दिया है। राजनीतिक दलों में बगावत और चुनौतियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, जब ठाकरे परिवार ने 1966 में बालासाहेब ठाकरे की बनाई पार्टी से पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया है। यह बालासाहेब ठाकरे का वही उद्धव ठाकरे परिवार है, जिसके बारे में कहा जाता रहा है कि इनकी मर्जी के बगैर मुंबई में पत्ता भी नहीं हिलता है। कुछ समय तक यह कल्पना से भी परे था कि कोई उद्धव ठाकरे (मातोश्री) से शिवसेना का नाम ही छीन ले। या बगावत से एक ऐसी शिवसेना का उदय होगा, जिसमें ठाकरे परिवार का कोई सदस्य शामिल नहीं होगा। सिरे से देखें तो शिवसेना का पतन दशक दर दशक होता रहा है। छगन भुजबल, नारायण राणे और परिवार के ही राज ठाकरे के रूप में पार्टी कमजोर होती रही। अब एकनाथ शिंदे ने उद्धव की राजनीति को बेपटरी करने का काम किया है। एकनाथ शिंदे की इस बगावत से न सिर्फ ठाकरे की राजनीति बल्कि उस 'मातोश्री' की साख को भी धक्का पहुंचा है, जहां हर आम और खास माथा टेकने जाते रहते थे। जाहिर है, अब उद्धव ठाकरे और शिवसेना के उस पुराने वाले हिस्से में बचे नेताओं के राजनीतिक भविष्य की बात होगी। जिसमें खुद उद्धव ठाकरे, संजय राउत और आदित्य ठाकरे और इस कड़ी में शामिल तमाम नेताओं की बात होगी। इस बारे में कहा जा सकता है कि पार्टी का नाम और निशान गंवाकर उद्धव ठाकरे पहले ही बुरी तरह से असफल हो चुके हैं। यह अपने आप में ठाकरे की एक बड़ी विफलता है, क्योंकि महाराष्ट्र में शिवसेना का मतलब ही तीर-कमान रहा है। अब तीर और कमान दोनों शिंदे- सेना के पास चले गए हैं। ऐसे में शिंदे गुट के लिए अब पहचान का संकट नहीं होगा। लेकिन उद्धव ठाकरे को अब नए निशान पर चुनाव लड़ना होगा। जो उद्धव गुट के लिए बहुत भारी पड़ने वाला है। कुल मिलाकर उद्धव ठाकरे गुट के सामने अब तीन तरह की राजनीतिक चुनौतियां होंगी, पहली अपनी खोई हुई पहचान को फिर से हासिल करना, दूसरी अपनी पुरानी शिवसेना से अलग हुए शिंदे गुट से निपटना जो ठाकरे के हर पैंतरे और दाव को जानते हैं। तीसरा उस भाजपा से निपटना जो बीते दिनों महाराष्ट्र में शिवसेना के छोटे भाई के तौर पर रही है और अब केंद्र से लेकर ज्यादातर जगहों पर बहुत मजबूत स्थिति में है। इतना ही नहीं, उद्धव गुट को अब विचारधारा के स्तर पर भी अपनी राह स्पष्ट करना होगी, क्योंकि 'हिन्दुत्व' को अपनी प्रमुख विचारधारा बताकर यहां तक पहुंचने वाली शिवसेना ने पिछले कुछ वक्त से हिंदू सेंटीमेंट्स को बुरी तरह से खफा किया है। चाहे वो उद्धव ठाकरे का 2019 में भाजपा से गठबंधन तोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) और कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार बनाना हो या राज ठकारे और नवनीत राणा जैसे हिन्दुत्व की आवाजों के सामने बैकफुट पर आ जाना हो। अपनी हिन्दुत्व वाली विचारधारा के चलते ही करीब 33 सालों तक शिवसेना और भाजपा का साथ रहा है। एक महाराष्ट्र ही ऐसा राज्य है जहां भाजपा की सहयोगी होने के बावजूद शिवसेना हमेशा बड़े भाई की भूमिका में ही रही। लेकिन अब वही भाजपा उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे के गुट में है। हालांकि फिलहाल शरद पवार की एनसीपी उद्धव गुट के साथ खड़ी नजर आ रही है। लेकिन उद्धव ठाकरे के लिए इतना काफी नहीं होगा। ●

जिनपिंग का तीसरा कार्यकाल

भारत के लिए क्या है मायने?

● विशाल शुक्ला

पिछले कुछ वर्षों से भारत और चीन में प्रतिद्वंद्विता बढ़ी है और दोनों के रिश्ते तनाव भरे रहे हैं। ऐसे में शी जिनपिंग के तीसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भारत के लिए इसके क्या मायने हैं? चीनी नेता शी जिनपिंग लगातार तीसरी बार देश के राष्ट्रपति बने हैं। शुक्रवार को चीनी संसद नेशनल पीपल्स कांग्रेस (NPC) के लगभग 3,000 सदस्यों ने वोटिंग की, जिसमें जिनपिंग को 2,952 वोट मिले। चुनाव में 69 साल के जिनपिंग के सामने कोई उम्मीदवार नहीं था। चीन की इस संसद को राष्ट्रपति का रबर स्टांप कहा जाता है, क्योंकि इसके सदस्य सत्ताधारी पार्टी द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। साल 2018 में चीन का संविधान बदलकर किसी नेता के अधिकतम दो बार राष्ट्रपति बनने की सीमा खत्म कर दी गई थी। तब जानकारों ने कहा था कि ऐसा करके असल में जिनपिंग के अनिश्चितकाल तक राष्ट्रपति बने रहने का रास्ता बनाया जा रहा है। अब उनकी तीसरी नियुक्ति चीन के सियासी पटल पर उनकी मजबूत पकड़ दिखाती है। उनके समर्थक उन्हें माओत्से तुंग के बाद चीन का सबसे ताकतवर नेता करार देते हैं। आज चीन के सामने कई चुनौतियां हैं। इनमें 'बेल्ट ऐंड रोड परियोजना' को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारना हो, यूरोप के साथ आर्थिक रिश्ते पहले जैसे मजबूत करने हों या ताइवान जैसे मुद्दे पर अमेरिका के साथ तनाव घटाना हो। पर शी जिनपिंग के तीसरे कार्यकाल के भारत के लिए क्या मायने हैं?

☞ **चौंकाने वाली कोई बात नहीं है :-** इस सवाल के जवाब में किंग्स इंडिया इंस्टीट्यूट में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर हर्ष वी। पंत कहते हैं, 'शी जिनपिंग का तीसरी बार राष्ट्रपति बनना तय था। भारत के लिए इसके यही मायने हैं कि चीन के भारत के प्रति रुख में कोई बड़ी तब्दीली आने की संभावना काफी कम हो जाती है और भारत को इसके लिए तैयार रहना होगा। पिछले कुछ वर्षों में हमने साउथ चाइना सी से लेकर ईस्ट चाइना सी और ताइवान में जो आक्रामक रुख देखा है, वह भी जारी रहेगा। यानी भारत के लिए पड़ोस का इलाका अस्थिर बना रहेगा।' तक्षशिला इंस्टीट्यूट में चाइना स्टडीज के फेलो मनोज केवालरमणि भी कहते हैं कि जिनपिंग के तीसरी बार राष्ट्रपति बनने में कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। वह बताते हैं, 'पिछले साल जब चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस में जिनपिंग का बतौर जनरल सेक्रेटरी तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ, तभी से सबको पता था कि वह राष्ट्रपति की कुर्सी पर बने रहेंगे। जहां तक भारत और भारत-चीन संबंधों पर इसके असर की बात है, तो मौजूदा वक्त में चीन की जो नीति देख रहे हैं, उसमें निरंतरता बनी रहेगी।'

मलाया विश्वविद्यालय के आसियान केंद्र के निदेशक और एशिया-यूरोप संस्थान में अंतरराष्ट्रीय राजनीति के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर राहुल मिश्रा एक दूसरा नजरिया बतलाते हैं। वह कहते हैं, 'यह तो 2018 में ही तय हो गया था कि जिनपिंग फिर राष्ट्रपति बनेंगे। अब शी जिनपिंग जितने वर्षों तक चीन के राष्ट्रपति बने रहते हैं, उनके कार्यकाल में भारत को लेकर चीन की नीतियां निर्णायक होंगी। मैं यह नहीं कहता कि भारत के प्रति चीन की नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। मेरा ख्याल है कि अगर नरेंद्र मोदी 2024 में सत्ता में वापसी करते हैं, तो भारत और चीन का एक-दूसरे के प्रति नजरिया और आग्रह तेजी से बदलेगा।'

☞ **चीन की चुनौतियों से कैसे निपटे भारत :-** भारत-चीन के रिश्तों की व्याख्या करते हुए डॉक्टर मिश्रा कहते हैं, 'भारत-चीन की नीतियों की बात करते हुए मोदी-जिनपिंग का भी जिक्र आता है। ये दोनों ही नेता ऐसे हैं, जो अपने-अपने देशों के इतिहास में बड़ा नाम करना चाहते हैं। दोनों बड़ी लकीर खींचना चाहते हैं और दोनों की नीतियां इसकी गवाही देती हैं। दोनों की नीतियां 'ट्रायल ऐंड एरर्स' की तर्ज पर आगे बढ़ती दिखती हैं, लेकिन दोनों ही नेता हमेशा बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ देश चलाने की कोशिश करते दिखते हैं, जो

एक बड़ा फैक्टर है।' जहां तक भारत के चीन का सामना करने की बात है, तो डॉक्टर मिश्रा बताते हैं, 'भारत की चीन को लेकर नीतियों में बहुत सारे फैक्टर ऐसे हैं, जिन पर भारत का कोई नियंत्रण नहीं है। इसमें सबसे बड़ा फैक्टर जियोग्राफिक लोकेशन है। सेना के किसी अधि कारी या रणनीतिकार से पूछें, तो वह साफ बताएगा कि चीन भारतीय सीमा के आसपास इतना मजबूत है कि इस समीकरण को बदलने के लिए आपको हैवी मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर चाहिए, बहुत सारे हथियार चाहिए और आर्थिक रूप से आगे निकलना होगा। उन्होंने कहा कि नीतियों में परिवर्तन तभी होते हैं, जब किसी देश के पास उस तरह की आर्थिक, सामरिक और गठजोड़ की ताकत हो। भारत इस दिशा में काम कर रहा है। वह अमेरिका से रिश्ते मजबूत कर रहा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने भारत को अपना सबसे बड़ा सामरिक साझेदार करार दिया, जो अपने-आप में बड़ा बयान है। तो भारत अभी त ा` आर्थिक रूप से चीन को पीछे छोड़ने की स्थिति में नहीं है, लेकिन अगर अगले दस साल में यह सूरत बदलती है, तो भारत की नीतियां भी और आक्रामक होंगी।' जहां तक चीन की रक्षा नीतियों का सवाल है, तो इसकी बानगी इस बात से समझी जा सकती है कि चीन के वित्तमंत्री ने इस साल का रक्षा बजट 7।2 फीसदी बढ़ाकर 224 बिलियन डॉलर कर दिया है। दुनियाभर में चीन सैन्य खर्च करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। इस लिस्ट में पहले नंबर पर अमेरिका है।

डॉक्टर मिश्रा कहते हैं, 'जहां तक मजबूत साझेदारियों का मुद्दा है, तो भारत को अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, फ्रांस, ब्रिटेन, कोरिया, रूस, ईरान और आसियान देशों के साथ सामरिक संबंधों में नया आयाम लाना पड़ेगा। अब पाकिस्तान से प्रतिद्वंद्विता के बजाय चीन पर ध्यान देना होगा। ज ै स ा

कि पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक माओ का कथन है- 'आपको पहले अपना घर संभालना होगा।'

☞ **सीमा पर तनाव का भविष्य कैसा दिखता है? :-** पिछले कुछ वर्षों में भारत-चीन सीमा पर विवाद बढ़ा है और हिंसक घटनाएं भी हुईं। इस मुद्दे पर प्रो० पंत कहते हैं, 'भारत के प्रति चीन का आक्रामक रुख बना रहेगा। भारत को पूरी तटस्थता के साथ इस बात के लिए तैयार रहना होगा कि पिछले कुछ वर्षों में सीमावर्ती इलाकों में जो समस्याएं आई हैं, उनमें और तीव्रता आ सकती है। इसकी वजह यह है कि चीन में जिनपिंग का सत्ता का केंद्रीकरण इस समय अपने चरम पर है। ऐसे में वह अपनी विरासत को किसी भी तरह कमजोर नहीं होने देंगे। क्षेत्रीय विवादों पर निगाह डालें, तो चाहे ताइवान हो, साउथ चाइना सी हो या भारत के साथ सीमा पर गतिरोध हो, इन मुद्दों पर जिनपिंग आक्रामकता बनाए रखेंगे और भारत को भी चीन की ओर से किसी बड़े नीतिगत बदलाव की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।' हालांकि, डॉ. मिश्रा बताते हैं, 'अगर हम चीनी मीडिया और उनके सर्च इंजन देखें, तो एक बड़ी चीज निकलकर आती है कि चीन में नरेंद्र मोदी एक अनूठे किरदार माने जाते हैं, जो भारत के पिछले नेताओं से अलग हैं। इसके पीछे सिर्फ पर्सनैलिटी फैक्टर नहीं है, बल्कि कुछ ऐसे समीकरण भी हैं, जिनकी वजह से नरेंद्र मोदी को इतनी ताकत हासिल हुई है। अब चूंकि जिनपिंग के कार्यकाल पर किसी तरह की सीमा नहीं है, तो भारत को लेकर उनकी जो नीतियां होंगी, वे जरूर बदलेंगी और निर्णायक रूप से बदलेंगी।' केवालरमणि एक और नजरिया पेश करते हैं। उनका कहना है, ष्भारत और चीन के बीच जो रिश्ते हैं, चीन उन्हें अमेरिका के साथ अपनी रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चश्मे से देखता है। ऐसे में चीन भारत और अमेरिका की दोस्ती और इंडो-पैसिफिक और साउथ एशिया में भारत के रवैये से संतुष्ट नहीं है। चीन चाहता है कि भारत चीन के नेतृत्व और उसके रुतबे को ध्यान में रखकर अपनी नीतियां बनाए और भारत ऐसे नहीं चल सकता। ऐसे में सीमा पर तनाव बना रहेगा, क्योंकि चीनी सरकार सीमा को एक हथियार की तरह देखती है। चूंकि दोनों देशों में सत्ता का संतुलन बदला है, तो चीनी नेतृत्व भी भारत को आजमा रहा है कि वह भारत पर कहां तक दबाव डाल सकता है।' ज्यादातर जानकार मानते हैं कि ऐसे में चीन की भारत के प्रति नीतियों में बदलाव की अभी कोई वजह नहीं दिखती है। भारत में 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद हालात कुछ और साफ हो सकते हैं। ●

आयुर्वेद हमारी मूल चिकित्सा पद्धति है : राज्यपाल

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विश्व आयुर्वेदिक परिषद् बिहार इकाई द्वारा प्रेमचंद रंगशाला, पटना में बीते 1 अप्रैल को आयोजित पाटलिपुत्र राष्ट्रीय संभाषा (सेमिनार) को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद हमारी मूल चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हमारे ऋषियों-मुनियों की दी हुई चिकित्सा पद्धति है और इसने मानवता की बहुत बड़ी सेवा की है। कोरोना महामारी के दौरान यह चिकित्सा काफी कारगर और असंख्य लोगों की जान बचाने में सफल रही। उन्होंने कहा कि कतिपय कारणों से हमारी सोच में विकृति आने के चलते आयुर्वेद के इस्तेमाल को लेकर समाज में जागरूकता की कमी आई और इसे वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति के रूप में माना जाने लगा है।

राज्यपाल ने कहा कि आयुर्वेद हमारे जीवन, घर और यहाँ तक कि रसोईघर में भी है। उन्होंने

आयुर्वेद में शोध और अनुसंधान पर बल देते हुए आयुर्वेदिक चिकित्सकों से अपनी पद्धति पर पूरा विश्वास रखकर इसके पुर्नस्थापन हेतु संकल्पित होने का आवाहन किया।

राज्यपाल ने अखिल भारतीय आयुर्वेद स्नातक स्तर निबंध एवं श्लोक वाचन प्रतियोगिता-2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। उन्होंने स्मारिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद सिद्धांत के प्रखर विद्वान वैद्य बनवारी लाल गौड़, स्वामी जगद्गुरू रामानुजाचार्य वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज, विश्व आयुर्वेद परिशद् के राष्ट्रीय उपाध्याक्ष एवं अखिल भारतीय आयुर्वेद आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के डीन वैद्य महेश व्यास, विश्व आयुर्वेद परिषद् के राष्ट्रीय सचिव वैद्य शिवादित्य ठाकुर, विश्व आयुर्वेद परिषद् के बिहार प्रान्त इकाई के संरक्षक वैद्य शिवमंगल मिश्र व वैद्य प्रजापति त्रिपाठी, अध्यक्ष वैद्य अशोक कुमार दूबे तथा बिहार के आयुर्वेद महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, आचार्यगण, चिकित्सकगण, छात्र-छात्राएँ एवं अन्य लोग उपस्थित थे।●

जमुई नगर परिषद् अध्यक्ष बेहद लापरवाह

जमुई नगर परिषद् अंतर्गत जय शंकर नगर वार्ड संख्या 24 में सड़क के साथ-साथ लगभग एक वर्ष पूर्व नाला का भी निर्माण हुआ था। नाला का सफाई नहीं होने के कारण नाला का पानी रिसकर एक सप्ताह से सड़क पर बह रहा था। आज दिनांक 12 अप्रैल 2023 को नगर परिषद् की गहरी निंद्रा टूटी फलस्वरूप नाले की सफाई की गयी। नाले की गंभीर अवस्था देख सफाईकर्मियों ने अधकचरा सफाई कर छोड़ दिया है। वहां नाले का टूटा हुआ छड़ को खड़ा कर दिया। नाला सड़क के मध्य में है। अगर सड़क के किनारे परती जमीन नहीं होती, तो लोगों का आना-जाना बंद हो जाता। अगर यथाशीघ्र सुधार नहीं की गई, तो दुर्घटना अवश्यम्भावी है, जिसकी सीधी जिम्मेवारी वर्तमान जमुई नगर परिषद् अध्यक्ष पर होगी। 2022 में इसी स्थल पर बिजली विभाग की लापरवाही से बिजली के करेंट से एक सब्जी बिक्रेता की तत्क्षण मृत्यु हो गयी थी।

जमुई नगर परिषद् के नव निर्वाचित अध्यक्ष वही कर रहे हैं, जो अपेक्षायें थी। इस संबंध में मैने कई बार अध्यक्ष जी को फोन किया फोन नहीं उठाये, फिर मैंने वाटस अप किया, उसका भी कोई जबाब नहीं आया। इसके बारे में नगर उपाध्क्ष जी से मैंने पूछा तो उन्होने उत्तर दिया कि वे कुछ लोगों का छोड़ कर किसी का फोन नहीं उठाते हैं। अगर समाज का काम नहीं करना है, तो इतने बड़े दायित्व के लिए आगे नहीं आना चाहिए।

रिपोर्ट :- प्रो० रामजीवन साहु

पटना मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत टनल खुदाई कार्य का शुभारंभ

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 07 अप्रैल 2023 को मोइन-उल-हक स्टेडियम में पटना मेट्रो रेल परियोजना अंतर्गत टनल बोरिंग मशीन का बटन दबाकर टनल खुदाई कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान पटना मेट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को वृत्तचित्र के माध्यम से निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही मुख्यमंत्री के समक्ष पटना मेट्रो के निर्माण कार्य से संबंधित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो रेल के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया, इस दौरान अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाएं और जल्द से जल्द इसे पूरा करें। पटना मेट्रो रेल का निर्माण कार्य पूर्ण होने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने पटना मेट्रो के प्रतीक चिह्न का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न भेंट किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सह नगर विकास एवं आवास मंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अरुणीश चावला, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी श्री चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राजीव मिश्रा सहित अन्य अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के पश्चात् पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो ट्रेन कई जगहों पर जमीन के ऊपर एवं कहीं पर अंडरग्राउंड चलेगी। यहां पर मेट्रो स्टेशन भी जमीन के अंदर ही बनेगा। यह जब बनकर तैयार हो जायेगा तो काफी बढ़िया दिखेगा। पिछले साल हमलोग यहां आकर अंडरग्राउंड कार्य को शुरु करवाये थे। अब आगे का काम यहां शुरु हो गया है। हम चाहते हैं कि और तेजी से काम हो। दिल्ली में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय मेट्रो का काम शुरु हुआ था। उस समय भी हम वहां के काम को देखे थे। यहां पर मेट्रो का निर्माण वही लोग कर रहे हैं और निर्माण कार्य काफी अच्छे ढंग से हो रहा है। मेट्रो का निर्माण हो जाने से पटना के लोगों को काफी सहूलियत होगी। यहां पर तेजी से काम हो रहा है, उसे देखने के लिए हमलोग यहां आये हैं। जब यह बन जायेगा तो सभी लोग मेट्रो से चलेंगे। हमलोग चाहते हैं कि तेजी से इसका निर्माण हो। इसको लेकर जो कुछ भी जरुरी है हमलोग कर रहे हैं। सभी लोग अच्छा काम कर रहे हैं। पटना में कई जगहों पर मेट्रो निर्माण का काम चल रहा है। जितनी जल्द पटना मेट्रो का निर्माण हो जायेगा उतना ही अच्छा होगा। इसके लिए फंड की कोई कमी नहीं होगी। फंड की व्यवस्था पहले से की हुई है। जायका से 60 प्रतिशत फंड आना है। इसको लेकर एग्रीमेंट हो गया है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जायका से फंड मिल रहा है। सभी लोग मिलकर तेजी से काम कर रहे हैं। इसमें कोई दिक्कत नहीं होगी। जमीन की व्यवस्था राज्य सरकार को करनी है, वह कर दिया गया है। मेट्रो निर्माण को लेकर कहां पर क्या काम होना है वह सब पहले से निर्धारित कर दिया गया है। मेट्रो निर्माण के काम में किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हो, इसको लेकर राज्य सरकार के अधिकारी भी सहयोग कर रहे हैं। पटना मेट्रो निर्माण का सपना जल्द पूरा होगा। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के समय देश में मेट्रो के निर्माण का काम शुरु हुआ था। उसी के आधार पर केंद्र सरकार ने यहां पर मेट्रो निर्माण को लेकर एप्रूवल दिया था और यहां पर काम हो रहा है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जायका के सहयोग से यहां पर मेट्रो का निर्माण हो रहा है। हमलोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द इसका निर्माण हो जाये। इसके लिए जो कुछ भी करना है उसे हमलोग कर रहे हैं।

कोरोना से संबंधित पत्रकारों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की प्रतिदिन की

रिपोर्ट मेरे पास आती है। बिहार में अभी भी कोरोना को लेकर टेस्टिंग प्रतिदिन हो रही है। देश में 10 लाख की आबादी पर कोरोना की औसत जांच 6 लाख के करीब है जबकि बिहार का 8 लाख से ज्यादा है। बिहार में निरंतर काफी जांच की जाती है। कोरोना संक्रमण के कोई मामले सामने नहीं आने के बावजूद कोरोना की जांच लगातार होती रहती है। सभी जगहों पर कोरोना की जांच कराते रहने का हमने पहले से ही निर्देश दिया हुआ है। इधर कोरोना संक्रमण पटना समेत कई जिलों में बढने लगा है। इसको लेकर सभी को अलर्ट रहना है। बिहार में कोरोना संक्रमण के कारण दो लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसको लेकर सरकार की पूरी तैयारी है। किसी को कोई दिक्कत नहीं होगी। बिहार में एक सप्ताह पहले तक कोरोना की वैक्सीन लोगों को लगाई जा रही थी। अभी वैक्सीन खत्म हो गया है जिसके कारण वैक्सीनेशन नहीं हो रहा है। केंद्र सरकार को चाहिए कि वो जल्दी से जल्दी वैक्सीन उपलब्ध कराये ताकि वैक्सीनेशन भी चलता रहे। जितना जल्द वैक्सीन उपलब्ध होगा उतना ही अच्छा होगा। वर्ष 2020 में कोरोना के शुरु से लेकर आजतक की कोरोना की प्रतिदिन की रिपोर्ट मेरे पास है। कोरोना से मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को बिहार सरकार 4 लाख रुपये

देती है। 'जनता के दरबार में मुख्यमंत्री' कार्यक्रम में भी इसको लेकर मामले मेरे पास आते हैं। इसको लेकर जांच करायी गई है जिनको अभी यह सहायता राशि नहीं मिली है उनको भी जल्द मिल जायेगी। ●

दावत-ए-इफ्तार में शामिल हुए मुख्यमंत्री

● **अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार बीते 9 अप्रैल को 10 सर्कुलर रोड में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी एवं उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा आयोजित दावत-ए-इफ्तार में शामिल हुए। मुख्यमंत्री को गुलदस्ता, टोपी एवं साफा भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। इफ्तार के बाद रोजे की नमाज अदा की गई, जिसमें दावत-ए-इफ्तार में शरीक मुख्यमंत्री सहित सभी रोजेदारों ने प्रदेश, समाज और देश में अमन-चौन, शांति एवं भाईचारे का माहौल कायम रहने की दुआ माँगी। इस अवसर पर बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री अवध बिहारी चौधरी, बिहार विधान परिषद् के सभापति श्री देवेश चन्द्र ठाकुर, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह सांसद श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, ऊर्जा मंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री संजय कुमार झा, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री श्री आलोक कुमार मेहता, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री जमा खान, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री श्री सुनील कुमार सहित अन्य मंत्रीगण, पूर्व मुख्यमंत्री श्री जीतन राम मांझी, कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री अखिलेश प्रसाद सिंह, भाकपा माले के विधायक दल के नेता श्री महबूब आलम सहित अन्य सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति एवं रोजेदार उपस्थित थे। ●

ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में जल-जीवन-हरियाली अभियान को मिला 'अवार्ड ऑफ एक्सलेंस

● अमित कुमार

मबिहार सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना जल.जीवन.हरियाली अभियानको दिनांक 25/03/2023 को नई दिल्ली में आयोजित 20वें सीएसआई-एसआईजीई गवर्नेस पुरस्कार समारोह में परियोजना श्रेणी अंतर्गत अवार्ड ऑफ एक्सेलेंस से सम्मानित किया गया। कम्प्यूटर सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) द्वारा प्रत्येक वर्ष ई-गवर्नेस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली परियोजनाओं को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि माननीय मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर, 2019 को जल-जीवन-हरियाली अभियानकी शुरुआत की गयीए जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करना तथा पर्यावरण संरक्षण है। इस अभियान केअंतर्गत राज्य भर में 11 विभिन्न अवयवों का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसमें सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त करानाए उनका जीर्णोद्धारए छत वर्षा जल.संचयनए सघन वृक्षारोपणए जैविक कृषि तथा सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन दिए जाने जैसे कार्य सम्मिलित हैं । राज्य के 15 विभागों के समन्वय से संचालित इस अभियान का का अनुश्रवणग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत जल.जीवन.हरियाली मिशन के स्तर से किया जा रहा है तथा नियमित रूप से इसकी उच्च स्तरीय समीक्षा की जाती है ।

जल.जीवन.हरियाली मिशन के मिशन निदेशक श्री राहुल कुमार ने जल-जीवन-हरियाली अभियान को ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में अवार्ड ऑफ एक्सेलेंस से सम्मानित किए जाने को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी देश.दुनिया के कई मंचों से इस अभियान को व्यापक सराहना मिली है । पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन की

चुनौतियों को लक्षित ऐसा व्यापक राज्यव्यापी अभियान चलानेवालाबिहार देश का पहला राज्य है। जल-जीवन-हरियाली अभियान के पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा जिलांतर्गत किए जा रहे कार्यों के लिए एकीकृत इन्टरफेस उपलब्ध हो पाया है।

Computer Society of India
SIG eGov
20th CSI SIG eGovernance Awards 2022
Award of Excellence
is hereby conferred upon
Jal Jeevan Hariyali Abhiyaan Portal
Category: State Government Project
Rural Development Department, Govt. of Bihar &
Digital Government Research Centre, NIC Bihar State Centre
Prof. G.P. Sahu
Convener
CSI SIG eGovernance
Prof. D.K. Dwivedi
Convener (Awards)
CSI SIG eGovernance

साढ़े तीन वर्षों की संचालन अवधि में जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत लगभग तीस हजार सार्वजनिक तालाबों, पोखरो, आहरों, पईनों एवं कुओं को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। अड़सठ हजार से अधिक सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं का जीर्णोद्धार कराया गया है । भू.गर्भ जल के स्तर में अभिवृद्धि के उद्देश्य से राज्य भर में सार्वजनिक कुओं एवं चापाकलों के किनारे लगभग डेढ़ लाख सोख्ता का निर्माण कराया गया है । राज्य के हरित आवरण में बढ़ोतरी हेतु बड़े पैमाने पर पौधशाला सृजन तथा सघन वृक्षारोपण कराया जा रहा है । राज्य अंतर्गत सभी सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयत्र तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष ही जल. जीवन.हरियाली अभियान को वर्ष 2024.25 तक के लिए विस्तारित किया गया है। ●

राजकीय समारोह के रूप में मनायी जायेगी

रामलखन सिंह यादव जी की जयंती

● अमित कुमार/त्रिलोकी नाथ प्रसाद

बीते 26 मार्च को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित रामलखन सिंह यादव स्मृति समारोह में शामिल हुए और स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करने के पश्चात् अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि रामलखन सिंह यादव स्मृति समारोह का आज आयोजन किया गया है। रामलखन सिंह यादव जी का जन्म 9 मार्च, 1920 को हुआ था। उन्होंने जो काम किया है उसकी चर्चा कई लोगों ने की है। हम जब विधायक थे तो उनके मंत्रीत्व काल को भी नजदीक से देखा था। वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार में मंत्री रहे थे और विकास के कई कार्य किए थे। वे हमें काफी मानते थे। रामलखन बाबू आजादी की लड़ाई लड़े थे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम किया, कई स्कूलों और कॉलेजों का निर्माण कराया। उन्होंने समाज के सभी वर्ग के लोगों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। वे चाहते थे कि सभी लोगों तक शिक्षा पहुंचे। मेरा जन्म बख्तियारपुर में हुआ है। मेरे पिताजी स्वतंत्रता सेनानी थे और बख्तियारपुर में स्कूल का निर्माण कराया था, साथ ही कॉलेज का निर्माण कराना चाहते थे। इसी दौरान राम लखन बाबू ने बख्तियारपुर में कॉलेज का निर्माण कराया। हम अक्सर जाकर उस कॉलेज को देखते रहते हैं। रामलखन बाबू ने पटना,

पालीगंज, बख्तियारपुर, गया, जहानाबाद, औरंगाबाद सहित कई जगहों में कॉलेज का निर्माण कराया। बिहार के किसी नेता ने इतने बड़े पैमाने पर कॉलेज नहीं बनवाया है। रामलखन बाबू के पुत्र श्री प्रकाशचंद्र जी बाढ़ से सांसद थे। उनके बाद बाढ़ से हम सांसद बने। इनसे भी मेरा व्यक्तिगत संबंध है। रामलखन बाबू के पौत्र श्री जयवर्धन यादव विधायक रहते हुए अपने क्षेत्र में काफी काम किए। वे काफी मेहनती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग शिक्षा के क्षेत्र में लगातार काम कर रहे हैं। लड़कियों के लिए साइकिल योजना और पोशाक योजना चलाई गई। 22 हजार स्कूल के भवनों का निर्माण करवाया गया। अनुसूचित जाति-जनजाति समाज के जो बच्चे पहले स्कूल नहीं जा पाते थे, उन्हें स्कूल पहुंचाया गया। बड़ी संख्या में शिक्षकों की बहाली की गई। अब स्कूलों में पढ़नेवाली लड़कियों की संख्या लड़कों के बराबर हो गई है। बड़े पैमाने पर शिक्षकों की और बहाली की जाएगी। सभी जिलों में इंजीनियरिंग कॉलेज खोला गया। मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामलखन बाबू को याद रखना है। वे अपने हित में नहीं बल्कि लोगों के हित के लिए हमेशा काम करते रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 9 मार्च को स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव जी की जयंती को राजकीय समारोह के

रूप में मनाया जाएगा। पटना में रामलखन सिंह यादव कॉलेज परिसर में उनकी मूर्ति लगाई जाएगी। इस पर शीघ्र काम किया जाएगा ताकि रामलखन बाबू को लोग हमेशा याद रखें और नई पीढ़ी को उनके बारे में जानकारी मिले। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी बच्चियों को जरूर पढ़ाएं। अपने बच्चों को भी पढ़ाएं। बिहार में पहले प्रजनन दर 4.3 था, लड़कियों के शिक्षित होने से यह घटकर 2.9 पर आ गया है। एक सर्वे से पता चला कि पति-पत्नी में अगर पत्नी मैट्रिक पास है तो देश का प्रजनन दर 2 था और बिहार का भी प्रजनन दर 2 था। पति-पत्नी में अगर पत्नी इंटर पास है तो देश का प्रजनन दर 1.7 था और बिहार का प्रजनन दर 1.6 था। हमलोगों ने तय किया कि लड़कियों को शिक्षित करेंगे। महिलाओं को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि समाज में आपस में झगड़ा न करें, प्रेम और भाईचारा रखें, सभी मिलजुलकर रहें। रामलखन सिंह यादव स्मृति समारोह के आयोजन के लिए मैं आयोजकों को धन्यवाद देता हूं और आप सभी इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित हैं, मैं सभी लोगों का अभिनंदन करता हूं।

कार्यक्रम में रामलखन सिंह यादव स्मृति मंच के लोगों एवं स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव के परिवारजनों द्वारा मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने डॉ0 रघुवर प्रसाद द्वारा लिखी पुस्तक 'रामलखन सिंह यादव-व्यक्तित्व एवं कृतित्व' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने 'दूसरा मत' पत्रिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने 'चलो-चलें कलम की ओर' अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम को सांसद श्री रामकृपाल यादव, विधायक श्री भाई वीरेंद्र, विधानपार्षद श्री गुलाम गौस, पटना नगर निगम की महापौर श्रीमती सीता साहू, मिथिला कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती डॉ0 भारती दयाल, स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव के पौत्र एवं पूर्व विधायक श्री जयवर्धन यादव, पूर्व विधायक श्री विजेंद्र यादव, पटना सदर के पूर्व प्रमुख एवं स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव के नजदीकी मित्र श्री यमुना प्रसाद यादव, रामलखन सिंह यादव की पौत्री श्रीमती शुभ लक्ष्मी, रामलखन सिंह यादव स्मृति मंच के अध्यक्ष श्री रविरंजन, रामलखन सिंह यादव स्मृति मंच के उपाध्यक्ष श्री शौकत अली रिजवी, रामलखन सिंह यादव स्मृति मंच के संयोजक इंजीनियर पप्पू यादव एवं महासचिव श्री राजेश रंजन ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में स्वर्गीय रामलखन सिंह यादव के पुत्र एवं पूर्व सांसद श्री प्रकाशचंद्र, पूर्व विधान पार्षद श्री लालदास राय सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।●

मोटापा से बचना है तो सूर्यास्त के बाद करें भोजन

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

देर रात भोजन करना कुछ के लिए मजबूरी तो बहुतों की आदत बन गई है। किंतु देर रात किया गया भोजन सेहत को बहुत हानि पहुंचाता है। आर्युवेद विज्ञान तो प्राचीन काल से ही यह बता रहा है कि देर रात किया गया भोजन, मोटापा, प्रमेह, मधुमेह, गठिया बीमारियां पैदा करता है। आधुनिक शोधों में भी उजागर हो चुके हैं की रात में किया गया भोजन दर्जनों बीमारी पैदा करता है।

पिछले दिनों अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में इस विषय पर एक रिसर्च प्रस्तुत की गई कि ''देर रात में खाने से शरीर'' पर क्या फायदा और क्या नुकसान होता है। लंबे समय तक शोध के बाद यह बात उभर कर सामने आई थी देर रात खाने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इस रिसर्च में यह बताया गया कि गलत समय पर भोजन करने से दिमाग और शरीर की जैविक घड़ियों का आपसी तालमेल गड़बड़ा जाता है और नई चीजें सीखने और उन्हें याद रखने में परेशानी आने लगती है। शोध में यह निष्कर्ष सामने आया जो लोग रात में अधिक मात्रा में भोजन करते हैं, उनको यदि मोटापा बढ़ने की समस्या हो जाए तो ऐसे लोगों को टाइप 2 डायबिटीज और

हायपरएसिडिटी की खतरा बढ़ जाता है। एक शोध में यहां तक बताया गया है कि खाने के तुरंत बाद सोने से हार्ट की बीमारी कि आशंका बढ़ जाती है। सूर्यास्त के पहले भोजन की आदत डाल देने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। रात्रि में भोजन करने से पाचन एंजाइम्स को नष्ट कर देती है या कमजोर कर देती है जिससे खाया पिया भोजन कठिनाई से पचता है भूख की कमी होने लगती है और शरीर टूटने लगता है। रात का भोजन छोड़कर खाली पेट कदापि नहीं सोना चाहिए अन्यथा अपच, एसिडिटी, जी मिचलाना, कमजोरी, अनिद्रा जैसे कई रोग पैदा हो सकते हैं और शरीर की स्फूर्ति गायब हो सकती है। यदि सुबह का किया हुआ भोजन कदाचित न पचे तो भी शाम का भोजन हानी नहीं करता यानी शाम का भोजन करना ही चाहिए। यदि रात में किया हुआ भोजन सही ढंग से नहीं पचे तो सुबह का भोजन त्याग देना चाहिए अन्यथा निश्चित रूप से आप रोगी बन जाएंगे। आचार्य भाग्भट जी ने केबल इतना नहीं कहा बलिक इसका वैज्ञानिक कारण ही प्रस्तुत किया कि रात्रि में मानव की सक्रियता नहीं रहती, पाचक की स्थिति भी शीथिल रहती है इसलिए रात का किया भोजन अपचित रह गया तो वह भोजन खराब होकर रोग कारक हो जाता है जैसे पट्टी में दूध में अच्छा दूध मिला देने से वह भी खराब हो जाता है। बताया जाता है कि पहले लोग मानते थे कि रात्रि भोजन करना जानबूझकर अपनी कब्र खोद रहा है। बताया जाता है कि आज ही गाय भैंस हाथी ,घोड़ा, रात्रि भोजन नहीं करता है।●

मोटे अनाज में पोषक तत्व का भंडार

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

पांच छह दशक पहले मक्का ,बाजरा , ज्वार, जो,सामा,चीना जैसे मोटे अनाज खूब चलता था। गेहूं, चावल जैसे अनाज पैदावार कम थी। हरित क्रांति के बाद जैसे-जैसे चावल गेहूं की उपलब्धता बढ़ी, मोटे अनाज आम आदमी की थाली से दूर होते गए। धीरे-धीरे मोटे अनाज का गुण लोगों ने लगभग भुला ही दिया। नई पीढ़ी तो कई मोटे अनाज के नाम तक नहीं जानते। पिछले कुछ वर्षो के दौरान बड़ी-बड़ी कंपनियां इन मोटे अनाजों को आधुनिक तरीके से पैकेट रूप में बाजार में लेकर आई तो गायब हो चुके एक बार फिर चर्चा में आ गए। इन कंपनियों ने मोटे अनाज की पौष्टिकता क्वालिटी बताकर उनकी मार्केटिंग शुरू की तो आम लोगों की इनकी खूबियों के बारे में पता चला। शॉपिंग मॉल और दुकानों पर मोटे अनाज की मौजूदगी मिल जायेगें। डॉ लक्ष्मीनारायण सिंह पटेल ने बताया कि मोटे अनाज के फायदे। मोटे अनाज में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा कम होने से दिल का दौरा पड़ने की आशंका कम रहती है। कोलेस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, कैल्शियम की अधिकता,

हड्डियों को मजबूत रखती है, उन्होंने कहा कि मोटे अनाज के इस्तेमाल से गंभीर बीमारी पर काबू पाया जा सकता है ,खासकर रक्त कैंसर, जोड़ों के दर्द, बल्ड प्रेशर ,खून की कमी हाइपरटेंशन ,कोलेस्ट्रोल अस्थमा, हृदय के लिए, त्वचा ,मानसिक संतुलन, वजन कम करने के लिए, खून की कमी ,जोड़ों के दर्द से निपटारा मिल सकता है। इसके सेवन से सर्दी भी कम लगती है कब्ज, गैस, एसिडिटी की परेशानी नहीं होती। डायबिटीज के रोगी को बाजरा मड़ुवा और ज्वार चुस्त रखते हैं। सेहत को दुरुस्त रखने और बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए मोटा अनाज सबसे ज्यादा फायदेमंद है। समय के साथ लोग फास्ट फूड व पॉलिसयुक्त अनाज ज्यादा पसंद करने लगे हैं। जो पैकेटों में आते हैं। मॉल और संस्कृति जब से पनपी है तब से लोग और भी पॉलिस युक्त पैकेट का चलन बढ़ गया नतीजतन इसके दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। यही कारण है कि सरकार ने अब फिर से मोटे अनाज की प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने की पहल की है कृषि विभाग भी मोटे अनाज उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित और उत्साहित करने में जुटा है। उन्होंने कहा कि अनाजों में छिलका सबसे महत्वपूर्ण है उसे इस्तेमाल में अवश्य लाएं। छिलका रहित दाल नहीं छिलका सहित खाएं।●

हनुमान जन्मोत्सव विशेष

हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले हुआ था हिंदू धर्म में कलयुग में राम भक्त महावीर हनुमान जी सबसे ज्यादा पूजे जाते हैं। 6 अप्रैल को हनुमान जी का जन्मोत्सव है। कुछ लोग इसे हनुमान जयंती भी कहते है, जो गलत है। दरअसल, जयंती मृत लोगों की मनाई जाती है। जबकि जीवित के लिए जन्मदिन या जन्मोत्सव का इस्तेमाल किया जाता है। चूंकि हनुमान जी को अजर-अमर माना जाता है तो जन्मोत्सव ही उचित होगा।

पौराणिक कथा के अनुसार, चैत्र माह की पूर्णिमा पर भगवान राम की सेवा के उद्देश्य से भगवान शंकर के ग्यारहवें रुद्र ने अंजना के घर हनुमान के रूप में जन्म लिया था, इसलिए भगवान श्री हनुमान के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह त्यौहार हिन्दूओं का विशेष त्योहार है तथा इस त्योहार को पूरे भारत में मनाया जाता है। हनुमान जी को भगवान वरूण के नाम से भी जाना जाता है। ज्योतिषियों के सटीक गणना के अनुसार, हनुमान जी का जन्म 58 हजार 112 वर्ष पहले त्रेतायुग के अन्तिम चरण में चौत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र और मेष लग्न के योग में सुबह 6.03 बजे आज के झारखण्ड राज्य के गुमला जिले के आंजन नाम के छोटे से पहाड़ी गाँव के एक गुफा में हुआ था। हनुमान जी, श्री राम के परम भक्त थे तथा उनकी भक्ति, निष्ठा व सेवा का सम्पूर्ण वर्णन ''श्री रामायण'' में किया गया है। श्री हनुमान जी को शक्ति व ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को भूत-प्रेत से छुटकारा चाहिए तो वह हनुमान जी की पूजा अवश्य करता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, यदि शनि को शांत करना है तो भगवान श्री हनुमान जी को प्रसन्न करना चाहिए। ऐसा इसलिए कहा गया है कि जब हनुमानजी ने शनिदेव का घमंड तोड़ा था तब सूर्यपुत्र शनिदेव ने हनुमानजी को वचन दिया है कि उनकी भक्ति करने वालों की राशि पर आकर भी वे कभी उन्हें पीड़ा नहीं देंगे। इस दिन भक्त हनुमानजी की मूर्ति पर तेल, टीका एवं सिंदूर चढ़ाते है। बहुत लोग इस दिन उपवास भी रखते हैं। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जन्मोत्सव के दिन जो भी व्यक्ति हनुमानजी की भक्ति और दर्शन करता है, उसके सभी दुख-दर्द दूर हो जाते हैं। भक्त गण प्रात: काल से ही भगवान हनुमान के पूजा व दर्शन के लिए मंदिरों में जाते है।

☞ **इस तरह करें पूजा :-** हनुमान जन्मोत्सव पर शाम को लाल वस्त्र बिछाकर हनुमानजी की मूर्ति या फोटो को दक्षिण मुंह करके स्थापित करें। खुद लाल आसन पर लाल वस्त्र पहनकर बैठ जाएं। घी का दीपक और चंदन की अगरबत्ती या धूप जलाएं। चमेली तेल में घोलकर नारंगी सिंदूर और चांदी का वर्क चढ़ाएं। इसके बाद लाल फूल से पुष्पांजलि दें। लड्डू या बूंदी का भोग लगाएं। दीपक से 9 बार घुमाकर आरती करें और ऊँ मंगलमूर्ति हनुमते नम: मंत्र का जाप करें। **रिपोर्ट :- रीता सिंह**

फार्म IV (नियम 8 देखें)

01. प्रकाशन का स्थान	:- पटना
02. प्रकाशन की आवर्तिता	:- मासिक
03. मुद्रक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं-14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
04. प्रकाशक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
05. संपादक का नाम	:- ब्रजेश मिश्र
क्या भारतीय नागरिक हैं?	:- हां
(अगर विदेशी हों, तो मूल देश का नाम)	:- लागू नहीं
पता	:- पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
06. उन लोगों के नाम और पते जो समाचार पत्र के मालिक हों, या जिनके पास कुल पूंजी का एक फीसदी से अधिक हो	:- मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)
07. कुल पूंजी में एक फीसदी से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली शेयरधारकों के नाम और पते	:- मालिक श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट पूर्वी अशोक नगर रोड नं- 14, कंकड़बाग पटना-800020 (बिहार)

मैं ब्रजेश मिश्र घोषणा करता हूं कि ऊपर दिया गया ब्योरा मेरी जानकारी और मान्यता के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर (ब्रजेश मिश्र)

दिनांक:- **5 अप्रैल 2023** प्रकाशक का हस्ताक्षर

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

✰ क्या कोई गिरफ्तार व्यक्ति अपने किसी संबंधी को सूचित करने के लिए पुलिस को बाध्य कर सकता है?

यदि किसी व्यक्ति को पुलिस गिरफ्तार कर लेती है तो उस व्यक्ति को यह अधिकार है कि वह अपनी गिरफ्तारी की जानकारी अपने संबंधी या मित्रों तक पहुंचा सके, इस अधिकार का प्रावधान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50(क) में दिया गया है। जिसके अनुसार प्रत्येक पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति जो इस संहिता के अधीन गिरफ्तारी कर रहा है ऐसी गिरफ्तारी की सूचना तथा स्थान की सूचना ऐसे गिरफ्तार व्यक्ति के मित्र, रिश्तेदार या उसके निकट संबंधी अथवा गिरफ्तार व्यक्ति के द्वारा बताए गए किसी व्यक्ति को देगा। पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को जैसे ही उसे पुलिस थाने में लाया जाता है तो दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 की उप धारा 1 के अधीन उसके अधिकारों के बारे में सूचित करेगा । (ग) पुलिस थाने में रखी जाने वाली पुस्तिका में इस बात की और ऐसे प्रारूपों में जैसा कि राज्य सरकार निर्देशित करें गिरफ्तारी की सूचना जिस व्यक्ति को दी गई है वह उस की प्रविष्टि की जाएगी (घ) उस मजिस्ट्रेट का जिसके समक्ष गिरफ्तार व्यक्ति को प्रस्तुत किया गया है यह कर्तव्य होगा कि वह संतुष्टि कर ले कि इस धारा की उप धारा 2 और 3 की औपचारिकताएं गिरफ्तार व्यक्ति के संदर्भ में पूरी कर ली गई हैं।

✰ जितेंद्र कुमार ने पागलपन के कारण अनिल कुमार का प्राण लेने का प्रयास किया। अनिल कुमार ने जितेंद्र कुमार को अपने बचाव में लोहे के रड से मार कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया तो क्या अनिल कुमार ने कोई अपराध किया है?

भारतीय दंड संहिता की धारा 98 के अनुसार यदि कोई पागल व्यक्ति या बालक या नासमझ व्यक्ति किसी के ऊपर जानलेवा हमला करता है तो पीड़ित व्यक्ति को अपने प्राणों की रक्षा करने का अधिकार है और अपने प्राणों की रक्षा करने के लिए अपराधी का प्राण तक ले लेने का अधि कार कानून प्राइवेट प्रतिरक्षा के अधिकार के रूप में देती है चाहे अपराधी पागल या नासमझ या बच्चा ही क्यों ना हो।

✰ अपराधिक मामले में अभियुक्त, पीड़ित या सूचक की मौत हो जाने पर क्या केस की कार्यवाही बंद हो जाती है?

राज्य किसी भी अपराध की घोषणा करती है कि क्या काम अपराध है और किस काम को करना अपराध नहीं है , इसका निर्धारण स्टेट द्वारा किया जाता है जिस किसी भी कार्य या कार्य लोप को स्टेट द्वारा अपराध बना दिया जाता है उसके लिए निर्धारित किया गया दंड भी न्यायालय के आदेश से स्टेट द्वारा दिया जाता है। एक अभियुक्त जिस पर कोई मुकदमा चलाया जा रहा है यदि वे कोई अपराध करता है तब उसका अपराध पीड़ित के खिलाफ नहीं होता है बल्कि राज्य के खिलाफ होता है जैसे कि भारत सरकार ने संसद द्वारा अधिनियमित किए गए कानून के माध्यम से उतावलेपन से मोटरयान चलाना एक अपराध बनाया गया है ऐसे उतावलापन के कारण अगर किसी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई नुकसान होती है तब वह व्यक्ति पीड़ित होगा लेकिन होने वाला अपराध राज्य के विरुद्ध किया गया माना जाता हैद्य राज्य सरकार उस अपराध का अभियोजन चलाता हैद्य अपराध साबित होने पर अभियुक्त को दोस्त सिद्ध कर दंडित किया जाता है। एक आपराधिक मामले में अभियुक्त होते हैं और एक पीड़ित होते हैंद्य पीड़ित वह व्यक्ति होता है जिसे अपराध के जरिए नुकसान पहुंचाया गया है अगर किसी आपराधिक मामले में अभियुक्त या पीड़ित की मौत हो जाती है तब परिस्थितियां भिन्न हो जाती हैं।

☞ **पीड़ित की मौत होने पर केस की स्थिति :-** किसी आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर अभियोजन पर किसी भी प्रकार का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है जैसे कि किसी व्यक्ति को चाकू मारकर घायल किया गया है द्य चाकू से हमला करने वाले पर स्टेट अभियोजन चला रही है, कुछ समय बाद जिस व्यक्ति को चाकू से मारा गया था उसकी मौत हो जाती है तब मामला खत्म नहीं होता है, मुकदमे में अभियोजन तो चलता रहता है। स्टेट मामले को अंत तक चलाती है क्योंकि स्टेट कभी भी समाप्त नहीं होती हैद्य एक पीड़ित की मौत होने से केवल अभियोजन में एक गवाह कम हो जाता है, अगर पीड़ित ने गवाही दे दी है तब गवाह भी कम नहीं होता हैद्य एक पीड़ित की मौत के बाद भी मुदालय को दंडित किया जा सकता द्य पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी की ओर से किसी भी आवेदन को लगाने की आवश्यकता नहीं होती हैद्य आवेदन लगाने की आवश्यकता सिविल मामले में होती हैद्य आपराधिक मामलों में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है। परिवाद पर दर्ज किए गए आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी आवेदन के माध्यम से स्वयं को उपस्थित कर सकते हैं जैसे कि कोई चेक बाउंस होने पर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के अधीन आयोजन चलाने पर पीड़ित की मौत हो जाने पर उसके वैध उत्तराधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर आगे मामले का संचालन कर सकते हैं तथा मरने के बाद व्यक्ति की ओर से उत्तराधिकार के रूप में प्रतिकर भी प्राप्त कर सकते हैंद्य

मुदालय की मौत होने पर मुकदमों की स्थिति :- किसी आपराधिक मामले में मुदालय की भी मृत्यु हो सकती हैद्य भारत में न्यायालय में चलने वाले मुकदमे वर्षों वर्ष तक चलते हैं ऐसी स्थिति में मुदालय भी मर सकते हैंद्य एक मुदालय के मर जाने से अभियोजन समाप्त नहीं होता है अपितु उसके दोष सिद्धि या दोष मुक्ति अंत तक निर्धारित नहीं होती हैद्य जिस दिन न्यायालय द्वारा मामले में निर्णय लिया जाता है उस दिन ही यह माना जाता है कि वह व्यक्ति दोषी था या नहीं। हालांकि अभियोजन की ओर से किसी भी मुदालय की मृत्यु हो जाने पर एक आवेदन प्रस्तुत कर दिए जाने पर न्यायालय मामले को आगे नहीं चलाती है परंतु अभियुक्त के परिवार जन किसी विशेष मामले में मुदालय को बरी करवाना चाहते हैं तथा मुकदमे को आगे चलाना चाहते हैं तब अभियोजन को पूरा चलाया जा सकता है। अगर किसी अभियोजन में एक से अधिक अभियुक्त हैं तब तो अभियोजन के समाप्त होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है जो मुदालय जिंदा है उन पर तो मुकदमा चलाया ही जाएगा द्य अंत में जिंदा मुदालय दोष सिद्ध पाए जाते हैं तब उन्हें दंडित करने के लिए जेल भी भेजा जा सकता है।

उत्तराधिकार इत्यादि के मामले में हत्या का आरोप लगने पर कोई व्यक्ति को उतराधिकार नहीं मिलता है इसलिए हत्या जैसे मामलों में अभियुक्त के उत्तराधिकारी न्यायालय से यह निवेदन करते हैं कि अभियोजन को पूरा चलाया जाए ताकि इससे यह स्पष्ट हो सके कि मरने वाला अभियुक्त दोषी था या नहीं उत्तराधिकार विधि में यदि कोई व्यक्ति हत्या का दोषी पाया जाता है तब उसे उत्तराधिकार नहीं प्राप्त होता है।

जन-जन की आवाज है केवल सच

केवल सच | Kewalachlive.in वेब पोर्टल न्यूज 24 घंटे आपके साथ | Kewalsach news — खबर वहीं, जो केवल सच हो | केवल सच TIMES

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM UPI — GPay, Paytm

www.kewalsach.com www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,

कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

मंदिर निर्माण

हनुमान जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ।

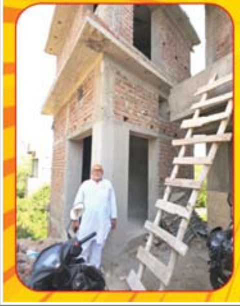

समाजसेवी श्री महेश प्रसाद सिंह के द्वारा शनि देव एवं बजरंग बली का भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है।

सभी श्रद्धालु बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

निर्माणकर्ता :- श्री महेश प्रसाद सिंह

स्थान :- स्टेशन के सामने, देवघर

मो0 :- 9431074344

सामाजिक एवं बौद्धिक क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर

केवल सच सामाजिक संस्थान और श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट अपने भविष्य के आगामी योजनाओं में सामाजिक एवं बौद्धिक सुधार के क्षेत्र में पुर्नजागरण के शंखनाद हेतु बिहार और झारखण्ड राज्य के मेधावी/सक्षम/योग्य/दक्ष एवं कर्मठ नवयुवकों को अपने टीम में वैतनिक/अवैतनिक रूप से जुड़ने के लिए अवसर प्रदान करना चाहती है। उक्त स्वयंसेवी संस्थान मुख्य रूप से 'अपना घर' (वृद्धाश्रम आवास योजना), परिवार परामर्श केन्द्र, शिक्षा का संक्षिप्त पाठ्यक्रम (मूल रूप से निर्धन/बेसहारा लड़कियों हेतु) और विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रीत करना चाहती है। इन कार्यक्रमों से जुड़कर नवयुवक सामाजिक क्षेत्र में अपनी हिस्सेवारी सुनिश्चित कर सकते हैं। उक्त संगठन इसके लिए टीम वर्क के तहत कार्य करना चाहती है, जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय समन्वयक के अधीन वार्ड/ पंचायत/ प्रखण्ड/ अनुमण्डल/जिला समन्वयकों की नियुक्ति भी करना चाहती है। इस संस्थान से जुड़कर इच्छुक नवयुवक उक्त पदों पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

संस्थान

shruti कम्युनिकेशन ट्रस्ट

श्रुति कम्युनिकेशन ट्रस्ट

भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882 के तहत संचालित

निबंधन संख्या : 22333/2008, आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2549-52 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1073

केवल सच सामाजिक संस्थान

भारतीय सोसायटी एक्ट 21, 1860 के तहत निबंधित

www.shruticommunicationtrust.org

निबंधन संख्या : 1141 (2009-10), आयकर निबंधित : 12 ए ए/2012-13/2505-8 | 80 जी (5)/तक०/2013-14/1060-63

KEWAL SACH SAMAJIK SANSTHAN

www.ks3.org.in

Regd. Office:- East Ashok Nagar, House No.-28/14, Road No.-14, kankarbagh, Patna- 8000 20 (Bihar)

Jharkhand State Office:- **Riya Plaza, Flat No.-303, Kokar Chowk, Ranchi**

Mob.- 9431073769

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
WD
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008